आदिवासी एक्सप्रेस

आमजन का एक मात्र हिंदी दैनिक अखबार

रांची, शुक्रवार
16 मई 2025
वर्ष: 38, अंक: 163
पृष्ठ: 12, मूल्य: 3रु
RNI NO.: 49065/1989
DAVP CODE: 130961

देश

आतंकियों ने धर्म पूछ मारा, हमने कर्म देखकर किया उनका सफाया..., राजनाथ सिंह का पाकिस्तान पर निशाना

झारखंड

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर हजारीबाग में सड़क पर तिरंगे के साथ उतरे लोग....

हजारीबाग

भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता के आवास पर सेवा भारती के राष्ट्रीय न्यासी एवं संगठन मंत्री का हुआ शुभ आगमन

बिहार की धोखेबाज सरकार ने दलित छात्रों से बात करने से रोका: राहुल गांधी

दरभंगा, ब्यूरो

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी गुरुवार को बिहार के एक दिवसीय दौरे पर थे। इस दौरान वे दरभंगा में प्रशासन की इजाजत के बिना छात्रावास पहुंचे और 12 मिनट तक छात्रों को मंच से संबोधित किया। इसके बाद पटना में 400 सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ 'फुले' मूवी देखी। मूवी देखने के बाद शाम 5.30 बजे राहुल गांधी पटना से दिल्ली के रवाना हो गए।

इसके पहले उन्होंने दरभंगा में कहा कि पीएम मोदी ने डरकर जातीय जनगणना करवाने का ऐलान किया है। लोकसभा में हमने प्रधानमंत्री मोदी से कहा था कि आपको जाति जनगणना करानी पड़ेगी। संविधान को माथे से लगाना पड़ेगा। आपके दबाव से पीएम ने जातीय जनगणना कराने का ऐलान किया।

अपने दौरे के दौरान राहुल गांधी ने मीडिया से बात करते हुए एक बार फिर आरक्षण को लेकर बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि 'मैंने वहां (कॉलेज के छात्रावास में) जाति जनगणना के बारे में बात की और यह भी कहा कि जो कानून है, निजी कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में आरक्षण का, उस कानून को लागू किया जाना चाहिए। साथ ही, आरक्षण में 50त्न की दीवार तोड़ी जानी चाहिए। ये हमारी मांगें हैं और हम इन्हें पूरा करेंगे।'

अपने खिलाफ दर्ज किए गए मामले पर उन्होंने कहा, 'मेरे खिलाफ 30-32 मामले दर्ज हैं, ये सब मेडल हैं।'

दरअसल, जिला प्रशासन से अनुमति नहीं मिलने बावजूद राहुल गांधी गुरुवार को दरभंगा के अंबेडकर छात्रावास पहुंचे थे। वे छात्रों से संवाद तो नहीं कर पाए, लेकिन उन्होंने मंच से छात्रों को संबोधित किया। हस्द्ध के 'शिक्षा न्याय संवाद कार्यक्रम' में शामिल होने पहुंचे राहुल का संबोधन महज 12 मिनट में खत्म हो गया। इस दौरान उन्होंने अंबेडकर की तस्वीर भी लहराई। इसे लेकर दरभंगा के जिलाधिकारी राजीव रौशन ने कहा है कि CRPC की धारा 163 का उल्लंघन करने के मामले में राहुल गांधी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

इससे पहले दरभंगा में छात्रों को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि '24 घंटे अत्याचार हो रहा है। आपके खिलाफ पेपर लीक हो रहा है। आपको बोलने नहीं दिया जा रहा है। सही तरीके से जातीय जनगणना होनी चाहिए। 90 प्रतिशत आबादी के लिए इस देश में कोई रास्ता नहीं है। सीनियर ब्यूरोक्रेसी में आपके लोग जीरो, डॉक्टर में आपके कितने लोगज्जीरो, एजुकेशन सिस्टम में आपके कितने लोग जीरो, मेडिकल सिस्टम के मालिकों को देखो तो जीरो। मनरेगा की लिस्ट देखो तो सारे के सारे लोग आपके हैं। मजदूरों की लिस्ट निकालो तो आपके लोगों से भरी पड़ी है। सारा का सारा धन और ठेकेदारी 8-10 प्रतिशत लोगों के हाथों में जाता है।

उन्होंने कहा, 'आपको इधर-उधर की बात सुनाकर ध्यान भटका दिया जाता है। लेकिन आपको एक साथ खड़ा होना है। बिहार की पुलिस ने मुझे रोकने की कोशिश की, लेकिन वे मुझे नहीं रोक पाई, क्योंकि आप सभी की शक्ति मेरे पीछे है। इसलिए दुनिया की कोई शक्ति नहीं रोक पाएगी।' इस दौरान राहुल गांधी ने 3 मांगे भी कीं। उन्होंने कहा, 'देश में सही से जातीय जनगणना हो। प्राइवेट यूनिवर्सिटी में दलित, ओबीसी और आदिवासी को आरक्षण का लाभ मिले और दलितों एवं आदिवासियों को उनके हक का पैसा मिले।'

कांग्रेस की चेतावनी

राहुल गांधी के दरभंगा में कार्यक्रम रोकने पर कांग्रेस ने बिहार की एनडीए सरकार को निशाने पर लिया। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा है कि बिहार में दरभंगा के अंबेडकर हॉस्टल में शिक्षा न्याय संवाद कार्यक्रम में राहुल गांधी को शामिल होने से रोकना तानाशाही की पराकाष्ठा है। उन्होंने एक्स पर लिखा है कि अब क्या दलित, वंचित, पिछड़े वर्ग के छात्रों से संवाद करना संविधान के खिलाफ है? क्या उनकी शिक्षा, उनकी भर्ती परीक्षा और नौकरियों के बारे में उनसे बातचीत करना कोई पाप है? जेडीयू-भाजपा सरकार के बिहार में दरभंगा के अंबेडकर हॉस्टल में शिक्षा न्याय संवाद कार्यक्रम में राहुल गांधी को शामिल होने से रोकना तानाशाही की पराकाष्ठा है। लोकतंत्र की जन्मस्थली, बिहार इस अन्याय को याद रखेगी और समय आने पर जेडीयू-भाजपा को इसका उचित जवाब भी देगी।

राहुल गांधी ने रखी तीन मांगे

सही तरीके से देशभर में जातीय जनगणना कराई जाए, जैसे तेलंगाना में की गई है। इसके अलावा, उन्होंने निजी कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में आरक्षण की बात कही। उन्होंने कहा कि निजी शिक्षण संस्थानों में आरक्षण की व्यवस्था की जाए। दलित, पिछड़ा, अति पिछड़ा और आदिवासी की संख्या 90 प्रतिशत है, लेकिन आपको दबाकर, डराकर रोका जाता है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि 90 प्रतिशत लोगों के लिए इस देश में कोई रास्ता नहीं है। उन्होंने ब्यूरोक्रेसी की बात करते हुए कहा कि उनमें इनकी संख्या शून्य है।

जातीय जनगणना और आरक्षण व्यवस्था

उन्होंने लोगों से एक साथ खड़े होने का आह्वान करते हुए कहा कि हमारी जातीय जनगणना और निजी क्षेत्र में आरक्षण की व्यवस्था की मांग है। राहुल गांधी ने कहा, अभी पुलिस ने हमें रोकने की कोशिश की, लेकिन नहीं रोक पाई, क्योंकि आपकी शक्ति मेरे पीछे है। इसलिए उनको कोई नहीं रोक सकता, जिसके पीछे आपकी ताकत है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से जातीय जनगणना कराने और संविधान को माथे से लगाने की बात कही थी। आपके दबाव से प्रधानमंत्री ने जातीय जनगणना कराने की घोषणा की। लेकिन भाजपा लोकतंत्र और संविधान के खिलाफ है।

यह अमीरों की सरकार है

जातीय जनगणना के खिलाफ है। देश में जो 90 प्रतिशत दलित, पिछड़ा, अति पिछड़ा, अल्पसंख्यक और आदिवासी हैं, भाजपा उनके खिलाफ है। यह अमीरों की सरकार है। राहुल गांधी ने लोगों को भरोसा देते हुए कहा, मैं जानता हूं इन छात्रावासों में क्या होता है। गारंटी देता हूं, जैसे ही देश और बिहार में हमारी सरकार आएगी, हम इस स्थिति को बदल देंगे, जो यहां होना चाहिए, वह करेंगे।

प्रियंका ने उठाये सवाल

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने एक्स पोस्ट में लिखा, दरभंगा के अंबेडकर हॉस्टल में शिक्षा न्याय संवाद कार्यक्रम के तहत छात्रों से संवाद करने जा रहे नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को रोकना अत्यंत शर्मनाक, निंदनीय एवं कायराना कृत्य है। तानाशाही पर उतारू जेडीयू-भाजपा गठबंधन की सरकार को यह बताना चाहिए कि क्या बिहार में नेता प्रतिपक्ष का जाना अपराध है या दलितों, पिछड़ों, वंचितों और गरीबों की आवाज उठाना अपराध है? न्याय और क्रांति की धरती बिहार की जनता यह तानाशाही बर्दाश्त नहीं करेगी।

नीतीश जी आप क्यों डर रहे हैं?

इससे पहले राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वीडियो शेयर करते हुए लिखा, बिहार में एनडीए की डबल इंजन धोखेबाज सरकार मुझे अंबेडकर हॉस्टल में दलित और पिछड़े छात्रों से बातचीत करने से रोक रही है। संवाद कब से अपराध हो गया? नीतीश जी, आप किस बात से डर रहे हैं? क्या बिहार में शिक्षा और सामाजिक न्याय की स्थिति छुपाना चाहते हैं?

एक बार फिर निजी हाथों में होगी शराब की खुदरा बिक्री

झारखंड कैबिनेट की मंजूरी

रांची, ब्यूरो

राज्य में एक बार फिर शराब की खुदरा बिक्री की जिम्मेदारी निजी हाथों में देने का फैसला हेमंत सरकार ने लिया है. इसके तहत राज्य सरकार लॉटरी के माध्यम से 1453 दुकानों की नीलामी करेगी. हालांकि शराब की होलसेल की जिम्मेदारी जेएसबीसीएल के पास ही रहेगा. गुरुवार 15 मई को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में झारखंड मंत्रालय में हुई कैबिनेट की बैठक में उत्पाद विभाग के इस प्रस्ताव पर मंजूरी प्रदान की गई. झारखंड उत्पाद मदिरा की खुदरा बिक्री हेतु दुकानों की बंदोबस्ती और संचालन नियमावली 2025 के गठन सहित 17 प्रस्तावों पर मुहर लगाते हुए कैबिनेट ने कई अहम फैसले लिए हैं.

कैबिनेट की बैठक में लिए गए निर्णयों की जानकारी देते हुए विभागीय सचिव मनोज कुमार ने बताया कि इस नियमावली को अगले एक से डेढ़ महीने के भीतर लागू कर दिया जाएगा. इसके तहत वर्तमान में 1453 शराब दुकानों की नीलामी की जाएगी. एक व्यक्ति को एक जिले में अधिकतम तीन दुकानें दी जाएगी और अधिकतम 12 जिलों में उन्हें दुकानें मिलेगी. इस तरह से एक व्यक्ति के नाम से 36 शराब की दुकानें मिल सकेगी.

झारखंड मंत्रालय में हुई कैबिनेट की बैठक में कुल 17 प्रस्तावों पर मंजूरी प्रदान की गई है. जिसमें पहला प्रस्ताव उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग से जुड़ा है. इसके तहत झारखंड प्रोफेशनल एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन बिल 2025 की स्वीकृति प्रदान की है. अब झारखंड में जितने भी व्यावसायिक शिक्षा पाठ्यक्रम हैं उनका शुल्क विनियमित करने का निर्णय लिया गया है. दूसरा प्रस्ताव स्कूली एवं शिक्षा साक्षरता विभाग से जुड़ा है. इसके तहत राज्य के सरकारी माध्यमिक आचार्य, प्रधानाचार्य और शिक्षा कर्मियों की नियुक्ति एवं सेवा शर्त नियमावली 2025 की भी मंजूरी दी है.

तीसरा प्रस्ताव भी स्कूली एवं साक्षरता विभाग से जुड़ा है. इसके तहत मंत्रिपरिषद ने राज्य के राष्ट्रीय कैडेट कोर यानी एनसीसी के कैडेट्स के शिविरों के दौरान भोजन भत्ता में वृद्धि का फैसला लिया है.कैबिनेट सचिव वंदना दादेल ने बताया कि वर्तमान भत्ता 150 से बढ़ाकर 220 रुपये कर दिया गया है. चौथा प्रस्ताव कार्मिक विभाग से पारित किया गया है. जिसमें कानू राम नाथ झारखंड प्रशासनिक सेवा के वित्तीय बैच के विरुद अधिरोपित गण सेवा से हटाया जाना, जो सरकार के अधीन आगामी नियोजन के लिए निर्भरता नहीं होगी को यथावत रखने संबंधी प्रस्ताव.

पांचवां प्रस्ताव नगर विकास विभाग से पारित किया गया. इसके तहत मधुपुर शहरी जलापूर्ति योजना हेतु कैबिनेट ने 76 करोड़ 63 लाख 95 हजार 178 रुपये की पुनरीक्षित प्रशासनिक स्वीकृति दी है. छठा प्रस्ताव भी नगर विकास विभाग से पारित किया गया. इसके तहत विश्व बैंक संपोषित झारखंड म्युनिसिपल डेवलपमेंट प्रोजेक्ट के अंतर्गत 10 करोड़ 70 लाख 70 हजार 160 रुपये की पुनरीक्षित प्रशासनिक स्वीकृति कैबिनेट से प्रदान की गई.

सातवां प्रस्ताव वाणिज्यकर विभाग से पारित किया गया. इसके तहत झारखंड उच्च न्यायालय के आदेशानुसार के अनुपालन में छह वादी जिन्हें सेवानिवृत्ति दी गई थी उनकी सेवा नियमित कर अनुदानित वित्तीय लाभ देने के संबंध में.आठवां प्रस्ताव विधि विभाग से पारित किया गया है. इसके तहत झारखंड उच्च न्यायालय के आदेशानुसार सुनील कुमार, पिता शिव शंकर प्रसाद और सुनील प्रसाद पिता हनुमान प्रसाद की सेवा नियमित करने के संबंध में.

नौवां प्रस्ताव मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग से पारित किया गया. इसके तहत सरकारी उड़ान कार्यक्रम में वित्त नियमावली के नियम 35 को शिथिल करते हुए नियम 45 के तहत मनोनयन के आधार पर एस रेड बर्ड एयरवेज प्राइवेट लिमिटेड की सेवा 6 महीने के लिए विस्तारित करने की स्वीकृति प्रदान की गई है.

वहीं कैबिनेट ने आयुष्मान भारत मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना अंतर्गत 70 वर्ष की आयु से अधिक आयु वाले राज्य के वरिष्ठ नागरिकों को आयुष्मान वय वंदना योजना से आच्छादित करने की स्वीकृति दी गई है. राज सरकार ने भारत सरकार द्वारा तैयार किए गए मजदूर रिफॉर्म्स के अनुपालन हेतु कारखाना अधिनियम 1948 के केंद्रीय अधिनियम संख्या 60 में संशोधन हेतु कारखाना संशोधन विधेयक 2025 की स्वीकृति कैबिनेट के माध्यम से प्रदान की है.

वित्त आयोग के दौरे को लेकर तैयारी में जुटी हेमंत सरकार

संवाददाता द्वारा

रांची: झारखंड दौरे पर आ रही 16 वें वित्त आयोग की टीम को लेकर राज्य सरकार तैयारी में जुट गई है. झारखंड मंत्रालय में गुरुवार 15 मई को वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की. इसमें 28 मई को चार दिवसीय दौरे पर आ रहे वित्त आयोग के समक्ष राज्य सरकार द्वारा की जाने वाली वित्तीय मांगों पर चर्चा की गई.

झारखंड मंत्रालय में वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने मीडियाकर्मियों से बात करते हुए कहा कि वित्त आयोग की टीम के द्वारा झारखंड में वित्तीय प्रबंधन, अनुदान की राशि किस तरह खर्च हो रही है, केंद्रीय सहायता राशि किस तरह से खर्च हो रही है, इन सब विषयों पर जानकारी ली जाएगी. इसके अलावा राज्य के सामाजिक आर्थिक क्षेत्र में क्या काम हुआ है इसकी भी जानकारी आयोग की टीम के द्वारा ली जाएगी.

वित्त आयोग के द्वारा चार एजेंडा भेजा गया है, जिस पर राज्य सरकार को तैयार रहने को कहा गया है. वित्त आयोग की टीम के समक्ष हमारी प्राथमिकता कृषि के क्षेत्र में सिंचाई जल संग्रहण, शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यटन होगी. वित्त मंत्री ने कहा कि सभी विभागों को अपने-अपने आउटपुट तैयार रखने को कहा गया है. वित्त आयोग के दौरे की तैयारी में जुटे वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा है कि आयोग के समक्ष राज्य सरकार तर्क के साथ राशि की मांग करेगी, जो औचित्यपूर्ण होगा. उन्होंने कहा कि गृह विभाग को कहा गया है कि भारत सरकार मान रही है कि झारखंड में उग्रवाद समाप्त हो गया है मगर मेरा मानना है कि उग्रवाद समाप्त नहीं, नियंत्रित हुआ है.

हम विकास के माध्यम से वहां के लोगों का विकास नहीं करते हैं तो कभी भी उग्रवादी पनप सकते हैं. आप पुलिस पिकेट वापस कर लीजिए तब पता चलेगा कि उग्रवाद खत्म हो गया है या अभी भी है. भारत सरकार के द्वारा यह मान लिए जाने पर कि झारखंड में उग्रवाद समाप्त हो गया है, उसका परिणाम यह हुआ है कि अब तक जो हमें इस मद में केंद्रीय सहायता राशि मिलती थी, वह वह मिलना बंद हो गया है. इसलिए हमने पुलिस विभाग के वरीय पदाधिकारी को इस संबंध में मजबूत पक्ष रखने को कहा है.

झारखंड दौरे पर आ रही 16वें वित्त आयोग की टीम 28 मई से चार दिनों तक रहेगी. इस दौरान वित्त आयोग झारखंड की स्थिति को लेकर राज्य सरकार और राजनीतिक दलों के साथ बैठक करेगी. 29 व 30 मई को आयोग की टीम और राज्य सरकार के अधिकारियों की बैठक होगी. झारखंड दौरे के क्रम में आयोग की टीम फील्ड विजिट भी करेगी.

राहुल गांधी का संभावित झारखंड दौरा, जल्द होगी तारीख की घोषणा

विशेष संवाददाता द्वारा

रांची: कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बाद अब राहुल गांधी झारखंड आएंगे. राहुल गांधी का इस बार का दौरा जनजातीय बाहुल्य इलाके में आयोजित होगा. पार्टी की योजना राज्य के जनजातीय इलाकों में राहुल गांधी की पदयात्रा कार्यक्रम की भी है. जल्द ही प्रदेश कांग्रेस लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के दौरे की तारीख की घोषणा करेगी.

कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व का इन दिनों झारखंड पर खासा फोकस नजर आ रहा है. बीते दिनों कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे रांची आए और संविधान बचाओ रैली में शामिल हुए. पहली बार प्रदेश कांग्रेस कमेटी की विस्तारित बैठक में शामिल हुए. अब लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के झारखंड दौरे की योजना बन रही है.

झारखंड कांग्रेस की ओर से लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के दौरे को लेकर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने बताया कि राहुल गांधी का कार्यक्रम किसी जनजातीय बाहुल्य इलाके में आयोजित होगा. इसकी तिथि तय करने जल्द कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दिल्ली जाएंगे और राहुल गांधी से मिलकर समय लेंगे.

प्रदेश कांग्रेस द्वारा राहुल गांधी के दौरे की तैयारी भी शुरू हो चुकी है. इस दौरे से कांग्रेस में उत्साह में दिखाई देने लगी है. कांग्रेस का कहना है कि इस कार्यक्रम में राहुल गांधी जनजातीय समाज की समस्या से भी रूबरू होने वाले हैं. पार्टी की योजना सामाजिक न्याय और पिछड़े, आदिवासियों और अनुसूचित जनजाति के बीच पार्टी के जनाधार को बढ़ाना है. राहुल गांधी का कार्यक्रम जल्द घोषित होने वाला है. झारखंड में चुनाव के बाद वाले साल में ये राहुल गांधी का पहला कार्यक्रम होगा.

झारखंड सरकार का ऑपरेशन जंगल लूट: बाबूलाल मरांडी

संवाददाता द्वारा

रांच: नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने हेमंत सरकार पर तंज कसा है. सोशल मीडिया पोस्ट में कहा है कि हेमंत सरकार ने भ्रष्टाचार की नई मिसाल क़ायम की है, 417 एकड़ वन भूमि के कागज़ात गायब! 417 एकड़ जंगल की ज़मीन का रिकॉर्ड रातों-रात गायब हो जाता है और सरकार मौन व्रत में है! हजारीबाग की चंद्रपुरा ओपन कास्ट परियोजना में करोड़ों की ज़मीन का घोटाला सामने आया है. हेमंत सोरेन से सवाल यह है कि आपके राज में अफसरशाही को जंगल बेचने की खुली छूट कैसे मिल गई? रिटायर्ड अफ़सरों की नियुक्ति कर कब तक अपने काले कारनामे छिपाएगी हेमंत सरकार?

दस्तावेज़ों में छेड़छाड़, मूल रजिस्टर से पन्ने फाड़ना और भूस्वामित्व का फर्जीवाड़ा - यह सब कुछ सरकारी अधिकारियों की मिलीभगत के बिना मुमकिन नहीं. CID ने खुद माना है कि वन भूमि की लीज, मुआवजा और अधिग्रहण से जुड़े रिकॉर्ड 2021 और 2022 में ही गायब कर दिए गए.

लेकिन सवाल यह है कि स्नद्बक्र दर्ज करने में इतनी देर क्यों? कहीं मुंह छुपाने की वजह यह तो नहीं कि लूट की यह स्क्रिप्ट रांची में ही लिखी गई थी? अचानक से इस ग़ायब जमीन को हैदराबाद की एक कंपनी सुशी इंफ्रा एंड माइनिंग को आवंटित कर दिया गया.

क्या वन भूमि देने का फैसला सचिवालय में बैठकर नहीं लिया गया? मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की चुप्पी साफ़ बता रही है कि जंगल ही नहीं, सरकार भी बिक चुकी है.

कांग्रेस ने तेज की सरना धर्म कोड की लड़ाई, 26 मई को धरना प्रदर्शन

संवाददाता द्वारा

रांची: कांग्रेस पार्टी ने झारखंड में आदिवासियों के लिए अलग सरना धर्म कोड की मांग को लेकर अपनी लड़ाई तेज कर दी है. पार्टी ने घोषणा की है कि वह 26 मई को राजभवन के समक्ष धरना प्रदर्शन करेगी और राज्यपाल को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपकर अलग सरना धर्म कोड लागू करने की मांग करेगी. प्रदेश कांग्रेस प्रभारी के राजू ने कहा, काफी समय से सरना धर्म कोड की मांग आदिवासी समुदाय द्वारा की जा रही है. आगामी जनगणना में सरकार सरना धर्म कोड का कॉलम अवश्य लाये. जब तक सरना कोड नहीं मिलता तब तक हम इसके लिए संघर्ष करेंगे. प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि 11 नवंबर 2020 को विशेष सत्र बुलाकर महागठबंधन की सरकार ने सरना धर्म कोड का प्रस्ताव पारित कर केंद्र सरकार को भेजा था लेकिन केंद्र सरकार द्वारा इस पर कोई संज्ञान नहीं लिया गया है.

अभी जो जनगणना होने वाली है उसमें से एक कॉलम को कम कर दिया गया है,पूर्व में जनगणना के कॉलम में 7 कॉलम होते थे अभी उसे घटाकर 6 कॉलम रखा गया है. सभी धर्म का अपना कोड है इस तरह आदिवासियों का भी सरना कोड होना चाहिए.

क्या है सरना धर्म कोड? ्सरना धर्म कोड आदिवासियों के लिए एक अलग धर्म कोड है, जो उनकी धार्मिक पहचान को दर्शाता है. आदिवासी समुदाय के लोग प्रकृति पूजक होते हैं और उनकी अपनी धार्मिक परंपराएं होती हैं.

कांग्रेस की मांग : कांग्रेस पार्टी की मांग है कि आगामी जनगणना में आदिवासियों के लिए अलग सरना धर्म कोड का विकल्प होना चाहिए. पार्टी का कहना है कि 2011 की जनगणना में धर्म को लेकर सात कॉलम थे, जबकि अब सिर्फ छह कॉलम रखा गया है और अन्य वाला कॉलम हटा दिया गया है, जो ठीक नहीं है.

केंद्रीय गृहमंत्री का वादा: पूर्व में केंद्रीय गृहमंत्री ने 2019 के विधानसभा चुनाव के दौरान कहा था कि अगर वह सत्ता में आते हैं तो आदिवासी समुदाय का अपना धर्म कोड होगा. लेकिन अब तक इस पर कोई पहल नहीं की गई है.

कांग्रेस का संकल्प: कांग्रेस पार्टी ने संकल्प लिया है कि वह अलग सरना धर्म कोड की लड़ाई जीतेगी. पार्टी के नेता प्रदीप यादव ने कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो वे दिल्ली के जंतर मंतर पर भी जाकर धरना देंगे, क्योंकि यह मुद्दा आदिवासी समुदाय की पहचान और अस्मिता से जुड़ा है.

कुत्ते की दुम...बुरी तरह हारे, पाकिस्तानी सेना 'कैंसर' है

ऑपरेशन सिंदूर पर अमेरिका-यूके में बेनकाब हुई पश्चिमी मीडिया

अंजन कुमार

नई दिल्ली : भारत को लेकर पश्चिमी मीडिया का रवैया हमेशा पक्षपाती रहा है। शायद इसकी वजह ये रही है कि ब्रिटेन की गुलामी से मुक्त होने के बाद भारत एकमात्र ऐसा राष्ट्र बन चुका है, जो अपनी शर्तों पर सारी नीतियां और कूटनीतियां तय करता है। यह दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से अग्रसर है। यही वजह है कि पश्चिमी मीडिया और उनके देश के हुक्मरानों की भारत के प्रति दुर्भावना खत्म ही नहीं होती। जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद से जिस तरह से पाकिस्तान के दोष को दबाने की अमेरिकी प्रयास हो रहे हैं और उसमें पश्चिमी मीडिया उनकी ढाल बनकर उभरी है। लेकिन, उसे अब वहीं के पूर्व रक्षा अधिकारियों ने बेनकाब करना शुरू कर दिया है। यही हाल यूके का है। वहां के विद्वान तो अब बीबीसी जैसे संस्थानों को बैन करने तक की मांग कर रहे हैं। भारत को पाकिस्तान और पाकिस्तानी कब्जे वाले कश्मीर में ऑपरेशन सिंदूर इसलिए लॉन्च करना पड़ा, क्योंकि पाकिस्तानी सेना की सरपरस्ती में वहां से आए लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों ने 26 लोगों की बेरहमी से हत्या कर दी। भारत की नीति शुरू से स्पष्ट है कि उसके निशाने पर सिर्फ आतंकी, उनके सरगना और उनके ठिकानें हैं। भारत ने शुरू में किसी भी पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों को निशाना नहीं बनाया। लेकिन, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने न सिर्फ पाकिस्तान को भारत के साथ एक तराजू पर तोलने की कोशिश की, बल्कि ऐसा लगा ही नहीं कि वह पहलगाम की घटना और उसकी बाद की परिस्थितियों को

लेकर पाकिस्तान के गुनाहों को स्वीकार करने के लिए तैयार है। ट्रंप ही नहीं, अमेरिकी और ब्रिटिश मीडिया भी एक तरह से पाकिस्तानी सेना और उसकी आड़ में दहशतगर्दों के प्रति सहानुभूति दिखाती नजर आई। लेकिन, अब अमेरिका डिफेंस के एपिसेंटर पेंटागन के पूर्व अधिकारियों ने ऑपरेशन सिंदूर की जरूरत और उसमें भारतीय सशस्त्र सेना को मिली अभूतपूर्व कामयाबी की असलियत दुनिया के सामने रखनी शुरू कर दी है। इन्हीं में से एक हैं माइकल रुबिन जो इस समय अमेरिकन इंटरप्राइज इंस्टीट्यूट में सीनियर फेलो हैं। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना के पराक्रम की सराहना करते हुए न्यूज एजेंसी एएनआई से कहा है,'...पाकिस्तान दुम दबाकर भागे हुए कुत्ते की तरह सीजफायर पाने के लिए भागा। पाकिस्तानी सेना इस पर कोई भी लीपापोती करे, लेकिन सच यही है कि वे न केवल हारे, बल्कि बहुत बुरी तरह हारे।' वे आगे कहते हैं, 'स्पष्ट रूप से, पाकिस्तानी सेना में एक समस्या है। एक तो यह पाकिस्तानी समाज के लिए कैंसर की तरह है और दूसरा, एक सेना के रूप में, यह अक्षम है। क्या असीम मुनीर अपनी नौकरी बचा पाएंगे? लगभग इसी तरह की भावना यूनाइटेड किंगडम के एक बड़े राजनीतिक विश्लेषक डेविड वेंस ने जाहिर की है। उन्होंने तो पक्षपाती रवैए के लिए बीबीसी पर बैन लगाने तक की मांग की है, क्योंकि उन्हें लगता है कि यह भारत-विरोधी है। उन्होंने कहा, 'काफी समय से एक ऑपरेशन की जरूरत थी और आखिरकार वो हुआ। जहां तक समझ में आता है, ये ऑपरेशन सफल रहा है। अगर आप ग्लोबल मीडिया को देखें, तो वो भारत का ज्यादा समर्थन नहीं कर रहा है।' उन्होंने कहा कि यह भारत का सभ्यता के लिए एक कदम था। यह सिर्फ पाकिस्तान के साथ एक झगड़ा नहीं था। उनके अनुसार,'मैं पाकिस्तान को एक विफल राज्य, एक आतंकवादी राज्य और एक आतंकवादी इनक्यूबेटर मानता हूं। भारत ने जो कदम उठाया, वह अच्छा था। इसके साथ ही उन्होंने पश्चिमी मीडिया की पोल खोल कर रख दी है, जिसके बारे में भारत में बहुत पहले से ही आशंकाएं और चिंताएं जताई जाती रही हैं। उनका कहना है, 'पश्चिमी मीडिया ने जो खबरें दिखाई हैं, वो ठीक नहीं हैं। ऐसा लगता है कि वे पाकिस्तान का साथ दे रहे हैं। उन्होंने इस बात पर ध्यान नहीं दिया कि भारत को कितनी सफलता मिली है। प्रेसिडेंट ट्रंप ने जो दखलंदाजी की और सीजफायर कराने की कोशिश की, उससे मुझे निराशा हुई। सीजफायर की कोई जरूरत नहीं थी....पश्चिमी मीडिया कई मामलों में सही नहीं है। पश्चिमी मीडिया कई चीजों पर निष्पक्ष नहीं है। ऐसा लगता है कि वे कुछ मामलों में गलत जानकारी देते हैं। इनपर भरोसा नहीं किया जा सकता....भारत में बीबीसी को बैन कर देना चाहिए। यह बहुत ही ज्यादा भारत-विरोधी और पाकिस्तान का पक्षधर है...।

'डोनाल्ड' मेला आयोजित कर ले बीजेपी तिरंगा यात्रा पर सामना ने लिखा

'ऑपरेशन सिंदूर' पर तिरंगा यात्रा निकालने की बीजेपी की घोषणा ने सियासी तूफ़ान खड़ा कर दिया है। उद्धव ठाकरे की शिवसेना ने बीजेपी पर बड़ा हमला किया है और कहा है कि इन लोगों ने एक साथ 'सिंदूर' और 'तिरंगा' का अपमान किया। इसने आरोप लगाया है कि बीजेपी की 'तिरंगा यात्रा' एक राजनीतिक स्टंट है। उद्धव की शिवसेना के मुखपत्र सामना में लिखे संपादकीय में कहा गया है, 'बीजेपी अध्यक्ष जे.पी. नड्डा और उनकी पार्टी का तिरंगा यात्रा निकालकर जीत का जश्न मनाना उन माताओं-बहनों के जख्मों पर नमक छिड़कने जैसा है, जिनका सिंदूर उजड़ गया। बावजूद इसके अगर बीजेपी यात्रा निकालती है तो अमेरिका और ट्रंप के झंडे लें और बैनरों पर मोदी के साथ ट्रंप की फोटो छापें। इसने लिखा है, बीजेपी कई उत्सव मनाती रहती है। अब उन्हें 'डोनाल्ड ताऊ' के नाम पर एक कार्निवल आयोजित कर उसमें शामिल होना चाहिए। किस बात की तिरंगा यात्रा निकाल रहे हो? भारतीय जनता पार्टी 'ऑपरेशन सिंदूर' की कथित सफलता के जश्न में 13 मई से 23 मई तक देशभर में तिरंगा यात्रा निकालने की घोषणा की है। सामना ने लिखा है कि भारतीय जनता पार्टी और उसका वर्तमान नेतृत्व एक उलझा तमाशा है। इसने लिखा है, 'भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने देशभर में तिरंगा यात्रा निकालने का एलान किया है। यह मुर्दों की खोपड़ी से मक्खन खाने का एक बेशर्म रूप है। जब पहलगाम हमले का बदला पूरा नहीं हुआ तो ऐसी यात्रा निकालना और राजनीति करना किसी भी राजनीतिक दल को शोभा नहीं देता। सामना ने लिखा है, 'ऑपरेशन सिंदूर के पूरा होने से पहले प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप ने धमका कर भारत को युद्ध से हटने के लिए मजबूर किया। जबकि पाकिस्तान की हार निश्चित थी, प्रधानमंत्री मोदी ने व्यापार लालच के लिए ट्रंप की धमकी स्वीकार कर ली और युद्धविराम कर दिया। इसमें कहां पूरा हुआ 'सिंदूर' का बदला? इन लोगों ने एक साथ 'सिंदूर' और 'तिरंगा' का अपमान किया। तिरंगा यात्रा एक राजनीतिक स्टंट है। इसने आगे लिखा है, 'भाजपा

अध्यक्ष डॉ. जे.पी.नड्डा और उनकी पार्टी का तिरंगा यात्रा निकालकर जीत का जश्न मनाना उन माताओं-बहनों के जख्मों पर नमक छिड़कने जैसा है, जिनका सिंदूर उजड़ गया। बावजूद इसके अगर भाजपा यात्रा निकालती है तो अमेरिका और ट्रंप के झंडे लें और बैनरों पर मोदी के साथ ट्रंप की फोटो छापें। सामना के संपादकीय में लिखा गया है कि जैसे उन्होंने पुलवामा की राजनीति की, अब बीजेपी ने पहलगाम हमले और 26 बहनों के सिंदूर खोने की राजनीति शुरू कर दी है। इसने कहा है, यह इस बात का पुख्ता सबूत है कि बीजेपी की नीयत साफ नहीं है और वे रक्त पिपासु लोग हैं। यह तिरंगा यात्रा 13 मई से 23 मई तक चलेगी और इसमें बीजेपी के बड़े नेता शामिल होंगे। भारत के लोगों को बताया जाएगा कि मोदी और अन्य लोगों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को कैसे सफल बनाया। सामना ने लिखा है कि पहलगाम हमले को लेकर सबसे पहले गृह मंत्री अमित शाह का इस्तीफा लेना चाहिए और प्रधानमंत्री मोदी को बिना कैमरे के 12 घंटे तक केदारनाथ गुफा में जाकर आत्ममंथन करना चाहिए था कि क्या 'ऑपरेशन सिंदूर' वास्तव में सफल हुआ। पहलगाम हमले में शामिल पांच-छह आतंकियों का पता नहीं चल पाया है। वे गए कहां? भारत ने 11 पाकिस्तानी सैनिकों को मार गिराया। क्या इसके बदले पहलगाम के इन अपराधियों को मार नहीं दिया जाना चाहिए? ये जिम्मेदारी सिर्फ़ अमित शाह की है। वो महाशय फिलहाल कहां हैं? कहा गया कि भारत पाकिस्तान को ऐसी जबरदस्त टक्कर देने जा रहा है कि पाकिस्तान फिर कभी जमीन से उठ नहीं पाएगा। आज किस आधार पर पाकिस्तान में जंग जीतने का जश्न मनाया जा रहा है? क्या यह युद्ध पाक अधिकृत कश्मीर पर कब्जा पाने के लिए था? तो भारत को कितने इंच 'पीओके' मिला? अमेरिकी प्रेसिडेंट ट्रंप ने वॉशिंगटन से एलान किया कि उन्होंने भारत-पाकिस्तान युद्ध रुकवा दिया। यह एक संप्रभु राष्ट्र पर हमला है। क्या भारत के 56 इंच के सीने पर इस तरह का 'पिन' चुभो कर हवा निकालने का मामला प्रधानमंत्री मोदी को स्वीकार्य है? सामना ने लिखा है कि भारत ने पाकिस्तान को सबक़ सिखाया ही नहीं, उलट डोनाल्ड ट्रंप की गुलामी अपना ली। इसने आगे लिखा है, जब भारतीय सेना पाकिस्तान पर हमला करने के लिए तैयार होती है, तो डोनाल्ड ट्रंप पाकिस्तान की सहायता के लिए दौड़ते हैं और संप्रभु भारत राष्ट्र को युद्ध के मैदान से हटने के लिए मजबूर करते हैं। जंग की शुरुआत पाकिस्तान के आतंकवाद से हुई और थमी अमेरिकी व्यापार पर।

भारी पड़ी पाकिस्तान से यारी... धड़ाधड़ कैंसल होने लगे तुर्की और अजरबैजान के टूर पैकेज

कात्यायनी उप्रेती

नई दिल्ली : भारत-पाकिस्तान के तनाव का असर पर्यटन पर साफ नजर आ रहा है। कश्मीर के बाद अब तुर्की और अजरबैजान के पर्यटन पर असर होगा। जहां कश्मीर में पर्यटन की मार की वजह डर और मुश्किल हालात हैं, वहीं इन दोनों देशों में टूर कैंसल होने की वजह गुस्सा है। तुर्की और अज़रबैजान की तरफ से पाकिस्तान को खुला सपोर्ट मिलने से भारत के लोग नाराज हैं और गर्मियों के छुट्टियों के बीच इन देशों में ट्रिप कैंसल कर रहे हैं। अलग-अलग टूर ऑपरेटर्स का कहना है कि 30-80 प्रतिशत ट्रिप कैंसल हो गई हैं। इंडियन असोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स के प्रेजिडेंट रवि गोसाईं बताते हैं कि भारत-पाक के तनाव के बाद खासतौर पर सोशल मीडिया में एक मुहिम अज़रबैजान और तुर्की के खिलाफ तेजी से चल रही है। कश्मीर का मामला ताजा है और लोग देश के लिए संवेदनशील हैं। अलग-अलग टूर ऑपरेटर्स बता रहे हैं कि 20-50 प्रतिशत बुकिंग कैंसल हो चुकी हैं और कई लोग रोजाना इन दोनों देशों पर दूसरे ऑप्शन मांग रहे हैं। आने वाले कुछ एक दिनों में आंकड़ा और ऊपर जाएगा। अब लोग करीब-करीब इसी बजट वाले इनके पड़ोसी देशों में घूमने का ऑप्शन देख रहे हैं। जॉर्जिया, आर्मेनिया की बुकिंग इस दौरान बढ़ी हैं। सिंगापुर, थाईलैंड, मलयेशिया समेत यूरोपियन देशों की ओर से लोग प्लानिंग कर रहे हैं। भारत में कश्मीर के पर्यटन का उठना इस वक्त मुश्किल है तो लोग

हिमाचल, उत्तराखंड और कुछ नॉर्थ-ईस्ट राज्यों की तरफ भी जा रहे हैं। कई ट्रैवल कंपनियां इन देशों में अनावश्यक न ही जाने की सलाह दे रही हैं और कई ने प्रमोशन और ऑफर भी बंद कर दिए हैं। मेक माई ट्रिप ने भी इन दिनों देशों में अनावश्यक तौर पर यात्रा न करने की सलाह देते हुए बताया कि भारतीय यात्रियों ने पिछले एक हफ्ते में अज़रबैजान और तुर्की के लिए बुकिंग में 60 प्रतिशत की कमी आई है, जबकि इसी दौरान कैंसल होने में 250 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। ईज माई ट्रिप ने भी लोगों को दोनों देशों को बायकॉट करने को कहा है। कंपनी के सीईओ निशांत पिट्टी का कहना है कि तुर्की का पर्यटन 12 प्रतिशत जीडीपी और अज़रबैजान का 7.6 प्रतिशत जीडीपी में अपना हिस्सा देता है और 10 प्रतिशत जॉब्स में। जब दोनों देश पाकिस्तान को खुले तौर पर सपोर्ट कर रहे हैं कि तो हमें उनके पर्यटन में हिस्सेदारी क्यों करें? ट्रैवल एजेंट्स असोसिएशन ऑफ इंडिया के मैनेजिंग कमिटी मेंबर राजन सहगल कहते हैं कि पिछले कुछ दिनों से हमें देशभर से ट्रैवल एजेंट्स फोन कर बता रहे हैं कि तुर्की और अज़रबैजान की 70-80 प्रतिशत बुकिंग कैंसल हो गई हैं। बड़े-बड़े ऑनलाइन पोर्टल का आंकड़ा भी 50 प्रतिशत तक है। राजन बताते हैं कि पिछले 7-8 साल में तुर्की में जाने वाले भारतीय टूरिस्ट की संख्या करीब 10 गुना से ज्यादा बढ़ी है। अजरबैजान में दो-तीन साल में ही पांच गुना उछाल आया है। दोनों ही देशों के लिए भारत से 3.5 से 6 घंटे में पहुंच सकते हैं। फ्लाइट के सस्ते ऑप्शन हैं। यूरोप और गल्फ के मुकाबले घूमना सस्ता है। यूरोप जैसी वाइब भी है। दिलचस्प कल्चर और हेरिटेज भी है। मगर पहलगाम हमले और फिर पाकिस्तान की हवाई हमलों के बावजूद पाकिस्तान को दोनों देशों के खुले सपोर्ट से लोग नाराज हैं। इंडिया चैंबर ऑफ कॉमर्स की पर्यटन कमिटी ने भी टूर ऑपरेटर्स के इस फैसले को अपना साथ दिया है। कमिटी के चेयरमैन सुभाष गोयल ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ भारत के लिए इस बायकॉट के हक में हैं। दुनिया में कई खूबसूरत देश हैं, हम लोगों से यही कहना चाहेंगे कि उन देशों को चुनें, जो सुरक्षित हैं और भारत के आतंकवाद और अलगाववादी के खिलाफ प्रतिबद्धता दिखाते हुए शांति को प्रमोट करते हैं। अजरबैजान और तुर्की दोनों ही देशों में भारत से जाने वाले टूरिस्ट की संख्या में उछाल आया है। एक आंकड़े के मुताबिक, पिछले साल अजरबैजान में 2.43 लाख भारतीय पर्यटक गए, जबकि 2023 में यह आंकड़ा 1.17 लाख था। इसी तरह तुर्की में 2024 में 3.3 लाख भारतीय घूमने गए, 2023 में यह संख्या की 2.74 लाख थी।

आतंकवाद के विरुद्ध मानक बना 'ऑपरेशन सिंदूर', दुनिया को मिला बड़ा संदेश

अवधेश कुमार

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दो टूक और प्रखर, आक्रामक घोषणाओं को देखने के बाद सीमापार आतंकवाद, जम्मू-कश्मीर और भारत-पाकिस्तान संबंधों को लेकर देश के अंदर या बाहर जो भी भ्रम रहा होगा, वह दूर हो जाना चाहिए। प्रधानमंत्री अगर घोषणा कर रहे हैं कि आतंकवाद के साथ वार्ता और व्यापार नहीं चल सकते, पानी और खून एक साथ नहीं बह सकते तो उसके संदेश स्पष्ट हैं। इसके बाद भी कोई कहे कि भारत की नीति अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की पोस्ट के आधार पर तय हो रही है तो वह गलत है।

> “ *प्रधानमंत्री ने कहीं भी अपने संबोधन में सीजफायर यानी युद्धविराम शब्द का प्रयोग नहीं किया। उनके वक्तव्य में मूल पांच बातें स्पष्ट थीं। पहलगाम हमले के बाद सीमापार आतंकवाद और पाकिस्तान के संदर्भ में हमारा स्टैंड और पूरी सैन्य रणनीति कायम है। पाकिस्तान के हमले के लगातार विफल होने और उसके सैन्य अड्डों के तबाह होने के बाद शांति की पहल उन्होंने की और भारत ने अपनी शर्तों पर इसे स्वीकार किया। आतंकवादी देश न्यूक्लियर ब्लैकमेल के आधार पर शांति की बात करे और हम उसे स्वीकार कर लें, यह संभव ही नहीं है। अगर पाकिस्तान से कोई बातचीत होगी तो केवल पाक अधिकृत कश्मीर पर और आतंकवाद पर ही होगी। हमारे स्वदेशी निर्मित सैन्य उपकरणों ने जैसी सफलता प्राप्त की है।*

पांच खास बातें : प्रधानमंत्री ने कहीं भी अपने संबोधन में सीजफायर यानी युद्धविराम शब्द का प्रयोग नहीं किया। उनके वक्तव्य में मूल पांच बातें स्पष्ट थीं। पहलगाम हमले के बाद सीमापार आतंकवाद और पाकिस्तान के संदर्भ में हमारा स्टैंड और पूरी सैन्य रणनीति कायम है। पाकिस्तान के हमले के लगातार विफल होने और उसके सैन्य अड्डों के तबाह होने के बाद शांति की पहल उन्होंने की और भारत ने अपनी शर्तों पर इसे स्वीकार किया। आतंकवादी देश न्यूक्लियर ब्लैकमेल के आधार पर शांति की बात करे और हम उसे स्वीकार कर लें, यह संभव ही नहीं है। अगर पाकिस्तान से कोई बातचीत होगी तो केवल पाक अधिकृत कश्मीर पर और आतंकवाद पर ही होगी। हमारे स्वदेशी निर्मित सैन्य उपकरणों ने जैसी सफलता प्राप्त की है, उसके बाद कोई देश यह न सोचे कि युद्ध के दौरान वह हमारे लिए अपरिहार्य होगा।

स्वदेशी हथियारों की ब्रैंडिंग : गौर से देखें तो अमेरिका सहित पश्चिमी देशों को संदेश के साथ ही यह भारत की रक्षा सामग्रियों के अंतरराष्ट्रीय बाजार के लिए बड़ी ब्रैंडिंग भी थी। यानी हम भी प्रतिस्पर्धा में उतर गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसी भी घटना पर लंबी अवधि के नजरिये से विचार करते हैं। वह भविष्य के भारत के वैश्विक उद्देश्यों के आधार को ध्यान में रखकर, उस पर समग्रता से विचार करने के बाद ही अपनी राय रखते हैं। देखा जाए तो ऑपरेशन सिंदूर और उसके बाद प्रधानमंत्री के वक्तव्य के जरिए भारत ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक नेतृत्वकारी भूमिका वाले देश के रूप में खुद को प्रस्तुत किया है।

दुनिया के नेता को खतरा : अमेरिका की परेशानी यह भी हो गई है कि अगर भारत इस तरह साहसिक सैन्य कार्रवाई करता रहा तो

दुनिया के नेता का उसका स्थान खतरे में पड़ सकता है। तभी डॉनल्ड ट्रंप की भाषा भारत और पाकिस्तान दोनों के लिए समान थी। उन्होंने दोनों को महान देश बताया और दोनों के साथ सतत व्यापार करने की इच्छा व्यक्त की। अचानक चीन के साथ व्यापारिक टकराव दूर करने के पीछे भी यही रणनीति हो सकती है।

दिखाया आईना : प्रधानमंत्री ने अमेरिका और यूरोप को आईना दिखाते हुए यह भी कहा कि 2001 में हुआ 9/11 हमला हो या ब्रिटेन में ट्यूब का हमला, इनके पीछे भी बहावलपुर के जैश-ए-मोहम्मद और मुरीदके के लश्कर-ए-तैयबा केंद्रों की भूमिका थी। यह सच है कि तब वैश्विक आतंकवाद के केंद्र में ये स्थल थे। ओसामा बिन लादेन खुलेआम इन स्थानों में तकरीरें करता था।

भारत की चेतावनी : अगर प्रधानमंत्री कहते हैं कि उन्होंने हमारी माताओं-बहनों की मांगों के सिंदूर उजाड़े तो हमने उनके अड्डों को ही उजाड़ दिया और यह भी कि ऑपरेशन सिंदूर एक अखंड प्रतिज्ञा है, तो नहीं लगता कि इस समय विश्व का कोई भी नेता इतने खतरनाक पड़ोसी के खिलाफ इस प्रकार के विचार और तेवर सामने रख सकता है। अब न केवल आतंकवादियों बल्कि उनके प्रायोजकों को भी भारत की यह चेतावनी गंभीरता से लेनी होगी कि उन्हें आतंकवाद का इंफ्रास्ट्रक्चर ध्वस्त करना ही होगा। नहीं करेंगे तो फिर ऑपरेशन सिंदूर के विस्तारित प्रचंड हमले के लिए तैयार रहें।

बन गया नया मानक : वास्तव में, ऑपरेशन सिंदूर वैश्विक आतंकवाद से संघर्ष के लिए विचारधारा और रणनीति दोनों स्तरों पर एक विशिष्ट मानक भी बन गया है। यह बताता है कि नेतृत्व के पास इसके पीछे की संपूर्ण सोच और योजनाओं की पूरी समझ हो, प्रतिकार के लिए दीर्घकालिक रणनीति व उसे क्रियान्वित करने की संकल्पबद्धता हो तो पाकिस्तान जैसे दुष्ट देश को भी सबक सिखाया जा सकता है। इस तरह ऑपरेशन सिंदूर के साथ भारत एक ऐसे नए दौर में प्रवेश कर चुका है जहां उसकी स्वयं की सुरक्षा, आत्मनिर्भरता व वैश्विक शांति की उसकी अपनी दृष्टि सर्वोपरि है। क्या देश के अंदर मोदी सरकार का विरोध कर रहे लोग इस सच को स्वीकार करेंगे?

संक्षिप्त समाचार

भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता के आवास पर सेवा भारती के राष्ट्रीय न्यासी एवं संगठन मंत्री का हुआ शुभ आगमन

● पारंपरिक सोहराई कला की आकृति भेंटकर सहृदय हुआ स्वागत

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। भाजपा नेत्री सह ओम आरोहणम् संस्था की संस्थापिका शेफाली गुप्ता के प्रधान डाकघर समीप स्थित कॉरम्बे हाउस आवास पर गुरूवार को सेवा भारती के राष्ट्रीय न्यासी गुरू शरण एवं संगठन मंत्री जितेंद्र कुमार का शुभ आगमन हुआ। इस अवसर पर भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता ने उनका अतिथि सत्कार की। हजारीबाग की पारंपरिक सोहराई कला की आकृति भेंटकर उनका सहृदय स्वागत एवं अभिनंदन की। राष्ट्रीय न्यासी गुरू शरण ने शेफाली गुप्ता का सामजिक कार्यों के प्रति दृढ़ निश्चय एवं प्रतिबद्धता को काफी सराहा। उज्ज्वला भविष्य की शुभकामनाएं दिया। इस दौरान भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता अतिथियों के शुभ आगमन एवं अमुल्य मार्गदर्शन से काफी अभिभूत हुई। जिसमें मुख्य रूप से आरएसएस के गंगाधर दुबे, अशोक शुक्ला एवं कुणाल दुबे उपस्थित रहे।

बड़कागांव पुलिस को मिली बड़ी सफलता, ड्राइवर ने बेच दिया एनटीपीसी का कोयला

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता बड़कागांव
बड़कागांव। एनटीपीसी पंकरी बरवाडीह कोल खनन परियोजना में कोयला ढुलाई में लगे हाइवा वाहन के ड्राइवर के द्वारा अवैध तरीके से कोयला बेचने का मामला प्रकाश में आया है। मामले को लेकर डाड़ीकला थाना प्रभारी पिंटू कुमार ने बताया कि एनटीपीसी के अधिकारी के द्वारा डाड़ी कलां थाना में आवेदन देकर हाईवा वाहन के ड्राइवर के विरुद्ध प्राथमिक की दर्ज कराई गई थी। आवेदन में कहा गया था कि एनटीपीसी पंकरी बरवाडीह कोल माइंस से कोयला लोड कर ड्राइवर के द्वारा बानादाग रेलवे साइडिंग में कोयला नही गिराकर कहीं और बेच दिया गया। मामले पर त्वरित कार्रवाई करते हुए डाड़ी कलां प्रभारी पिंटू कुमार ने कांड संख्या 112/25 दर्ज कर छापामारी कर कांड के प्राथमिक अभियुक्त हीरालाल कुमार ग्राम कुसुम्भा निवासी को बड़कागांव क्षेत्र के 13 माइल से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त के बयान पर दो अन्य अप्राथमिक अभियुक्त रवि यादव ग्राम सिरका एवं मो0 सरफ़राज़ आलम ग्राम पसई दोनों को फतहा चौक से गिरफ्तार कर बीएनएस के तहत न्यायालय में प्रस्तुत कर जेपी केंद्रीय कारा हजारीबाग भेज दिया गया। आरोपियों की गिरफ्तारी में थाना प्रभारी पिंटू कुमार के अलावा सशस्त्र पुलिस बल शामिल थे।

बड़कागांव में बिजली की लो वोल्टेज से क्षेत्र के लोग परेशान

बड़कागांव संजय कुमार
बड़कागांव। बड़कागांव प्रखंड अंतर्गत क्षेत्र के 23 पंचायत के लोग इन दिनों बिजली की लो वोल्टेज से काफी परेशान हैं।विशेषकर कर प्रखंड अंतर्गत बादम गांव में लगातार दो महीना से लो वोल्टेज रहने के कारण किसान एवं ग्रामीण लोग बहुत परेशान हैं।बिजली विभाग के लापरवाह रवैया के कारण क्षेत्र की जनता आक्रोशित है।यहां पर एक 100 केवीए ट्रांसफार्मर है जिसमें लगभग 200 घरों की बिजली जलती है जिसमे गाँव के बनिया टोला के आलावा चार टोले और भी हैं , जिस कारण आए दिन 440 वोल्ट तार का गिरना, ट्रांसफार्मर का फ्यूज उड़ना, हौरन गैप का उड़ना आम समस्या बन गया है,आए दिन तार गिरने से मवेशी की मौत हो गई है,गर्मी के दिनों में मोटर पंप, पंखा एंव इनवर्टर सहित अन्य कई उपकरण ना चलने के कारण यहां के लोग त्राहिमाम - त्राहिमाम कर रहे हैं।लो वोल्टेज के कारण बहुत से इलेक्ट्रॉनिक उपकरण खराब हो जा रही है।किसान फसलों की सिंचाई नहीं कर पा रहे हैं। बच्चों को पढ़ाई लिखाई करने में काफी कठिनाई हो रही है।इसकी शिकायत कई बार विभाग से की गई लेकिन कोई उपयुक्त हल अब तक नहीं निकल पाया है।

शहर एवं ग्रामीण क्षेत्र में दोहरी नीति क्यों

क्षेत्र के लोगों का मानना है कि जब हम लोग कभी कभार किसी कार्यक्रम में शामिल होने को लेकर अपने रिश्तेदारों के यहां शहर जाते हैं तो सड़क से लेकर घर-घर तक बिजली की चकाचौंध देखते ही बनती है।शहर में कब बिजली कटेगी और गांव में कब बिजली आएगी इसका इंतजार रहता है।ग्रामीण क्षेत्र के लोगों का यह भी कहना है कि बिजली के लिए कोयला ग्रामीण क्षेत्र से जाती है और कई ग्रामीण क्षेत्र में ही चाहे पतरातू थर्मल पावर हो या फिर टंडवा थर्मल पावर ग्रामीण क्षेत्रों में ही है उसके बावजूद भी हम सब बिजली के लिए त्राहिमाम-त्राहिमाम कर रहे हैं। यहां तक की क्षेत्र में कई बड़े-बड़े कंपनियां हैं उसके बावजूद भी बड़कागांव क्षेत्र के लोगों को उचित बिजली नहीं मिलना समझ से परे है।और तो और बिजली को लेकर कोई भी राजनीतिक दल , नेता या जनप्रतिनिधि आगे आकर बिजली की मांग को लेकर आंदोलन नहीं करते हैं।

शतरंज के क्षेत्र में हजारीबाग ने रचा नया इतिहास, तृतीय एचडीसीए ऑल इंडिया ओपन फाइड रेटिंग टूर्नामेंट 2025 हुआ ऐतिहासिक रूप से संपन्न

● शुभ्रजीत डे को 71,000 का प्रथम पुरस्कार,कुल 4.5 लाख की पुरस्कार राशि 60 विजेताओं के बीच वितरित ● हजारीबाग अब खेलों की नई पहचान बन रहा है, शतरंज जैसे बौद्धिक खेल का आयोजन यहाँ गर्व की बात है : मनीष जायसवाल ● ऐसे आयोजनों से युवाओं को नई दिशा मिलती है, हम खेल प्रतिभाओं को सदैव प्रोत्साहित करते रहेंगे : प्रदीप प्रसाद ● हजारीबाग को शतरंज की राष्ट्रीय पहचान दिलाना हमारा लक्ष्य है, आयोजन की सफलता टीम व समर्पित सहयोगियों की देन है : कार्यक्रम डायरेक्टर करण जायसवाल

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। हजारीबाग के खेल इतिहास में एक नया स्वर्णिम अध्याय जुड़ गया है। हजारीबाग डिस्ट्रिक्ट चेस एसोसिएशन के तत्वावधान में, ऑल इंडिया चेस फेडरेशन और ऑल झारखंड चेस एसोसिएशन की मान्यता प्राप्त तृतीय एचडीसीए ऑल इंडिया ओपन फाइड रेटिंग शतरंज टूर्नामेंट 2025 का आयोजन हजारीबाग में अत्यंत भव्यता एवं सफल संचालन के साथ संपन्न हुआ। यह टूर्नामेंट 5 दिवसीय रहा जिसमें देशभर के विभिन्न राज्यों से आए नवोदित और अनुभवी फाइड रेटेड खिलाड़ियों ने भाग लिया। हर खेल को डिजिटल घड़ियों के माध्यम से समयबद्ध रूप में संपन्न कराया गया तथा तकनीकी टीम द्वारा प्रत्येक चाल पर सूक्ष्म निगरानी रखी गई, जिससे निष्पक्षता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित हुई। खिलाड़ियों के लिए रहने, भोजन एवं परिवहन की उत्तम व्यवस्था रही जिसमें बस सेवा भी सम्मिलित थी। समापन समारोह गुरुवार को बड़ी गरिमा के साथ आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल,सदर विधायक प्रदीप प्रसाद तथा अदाणी ग्रुप हजारीबाग के सीएसआर प्रमुख मोहित कुमार, जितेंद्र दुबे एवं सुरेंद्र प्रसाद सिंह समेत कई गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति रही। सभी अतिथियों का आयोजकों द्वारा पौधा भेंट कर स्वागत व अभिनंदन किया गया। मुख्य अतिथि सांसद मनीष जायसवाल ने कहा की हजारीबाग अब सिर्फ ऐतिहासिक और शैक्षणिक नगरी नहीं, बल्कि खेलों की प्रतिभा का उभरता केंद्र बन चुका है। शतरंज जैसे बौद्धिक खेल का राष्ट्रीय स्तर पर यहां आयोजन होना हम सबके लिए गौरव की बात है। भविष्य में इस आयोजन को और भी बड़े स्तर पर बढ़ावा दिया जाएगा। विधायक प्रदीप प्रसाद ने अपने संबोधन में कहा स्थानीय खिलाड़ियों को राष्ट्रीय मंच देने के लिए हजारीबाग डिस्ट्रिक्ट चेस एसोसिएशन का यह प्रयास सराहनीय है। इस आयोजन से हजारीबाग के युवाओं को नई दिशा और पहचान मिलेगी। हम सदैव ऐसे आयोजनों को प्रोत्साहन देते रहेंगे। कार्यक्रम डायरेक्टर करण जायसवाल ने कहा की हमारा उद्देश्य हजारीबाग जैसे क्षेत्रीय शहरों में अंतरराष्ट्रीय स्तर की शतरंज प्रतियोगिताओं को प्रोत्साहित करना है। खिलाड़ियों के लिए पारदर्शी, व्यवस्थित और सम्मानजनक माहौल देना हमारी पहली प्राथमिकता रही है। इस आयोजन की सफलता हम सभी स्वयंसेवकों और खेलप्रेमियों की सामूहिक प्रतिबद्धता का परिणाम है।

टूर्नामेंट के पुरस्कार विजेता और पुरस्कार राशि

प्रथम पुरस्कार 71,000 शुभ्रजीत डे,द्वितीय पुरस्कार 40,000 रूपम मुखर्जी, तृतीय पुरस्कार 25,000 किशन कुमार,चतुर्थ पुरस्कार 15,000 पीयूष कुमार,पंचम पुरस्कार 11,000 आयुष देस शामिल है. इसके अतिरिक्त विभिन्न आयु वर्गों में खिलाड़ियों को प्रशस्ति पत्र,मोमेंटो एवं पुरस्कार राशि प्रदान की गई। कुल पुरस्कार राशि 4,50,000 (साढ़े चार लाख रुपये) रही जिसे 60 खिलाड़ियों के बीच वितरित किया गया।

अन्य 30 खिलाड़ियों को मोमेंटो एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया, जबकि शेष प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। समारोह स्थल का माहौल अत्यंत उत्सवधर्मी एवं गरिमामय रहा। मंच से उद्घोषणाओं की गूंज के बीच हर कोई उत्सुकता से परिणामों और विजेताओं की घोषणा सुनने के लिए आतुर दिखा। इस आयोजन को सफल बनाने में सह सचिव बृजेश कुमार, कोषाध्यक्ष राजन साह,आलोक कुमार, शिवांगी कुमारी, रितु कुमारी समेत पूरी हजारीबाग डिस्ट्रिक्ट चेस एसोसिएशन टीम की भूमिका अत्यंत सराहनीय रही।

बाहर से आए खिलाड़ियों ने आयोजकों की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए कहा कि हजारीबाग आना अपने घर जैसा लगता है। यह आयोजन न केवल हजारीबाग की खेल प्रतिभा को एक नई दिशा देने वाला रहा, बल्कि इससे जिले को राष्ट्रीय खेल मानचित्र पर एक नई पहचान भी प्राप्त हुई है।

विभावि के दर्शनशास्त्र विभाग में पहला कुलाधिपति व्याख्यान आयोजित

● अध्यात्म का अर्थ दर्शन मे नैतिकता पर बल देना भौतिकवाद समाज के लिए जरूरी है

● निष्काम कर्म पर जोर देना जरूरी है: प्रो जावेद अंजुम

● एशियाई महादेशो मे ही सभी धर्मो की उत्पति हुई है: प्रो जावेद अंजुम

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग के दर्शनशास्त्र विभाग मे कुलाधिपति व्याख्यान श्रंखला के तहत व्याख्यान का आयोजन हुआ। मुख्य वक्ता के रूप मगध विश्वविद्यालय, बोधगया, बिहार से दर्शनशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ जावेद अंजुम ने छात्रो को संबोधित किया। श्रृंखला के तहत प्रथम व्याख्यान का आयोजन किया गया। अध्यात्मवाद और भौतिकवाद विषय पर आधारित इस विशेष कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष डॉ. अमित कुमार सिंह ने की। डॉ अंजुम ने कहा कि भौतिकवाद और अध्यात्मवाद सिर्फ एक दुसरे के पूरक है। दर्शनशास्त्र के अंतर्गत दर्शन और फिलॉसफी दोनो अलग अलग है। धर्म और रिलीजन की व्याख्या भी अलग-अलग है। इसी तरह ज्ञान और नॉलेज मे भी अन्तर है। केवल एक नकारात्मक विचारधारा के रूप में देखना उचित नहीं है, इसके भावनात्मक और सामाजिक पहलू भी महत्वपूर्ण हैं, जो जीवन को एक नई गहराई प्रदान करते हैं। चार्वाक दर्शन को सिर्फ भौतिकवाद के पहलु को नही देखे। बल्कि भावात्मक विचार को भी देखना चाहिए। भारतीय चार्वाक दर्शन और पाश्चात्य दार्शनिक डेविड ह्यूम के दृष्टिकोणों में समानताओं का विश्लेषण करते हुए दोनों की संशयवादी प्रवृत्तियों पर प्रकाश डाला।? उन्होंने कहा कि प्रवृत्ति और निवृत्ति के बीच संतुलन ही वास्तविक निष्काम धर्म है। अध्यात्म का अर्थ दर्शन मे नैतिकता पर बल देना है और भौतिकवाद समाज के लिए जरूरी है। निष्काम कर्म पर जोर देना जरूरी है। डॉ. अंजुम ने धर्म की उत्पत्ति और उसके वैश्विक स्वरूप पर भी चर्चा की और बताया कि विश्व के प्रमुख धर्मों की उत्पत्ति एशियाई उपमहाद्वीप में ही हुई है। कार्यक्रम का उद्देश्य अध्यात्मवाद और भौतिकवाद के बीच अंतर्निहित संबंधों और भिन्नताओं को स्पष्ट करना तथा दर्शनशास्त्र के इन दो प्रमुख प्रवाहों की समकालीन प्रासंगिकता को रेखांकित करना था। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों से प्रबुद्ध शिक्षकों और शोधार्थियों ने भाग लिया। डा. यामिनी सहाय, सहायक प्राध्यापक विजय कुजूर, अंग्रेजी विभागाध्यक्ष डॉ. रिजवान अहमद , उर्दू विभाग के एस. ज़ेड. हक़, हिन्दी डॉ. राजू राम, डॉ. बलदेव राम, दर्शनशास्त्र के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. प्रकाश कुमार, पूर्व विभागाध्यक्ष डा सुरेन्द्र बरई, कॉलेज के प्राचार्य डॉ. जयप्रकाश रविदास, राजनीति विज्ञान विभाग के डॉ. सुकल्याण मोइत्रा , सहायक प्राध्यापक अरूण कुमार आदि शामिल थे। शोधार्थियों में अनिल रविदास, आयशा फातमा, मो. फज़ल, राजेश कुमार, अमित रंजन, सबा फिरदौस व विजय चौधरी की भागीदारी उल्लेखनीय रही। योग केंद्र के शिक्षक और विधार्थी भी सेमिनार मे उपस्थित थे। यह व्याख्यान न केवल दर्शनशास्त्र के विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक सिद्ध हुआ बल्कि श्रोताओं के लिए विचार विमर्श का एक सशक्त मंच भी प्रदान किया।

भारतीय जीवन बीमा निगम के सेटेलाइट शाखा प्रबंधक चिंतामणि साहू को दिया गया भावभीनी विदाई

आदिवासी एक्सप्रेस
हज़ारीबाग़। भारतीय जीवन बीमा निगम के सेटेलाइट शाखा, बंगाली कॉलोनी (मुख्य शाखा के समीप) में एक भावपूर्ण विदाई समारोह का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य था कि शाखा प्रबंधक चिंतामणि साहू को उनके सेवा-समापन के अवसर पर सम्मानित कर उनके योगदान को स्मरणीय रूप देना। इस अवसर पर मुख्य शाखा प्रबंधक एक्का सर, ए.बी.एम. (सेल्स) अंकित सर, शाखा के नव पदस्थापित शाखा प्रबंधक अनुपम अभिषेक, शाखा के समस्त पदाधिकारीगण, कर्मचारीगण एवं सम्मानित अभिकर्ता वर्ग की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम की शुरुआत पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र भेंट कर चिंतामणि साहू का स्वागत करते हुए किया गया। उनके कार्यकाल की उपलब्धियों को भावपूर्ण शब्दों में रेखांकित भी किया गया। सबों ने एक स्वर में कहा कि श्री साहू जी एक कर्मठ, ईमानदार, दूरदर्शी एवं प्रगतिशील सोच रखने वाले अधिकारी के रूप में सदैव याद किए जाएंगे। उन्होंने अपनी सेवा अवधि में न केवल शाखा को उत्कृष्ट कार्य प्रदर्शन की ओर अग्रसर किया, बल्कि कर्मचारियों और अभिकर्ताओं के मध्य विश्वास, सहयोग और सकारात्मक ऊर्जा का वातावरण भी निर्मित किया। उनकी नेतृत्व क्षमता का ही परिणाम रहा कि उनके कार्यकाल में 10 अभिकर्ता एमडीआरटी के लिए चयनित हुए, जो किसी भी शाखा के लिए अत्यंत गौरवपूर्ण उपलब्धि है। इस ऐतिहासिक सफलता का श्रेय श्री साहू की मार्गदर्शक भूमिका और प्रेरणादायक सहयोग को जाता है। शाखा के अनेक कर्मचारियों एवं अभिकर्ताओं ने उन्हें अपनी भावनाओं के माध्यम से विदाई दी और उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएँ व्यक्त की। इस मौके पर उन्हें स्मृति-चिन्ह भेंट किए गए, जो इस रिश्ते की मिठास और सम्मान को हमेशा जीवित रखेंगे। भारतीय जीवन बीमा निगम के इस शाखा परिवार की ओर से हम सब चिंतामणि साहू जी के उज्ज्वल भविष्य, उत्तरोत्तर सफलता और उत्तम स्वास्थ्य की हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करते हैं। उनके द्वारा दिखाए गए नैतिक मूल्यों, समर्पण और कार्य निष्ठा को हम सदैव प्रेरणा के रूप में संजोए रखेंगे।

उपायुक्त ने राजस्व विभाग की समीक्षात्मक बैठक की

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। उपायुक्त नैंसी सहाय की अध्यक्षता में गुरुवार को समाहरणालय सभागार में राजस्व विभाग की समीक्षात्मक बैठक आहूत की गई। बैठक में उपायुक्त ने पीजी पोर्टल, जमीन का म्यूटेशन, सक्सेशन म्यूटेशन, पार्टीशन म्यूटेशन, मयूटेशन अपील, भूमि सीमांकन, परिसोधन, ऑनलाइन लगान, रिजेक्शन भू-अधिग्रहण व अन्य मामलों में प्रगति की समीक्षा की। समीक्षा के क्रम में लंबित म्यूटेशन के आवेदनों को लेकर उपायुक्त ने निर्देश दिया कि निर्धारित समय सीमा में ही आवेदनों का निष्पादन सुनिश्चित करें। वैसे आवेदन जो 90 दिनों से ज्यादा लंबित हैं उन्हें यथाशीघ्र निष्पादित करें। बैठक में उपायुक्त ने सभी सीओ को निर्देशित किया कि सभी सीओ अपने कार्यालय के कैशबुक, आगत निर्गत पंजी एवं अन्य पंजी को अपडेट कीजिए। उन्होंने कहा कि अपने अधीनस्थ कार्यरत कर्मियों को अंचल कार्यालय में अनुशासन के अनुरूप कार्य करने, उनके ड्रेसिंग सेंस और कार्यालय समयानुसार कार्यालय आने जाने को लेकर हिदायत दें। बैठक में उपायुक्त नैंसी सहाय के अलावे अपर समाहर्ता संतोष सिंह,भू अर्जन पदाधिकारी, बरही एसडीओ जोहन टुडू, सभी सीओ सहित अन्य कर्मी उपस्थित रहे।

केरेडारी के पगार ओपी थाना प्रभारी पर यूपीएससी की तैयारी में जुटे छात्र पर झूठा केस दर्ज करके जेल भेजने का लगा आरोप

सांसद मनीष जायसवाल पीड़ित छात्र के परिवारजनों संग पहुंचे डीआईजी आवास, डीआईजी से मिलकर सौंपा ज्ञापन, मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की

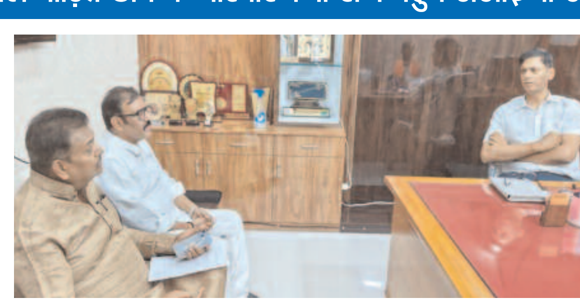

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। झारखंड में पुलिसिया तंत्र की मनमानी चरम पर है। पुलिस - प्रशासन हमेशा यह प्रचारित करती है कि लोग झूठे केस बहुत करते हैं लेकिन जब कानून का रखवाला ही कानून से खिलवाड़ करने लगे और कोई जायज मामले में थाने में पहुंचे आवेदक को ही मुदालय बना दें तो पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठना लाज़मी है। प्रताड़ित व्यक्ति थाने में न्याय की गुहार लेकर पहुंचे और उस पर ही कई संगीन धाराओं के तहत उल्टा केस कर दिया जाय तो समाज के लिए यह पुलिस का वीभत्स रूप को बखूबी दर्शाता है और पुलिस प्रशासन से आम लोगों का भरोसा भी उठता है। ऐसा ही एक मामला बीते दिनों हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत केरेडारी प्रखंड स्थित पगार ओ.पी. क्षेत्र में उजागर हुआ है। जहां यूपीएससी के तैयारी में जुटे एक छात्र शारदानंद कुमार, पिता- श्री मूलचंद साव, ग्राम- बेंग़वारी, थाना- केरेडारी, जिला- हजारीबाग को पगार ओपी थाना द्वारा न सिर्फ उनका आवेदन लेने से इनकार कर दिया गया बल्कि उसपर कई धाराओं के तहत प्राथमिक की दर्ज कर उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस के झूठे केस को न्यायालय ने समझा और उसे तत्काल बेल दे दिया। लेकिन सवाल उठता है कि कोई आम आदमी थाना में घुसकर थाना प्रभारी का गिरेबान पकड़ ले, थाने में फाइल तितर-बितर कर दे और उसकी तुरंत गिरफ्तारी न हो तो यह थानेदार की कमजोरी और उनकी विफलता को साफ़ दर्शाता है। ऐसे पुलिस अधिकारी को थाने की जिम्मेवारी कतई नहीं मिलनी चाहिए।

हजारीबाग जिले के केरेडारी प्रखंड क्षेत्र के पगार ओपी थाना क्षेत्र से पुलिस पड़ताना का जो मामला प्रकाश में आया है उसमें आलम यह रहा कि हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल को हजारीबाग झील परिसर स्थित डीआईजी आवास जाकर आवेदन देना पड़ा है कि इस मामले पर संज्ञान लें और दोषी पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई भी करें। पूरा मामला पगार ओपी का है जिसके तहत पगार ओपी थाना प्रभारी विक्की ठाकुर पर गंभीर आरोप लगा है कि उसने झूठा आरोप लगाकर यूपीएससी की तैयारी करने वाले छात्र को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। क्योंकि उसने कोयल खनन कंपनी के खिलाफ आवेदन दिया था।

पुलिस प्रताड़ना को लेकर कई तरह की खबर हमेशा प्रकाश में आती है। हजारीबाग में पुलिस प्रताड़ना का शिकायत लेकर जब सांसद मनीष जायसवाल खुद डीआईजी आवास पहुंच जाए तो यह समझना चाहिए कि मामला कितना गंभीर है। हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल ने मुलचंद साव और उनके परिवार के ऊपर पुलिस प्रताड़ना को लेकर डीआईजी संजीव कुमार को आवेदन दिया है और कहा है कि इस पूरे मामले की तहकीकात कर उचित कार्रवाई की जाए। पूरा मामला कोल कंपनी के जमीन अधिग्रहण से लेकर जुड़ा हुआ है। मुलचंद साव के जमीन और घर को कोयला उत्खनन को लेकर अधिग्रहण में गया है। पैसा भुगतान का विरोध करते हुए इन्होंने पगार ओपी में आवेदन देने का प्रयास किया गया लेकिन स्वीकार नहीं किया गया। अंततः उन्होंने ऑनलाइन शिकायत कर दी। जिसके बाद थाना प्रभारी भड़क गए और आवेदनकर्ता परिवार को टारगेट बनाया।

सांसद मनीष जायसवाल ने डीआईजी से मिलने के पश्चात जानकारी देते हुए बताया कि आवेदन स्वीकार नहीं करने पर आवेदनकर्ता और पुलिस के बीच तू- तू, मैं- मैं भी हुई। इसी दौरान थाना ने केस करने और परिवार को बर्बाद करने की धमकी देकर वापस कर दिया। घटना 12 मई 2025 की है। पुलिस ने उसी दिन मूलचंद साव के पुत्र शारदानंद कुमार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। उसके ऊपर सरकारी काम में बाधा का आरोप लगाया गया है। सांसद मनीष जायसवाल ने जानकारी देते हुए कहा कि थाना प्रभारी ने आरोप लगाया है कि उसके साथ गलत व्यवहार किया गया। थाने का समान फेंक दिया गया। ऐसे में यह भी सवाल खड़ा होता है कि थाने में घुसकर एक साधारण व्यक्ति आखिर कैसे कानून विरोधी काम किया और पुलिस ने उसे यहां से जाने कैसे दे दिया। सांसद मनीष जायसवाल ने पूरे मामले की निष्कर्ष जांच करने की मांग की है।वहीं पीड़ित परिवार का करना है कि एक पढ़ने- लिखने वाले लड़के के कैरियर के साथ पुलिस ने खिलवाड़ किया है। ऐसे में उन्होंने न्याय की गुहार लगाई है।

हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल ने डीआईजी संजीव कुमार से कहा है कि उक्त पूरे घटना की सीसीटीवी कैमरे के जरिए जांच कराया जाए। इन्होंने यह भी सवाल खड़ा किया है कि जहां एक और पुलिस पीपुल फ्रेंडली होने का दावा करती है तो दूसरी ओर एक पढ़े-लिखे लड़के को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया जा रहा है. जिस कारण लोगों का विश्वास उठता जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

बिरहोर टोला में बैंक अकउंट और आधार कार्ड बनाने के लिए लगाया गया शिविर

आदिवासी एक्सप्रेस / संतोष कुमार दास
इटखोरी (चतरा)। इटखोरी बीडीओ सोमनाथ बाकिंरा के निर्देशन में बुधवार को कटुआ आदिम जनजाति मोहल्ला में शिविर लगाया गया। आयोजित शिविर में इस मोहल्ले के तकरीबन 15 से 16 लोगों ने अपनी अपनी बैंक अकाउंट खुलवाने के लिए आवेदन दिए वहीं इस मोहल्ले के लगभग तीन लोगों का आधार कार्ड अप टू डेट किया गया। साथ हीं दो नया आधार कार्ड निर्माण के लिए आवेदन आए। यहां मौजूद संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों ने आदिम जनजातियों के लिए सरकार द्वारा चलाए जा रहे कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी।कटुआ में आयोजित शिविर को लेकर दिनभर चहल-पहल का माहौल बना रहा। सरकारी विकास योजनाओं से वंचित रहे बिरहोर समुदाय के लोगों ने अधिकारियों से जानकारी प्राप्त कर अपने-अपने आवश्यकता अनुसार विकास योजनाओं को लेकर आवेदन दिए। मौके पर प्रभारी कल्याण पदाधिकारी राजीव प्रभाकर, पंचायत सचिव नवल किशोर, बैंक आफ इंडिया से संजय कुमार और आधार कार्ड के ऑपरेटर सचित कुमार, रंजीत कुमार मौजूद थे।

जिला मुख्यालय से जोड़ने वाली मोतरा सड़क पूरी तरह जर्जर

● दर्जनों गांव के लोगों का दशको पूर्व सपना अब भी अधुरा

बड़कागांव संजय कुमार
बड़कागांव। बड़कागांव प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत बादम भाया मोतरा हजारीबाग शहर से जोड़ने वाली सड़क पूरी तरह जर्जर हो गई है। जहाँ पर रोजाना कई गांव के लोगो का आना-जाना होता रहता है। वहां स्थित पीपरापानी के पास सड़क बुरी तरह से जर्जर हो चुकी है। जिस कारण हमेशा दुर्घटनाएं होती रहती हैं। ग्रामीणों के लिए यह सड़क बहुत महत्वपूर्ण मानी जाती है क्योंकि दर्जनों गांव के लोग इस रोड से जिला मुख्यालय आवागमन करते हैं। यह रास्ता जिला मुख्यालय से जोड़ने हेतु 18 किलोमीटर की दूरी को कम करती है । फिर भी अभी तक यह सड़क का पूर्ण निर्माण नहीं हो सका है। मुखिया बेबी देवी (महुँगाई कला) से बात करने पर उन्होंने बताया कि यह सड़क का निर्माण कुछ वर्ष पहले कराया गया था लेकिन वह अब पूरी तरह से जर्जर हो चुका है स्थानीय विधायक सांसद से मुलाकात कर उक्त मार्ग की मनमत करने की मांग करेंगे।

बिरहोर परिवारों के बीच अनाज का हुआ वितरण

आदिवासी एक्सप्रेस / संतोष कुमार दास
हंटरगंज (चतरा)। आदिम जनजाति के लोगों के लिए सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजना, जनजाति खाद सुरक्षा योजना के तहत हंटरगंज प्रखण्ड के खुटिकेवालखुर्द पंचायत गोपालपुर गांव बिरहार टोला स्थित बिरहोर परिवारों के बीच चावल वितरण किया गया। वितरण बिरहोर टोला में शिविर लगा कर प्रखण्ड खाद आपूर्ति पदाधिकारी अर्जुन कुमार ने खुद से किया। शिविर में अप्रैल माह का 35- 35 किलो अनाज 30 बिरहोर परिवारों के बीच वितरित किया गया। इस दौरान बिरहोर परिवारों में हर्ष का माहौल रहा। अर्जुन कुमार ने कहा कि आदिम जनजाति आबादी को पूरी तरह से खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित कराने के लिए उक्त महत्वकांक्षी योजना चलाई जा रही है। सभी परिवार के बीच 35 - 35 किलो अनाज वितरित किया गया। इस दौरान एमओ ने दो नए ग्रीन राशन कार्ड बनाकर भी वितरण किए। मौके पर खुटिकेवालखुर्द मुखिया बृजकिशोर सिंह, एजीएम सुनिल लकड़ा, के आलवे दर्जनो मौजूद थे।

छतरपुर के भव फैक्टरी के पास कार और बाइकसवार के बीच सीधी टक्कर, दो लोग गंभीर रूप से घायल

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता
छतरपुर, पलामू। जिले के छतरपुर नगर पंचायत के गौ लक्ष्मी मुहल्ला में पुरानी एन एच 98 पथ पर गुरुवार की सुबह 9:30 बजे स्विफ्ट कार जेएच 01एफ पी 5165 और स्प्लेंडर बाइक जेएच 03 वाई 7211 में आमने सामने टक्कर हो गई जिससे बाइक सवार नावा बाजार थाना क्षेत्र के कुम्ही कला निवासी 40 वर्षीय देवनाथ यादव पिता ब्रह्मदेव यादव और छतरपुर थाना क्षेत्र के मौनाहा निवासी 28 वर्षीय नंदू यादव पिता स्व सुरेश यादव गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने सड़क दुर्घटना को सूचना पुलिस को देते हुए दोनों घायल व्यक्तियों को अनुमंडलीय अस्पताल भिजवाया जहां चिकित्सकों के द्वारा घायल दोनों व्यक्तियों का प्राथमिक उपचार करने के बाद बेहतर इलाज के लिए एमएमसीएच मेदनीनगर रेफर कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया को बाइक सवार छतरपुर की ओर से डालटनगंज की ओर जा रहे थे इसी दौरान अपने आगे चल रहे ट्रैक्टर से वोभरटेक कर ही रहें थे कि सामने से आ रही स्विफ्ट कार को देख ब्रेक मार दी इसी दौरान ट्रैक्टर ने बाइक को पीछे से धक्का मार दी और बाइक सामने से आ रही कार से टकरा गया जिससे दोनों लोग घायल हो गए। घटना के बाद कार पर सवार सभी लोग कार छोड़ भाग गए। जबकि ट्रैक्टर चालक अपनी ट्रैक्टर लेकर भाग गया। पुलिस ने घटना स्थल जाकर दुर्घटनाग्रस्त दोनों वाहनों को अपने कब्जे में ले लिया।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर हजारीबाग में सड़क पर तिरंगे के साथ उतरे लोग, सांसद- विधायक सहित कई गणमान्य हुए शामिल

● *जो हिंदुस्तान से टकराएगा चूर-चूर हो जाएगा, भारतीय सेना ज़िंदाबाद, पाकिस्तान मुर्दाबाद के खूब लगे नारे*
● *ऑपरेशन सिंदूर से भारत ने विश्व को दिया संदेश, जो हमें आंख दिखाएगा उसे मिटना होगाः डॉ. रविन्द्र कुमार राय*
● *ऑपरेशन सिंदूर भारतीय सेना के पराक्रम का परिचायक, हमें छेड़ा तो छोड़ेंगे नहीं: मनीष जायसवाल*

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। बीते दिनों भारत और पाकिस्तान के बीच हुए जोरदार संघर्ष में म भारतीय सेना को बड़ी सफलता मिली है। ऑपरेशन सिंदूर नाम से चलाए गए अभियान में सेना ने आतंकियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की और पाकिस्तान को बड़ी 09 आतंकवादी ठीकाने को नेस्तनाबूत करने के साथ पाकिस्तान को बड़ी छती पहुंचाई। इसी जीत की खुशी में देशभर में भारतीय जनता पार्टी द्वारा तिरंगा यात्रा के माध्यम से लोगों को ऑपरेशन सिंदूर की सफलता से अवगत और जागरूक कराया जा रहा है। इसी कड़ी में गुरुवार को उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल मुख्यालय हजारीबाग शहर में भाजपा, हजारीबाग जिला इकाई द्वारा भारत शौर्य तिरंगा यात्रा भाजपा जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह की अध्यक्षता में हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल के नेतृत्व में निकाला गया। इस भारत शौर्य तिरंगा यात्रा की शुरुआत बतौर मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश नेतृत्व से हजारीबाग पहुंचे भाजपा प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष सह कोडरमा के पूर्व सांसद डॉ.रवींद्र कुमार राय, हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल, बरही विधायक मनोज कुमार यादव, बरकट्ठा विधायक अमित कुमार यादव, सदर विधायक प्रदीप प्रसाद और बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी सहित अन्य गणमान्य लोगों की उपस्थिति में बुढ़वा महादेव मंदिर प्रांगण से अन्नदा चौक, गुरु गोविंद सिंह रोड, झण्डा चौक, भगत सिंह चौक, काली बड़ी चौक, बंशीलाल चौक , मंगल बाजार होते हुए पुनः बुढ़वा महादेव मंदिर प्रांगण पहुंचा और यहां सभा में तब्दील हो गया। इस भारत शौर्य तिरंगा यात्रा सभा का मंच संचालन भाजपा जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह ने और धन्यवाद ज्ञापन भाजपा प्रदेश ओबीसी मोर्चा के अध्यक्ष अमरदीप यादव ने किया ।

भारत शौर्य तिरंगा यात्रा के दौरान हजारों भाजपा कार्यकर्ता, शहर के व्यवसाई वर्ग के लोग, विभिन्न सामाजिक और संगठनों के लोग और आमजन बड़े ही उत्साह के साथ हाथों में तिरंगा हलराते हुए और जो हिंदुस्तान से टकराएगा चूर- चूर हो जाएगा, नरेंद्र मोदी मत घबराना- तेरे पीछे सारा जमाना, आतंकवाद का खात्मा है हम करेंगे, आतंकवाद को मिट्टी में मिलने काकाम हम करेंगे, हिंदुस्तान की सेना ज़िंदाबाद, भारत माता के वीर सपूतों जिंदाबाद, हिंदुस्तान जिंदाबाद, नरेंद्र मोदी ज़िंदाबाद,
पाकिस्तान होश में आओ, पाकिस्तान मुर्दाबाद, विश्व को बस एक संदेश- पाकिस्तान आतंकी देश, नवभारत का जलवा दिखा- पाकिस्तान में मलवा देखा, चुन-चुन कर के मारा है- बदला अब उतारा है, सेलानी दम झोंका है- आतंकवाद को ठोका है, सुदर्शन चक्र चलाया है- पाकिस्तान बिलबिलाया है, मारी चोट ठिकाने पे- बम गिरे सब निशाने पे, पाकिस्तान का पूर्ण संघार- देश की है एक पुकार, हमारा बल, हमारा मान- सेना का हर एक जवान, अब और नहीं सहेगा भारत-पाक फ़तह करेगा भारत, सेना के सम्मान में, हम सब हैं मैदान में...जैसे नारे गुंजायमान करते हुए भारतीय सेना के शौर्य और पराक्रम को सलाम करते हुए चल रहे थे। इस दौरान यात्रा का नेतृत्व करते हुए सांसद मनीष जायसवाल सहित अन्य नेताओं ने भी लोगों के साथ राष्ट्रभक्ति के नारे खूब लगाए। यात्रा में शामिल लोगों के हाथों में जो तख्तियां थी उसपर हिंदुस्तान के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा पाकिस्तान को दिए गए स्पष्ट संदेश से संबंधित स्लोगन लहरा रहे थे। जिस पर पीएम मोदी द्वारा बीते 15 मई 2025 को राष्ट्र के नाम संबोधन के संदेश के अंश जैसे निश्चित तौर पर यह युग युद्ध के नहीं है लेकिन है युद्ध आतंकवाद का भी नहीं है, ऑपरेशन सिंदूर ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में नई लकीर खींच दी है, एक नया पैमाना न्यू नॉर्मल तय कर दिया है, पाकिस्तान की तैयारी सीमा वार की थी लेकिन भारत में पाकिस्तान के सीने पर वार कर दिया, टैरर और टॉक एक साथ नहीं हो सकते, टैरर और ट्रेड एक साथ नहीं चल सकते और पानी और खुद खून भी एक साथ नहीं चल सकता, पाकिस्तानी फौज पाकिस्तान की सरकार जिस तरह तक बाद को खाद पानी दे रहे हैं वो एक दिन पाकिस्तान कोई समाप्त कर देगा... जैसे संदेश अंकित तख्तियां हाथों में रखे थे।
तिरंगा शौर्य सभा को संबोधित करते हुए बतौर मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. रवींद्र कुमार राय ने कहा कि पाक अपने नापाक इरादे से कभी बाज नहीं आता है लेकिन इस बार पहलगाम में जिस प्रकार पर्यटकों को धर्म पूछ कर मारा गया और नई दुल्हन बिटिया के सामने उसका सिंदूर उजाला गया उसे सिंदूर का बदला भारत की सेवा ने अपने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से करारा जवाब देकर लिया है। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में हमने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से यह संदेश दिया है कि यदि पाकिस्तान आतंकवाद के सहारे हिंदुस्तान पर आंख दिखाएगा तो हम उसे विश्व के नशे से मिटा देंगे और इसकी एक झलक ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से संपूर्ण दुनिया को दिखा दिया गया। सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि आज हिंदुस्तान का शौर्य और पराक्रम ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से दुनिया ने देखा। उन्होंने कहा कि भारतीय सेवा की गौरवशाली विजय ऑपरेशन सिंदूर हमारे वीर जवानों के अद्वितीय पराक्रम, चार्ज और साहस का प्रतीक है। पाकिस्तान में घुसकर भारतीय सेना ने आतंक के ठिकानों को जड़ से मिटाया, पाकिस्तान के एयर डिफेंस सिस्टम को ध्वस्त किया और नापाक इरादा रखने वाले आतंकियों को मारकर अपनी ताकत का एहसास कराया। उन्होंने कहा कि सबसे बड़ी बात पाकिस्तान की ओर से किए गए जवाबी कार्रवाई को हमारी सेवा ने पूरी तरह से रोकने में भी सफलता पाई। उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान ने ऑपरेशन सिंदूर रोका नहीं है। इसके माध्यम से एक संदेश दिया है कि पाकिस्तान अगर हमें छेड़ेगा तो हम उसे छोड़ेंगे नहीं। सांसद मनीष जायसवाल ने आम लोगों से भी अपील किया की ऑपरेशन सिंदूर को भी लेकर एक भ्रामक प्रोपेगेंडा हिंदुस्तान में चल रहा है लेकिन इसके सच्चाई और उपलब्धि से वाकिफ होकर इसकी सफलता को जन-जन तक पहुंचाना हम सभी देशवासियों का राष्ट्रीयहित में कर्तव्य बनता है। विधायक मनोज कुमार यादव, अमित कुमार यादव, प्रदीप प्रसाद और रोशन लाल चौधरी ने भी अपने संबोधन में भारतीय सैनिकों के शौर्य गाथा को और उनकी उपलब्धि को लोगों के बीच रखते हुए उनके प्रति आभार और सम्मान जताते हुए उन्हें सलाम किया।
मौके पर विशेषरूप से भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य केपी ओझा ,सुरेश चंद्रवंशी, जिला पदाधिकारी रेणुका साहू, आनंद देव, दामोदर सिंह, भैया अभिमन्यु प्रसाद, भानुमति पासवान ,सुमन कुमार ,जय नारायण प्रसाद ,कुणाल किशोर, मनोज गिरी ,इंद्र नारायण कुशवाहा, महेंद्र बिहारी, मनोरमा राणा, राजकरण पांडेय, रमेश हेंब्रम ,सैयद तनवीर अहमद, अजीत चंद्रवंशी, शेफाली गुप्ता, टोनी जैन, सत्येंद्र नारायण सिंह ,विनोद झुनझुनवाला, राजेश गुप्ता, खोखा सिंह ,मंडल अध्यक्ष विवेक बैरियर ,अशोक कुशवाहा ,कैलाश यादव ,अरुण राणा, रणधीर पांडेय, अशोक कुशवाहा ,किशोर मंडल , कृष्णा मेहता, खेमलाल महतो, कर्मचारी साहू ,सुखदेव रजवार ,अजीत बक्शी, परमेश्वर सिंह, बाबूलाल मेहता, शशि गुप्ता के अलावे सत्यभामा ,पूनम कसेरा, हेमंती देवी, श्वेता सिंहा ,रानी कश्यप, ज्योत्सना देवी, उमा पाठक ,बीजूल देवी, सत्यदेव सिंह, दिलीप साहू, प्रमोद मिश्रा ,किशोरी राणा ,अजय साहू ,अशोक यादव ,ऋषि शर्मा ,अणेश्वर कुशवाहा ,विजय वर्मा , रूपम ओझा,रंजीत मेहता, राजेंद्र चंद्रवंशी, उमेश डांगी ,राजू सिंह ,ओम प्रकाश राणा ,रामचंद्र कुशवाहा ,बलदेव सिंह, जीवन मेहता, शिव शंकर मेहता, श्री झा, राजेश यादव सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहें।

आम्रपाली संवेदक संघ की बैठक में संघ ने लिए कई अहम फैसले

आदिवासी एक्सप्रेस
संवाददाता- अबुल कलाम
टंडवा- (चतरा) गुरुवार को आम्रपाली विस्थापित प्रभावित भू-रैयत संवेदक संघ की बैठक आयोजित की गई जिसकी अध्यक्षता संघ अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद व संचालन संदीप कुमार सिंह ने किया। बैठक में लगभग छः दर्जन से अधिक संवेदको ने भाग लिया। इस दौरान संघ की मजबूती पर मंथन किया गया जहां संघ से जुड़े सभी सदस्यों ने संघ की मजबूती पर अपनी चटानी एकता बनाए रखने की वचन दुहराई। कहां गया है कि

विस्थापित प्रभावित संवेदक संघ सदस्यों की परियोजना से रोजगार का अवसर व अधिकार मिलना चाहिए, हमारे हक अधिकार व संगठन तोड़ने की जो साजिश रचेगा उन्हें किसी कीमत पर बक्सा नहीं जाएगा संघ अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि जो संवेदक बगैर संघ की सहमति से संविदा में भाग लेंगे उन्हें खदेड़ा जाएगा। जिनको संविदा में भाग लेने की इच्छुक है संघ से जुड़कर ले सकते है। उन्होंने कहा कि आम्रपाली कोल परियोजना में बाहरी लोगों द्वारा डरा धमका कर बहुत मनमानी की गई अब मनमानी नही होने दिया जाएगा स्थानीय भू-रैयत ग्रामीण महिलाएं जाग चुकी है और संगठित है। इस मौके पर धीरेंद्र प्रजापति, रूपलाल राम, विनय सिंह, नरेश यादव, अजय मौर्या, मनोज राणा, समीउदीन अंसारी, अबुल कलाम, सरोज पांडे, मोहम्मद साहबान, मोहम्मद सनाउल्लाह, मोहम्मद इदरीश, रामौतार राम, सिकेंद्र राम, सरोज देवी, कुंदन पासवान, बीरेंद्र साहू, समेत दर्जनों संवेदक उपस्थित थे।

बिरसा मुंडा लर्निंग फेस्टिवल में आदिवासी संस्कृति की झलक

● **पीएम श्री योजना के तहत हुसैनाबाद कस्तूरबा विद्यालय में छात्राओं ने किया परंपरागत ज्ञान और विरासत का शानदार प्रदर्शन**

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता- लालू कुमार यादव
हुसैनाबाद, पलामू। पीएम श्री हुसैनाबाद कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में पीएम श्री योजना के अंतर्गत बिरसा मुंडा लर्निंग फेस्टिवल का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में हुसैनाबाद आवासीय बालिका विद्यालय की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुई, जिसमें उपस्थित गणमान्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से भाग लिया। उद्घाटन के बाद छात्राओं द्वारा अपनी पारंपरिक संस्कृति, जीवनशैली और आदिवासी धरोहर को प्रस्तुत करते हुए विविध प्रकार के प्रदर्शनों का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में छात्राओं ने धान काटने का हसुआ, तीर-धनुष, मिट्टी के बर्तन, बांस से बने दौरा, मछली पकड़ने की बंसी और जाल, ढोल, कांसे के लोटे, सूप, कुदाल सहित अनेक परंपरागत कृषि और घरेलू उपकरण प्रस्तुत किए। इन वस्तुओं के माध्यम से न केवल ग्रामीण जीवन की झलक मिली, बल्कि छात्राओं की रचनात्मकता और पारंपरिक ज्ञान के प्रति रुचि भी सामने आई। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में संथाली और नागपुरी नृत्य की विशेष प्रस्तुति ने सभी दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। साथ ही, छात्राओं ने बिरसा मुंडा की जीवनी पर आधारित कहानियों, फोटोग्राफ्स, नाटक और कला-संस्कृति से जुड़े मॉडल्स के माध्यम से उनके जीवन दर्शन और संघर्ष को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की वार्डेन किरण कुमारी सिंह ने कहा कि इस तरह के आयोजन से छात्राएं अपनी जड़ों से जुड़ती हैं और अपने इतिहास व संस्कृति को जानने की प्रेरणा पाती हैं। उन्होंने यह भी जोड़ा कि विद्यालय का प्रयास है कि बालिकाओं में आत्मविश्वास के साथ-साथ सांस्कृतिक पहचान भी विकसित हो। कार्यक्रम में शिक्षिकाओं, अभिभावकों और स्थानीय समुदाय के लोगों की भी उपस्थिति रही। यह आयोजन छात्राओं के लिए सीखने और अपनी विरासत को जानने का महत्वपूर्ण अवसर बना।
मौके पर वार्डेन किरण सिंह, शिक्षिका सुष्मिता रानी, रागिनी कुमारी, अंशकालिक शिक्षिकाएं सुमन मैम, शारदा मैम, अर्शू, नीलम मेहता एवं सुमित्रा मैम मौजूद रहीं।

किसान की बेटी ने जिला में टॉप टेन में बनाई जगह

● **प्रज्ञा यादव जिला में चौथी स्थान हासिल कर बढ़ाया हंटरगंज का मान ● CA बनना चाहती है प्रज्ञा ● प्रज्ञा ने 12वीं बोर्ड की परीक्षा में की डीएवी स्कूल टॉप**

आदिवासी एक्सप्रेस / संतोष कुमार दास
हंटरगंज (चतरा)। हंटरगंज प्रखण्ड क्षेत्र के तरवागड़ा गांव के किसान की बेटी ने जिला भर में अपना नाम रोशन किया है। कड़ी मेहनत ने 12वीं बोर्ड की परीक्षा में जिला भर में उसे चौथा स्थान दिलाया है।13 मई मंगलवार को 12वीं का परीक्षा परिणाम घोषित हुआ। जिसमें चतरा जिला से टॉप टेन में हंटरगंज तरवागडा की प्रज्ञा यादव का नाम था। उसने चौथी स्थान प्राप्त किया।इधर जिला में टॉप टेन आने के बाद गांव में हर्ष का माहौल है गांव के लोगों की काफी भीड़ है और सभी प्रज्ञा को बधाई दे रहे हैं। प्रज्ञा ने बताया कि वे किसान परिवार से है। उसके पिता कृषि का काम करते हैं और अपने परिवार का भरण पोषण करते हैं प्रज्ञा डीएवी चतरा स्कूल में 12वीं की पढ़ाई कर रही थी और उसने स्कूल ही नहीं बल्कि जिला में भी अपना परचम लहराई है।प्रज्ञा ने बताया कि वह घर में करीब 8 घंटे तक पढ़ाई करती थी और जरूरत पड़ने पर अपनी मां के कामों में हाथ भी बंटाती थी। जिला में चौथे स्थान प्राप्त करने के बाद प्रज्ञा के घर मुखिया प्रतिनिधी दिलीप दास घर पहुंचे और बेटी को आशीर्वाद दिया, CA बनने कॉमर्स विषय को चुना। प्रज्ञा ने बताया कि उसे पढ़ाई के लिए परिवार का भरपूर सपोर्ट मिलता था। जिसे देखकर प्रज्ञा ने मन में ख्वाहिश रखा कि वह आगे चलकर CA की तैयारी करेगी और अब उसका सपना CA बनने का है।

गांव के लोग प्रज्ञा के घर उसे बधाई देने के लिए पहुंचे
गांव के लोग प्रज्ञा के घर उसे बधाई देने के लिए लोगो का तांता लगा रहा काफ़ी संख्या में लोग पहुंचे। जो बनना चाहे, वह बनेगी प्रज्ञा के पिता सुरेश यादव का कहना है कि प्रज्ञा शुरू से पढ़ाई में अच्छी थी। इसके जिला में चौथी रैंक आने पर सभी में काफी खुशी है और वह पढ़ लिखकर जो भी बनना चाहती है, वहीं वह बनेगी। प्रज्ञा आगे की पढ़ाई भी करेगी।

स्वतंत्रता सेनानी व हुल क्रांति के महानायक वीर शहीद चानकु महतो की 169वीं शहादत दिवस खरसावां वीर शहीद निर्मल भवन में श्रद्धापूर्वक मनाई गयी

सरायकेला। खरसावां के चांदनी चौक स्थित वीर शहीद निर्मल महतो भवन में स्वतंत्रता सेनानी व हुल क्रांति के महानायक वीर शहीद चानकु महतो की 169 वीं शहादत दिवस कुड़मि समाज खरसावां-कुचाई ईकाई की ओर से मनायी गयी। कार्यक्रम के प्रमुख पंकज कुमार महतो ने कहा कि हुल विद्रोह के महानायक चानकु महतो अब तक एक गुमनाम क्रांति के महानायक थे जिन्हें इतिहास में उतना जगह नहीं मिला परंतु आज हमारे राज्य के महामहिम राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने 169 वीं शहादत दिवस के उपलक्ष में पूर्वी सिंहभूम स्थित चाकुलिया के भालुकबिंधा (मेमक्लब) में मूर्ति अनावरण कर झारखंड के जनता को जगाने का काम किये है। इसके लिए हम सभी शहीद के प्रति श्रद्धांजलि अर्पण करते हैं और महामहिम को धन्यवाद देते हुए आभार व्यक्त करते हैं। इस मौके पर उपस्थित मॉडल स्कूल खरसावां के शिक्षक जीडी महन्त ने वीर शहीद चानकु महतो के व्यक्तित्व और कृतित्व का वर्णन कहा कि स्वतंत्रता सेनानी और हुल क्रांति के महानायक चानकु महतो के आंदोलन के कारण गोड्डा क्षेत्र में कई वर्षों तक ब्रिटिश सरकार को मालगुजारी लेना मुश्किल हो गया था। वहीं ब्रिटिश सरकार द्वारा बसाये गए संथालों को ब्रिटिशों के खिलाफ लड़वाने और हौसला देने का काम इन्होंने ही प्रारंभ किया था। क्रांति के महानायक चानकु महतो ने ही सबसे पहले ÷महतो माझी भाई-भाई जैसे नारा देकर हुल विद्रोह को मानते हुए अपने आंदोलन को पूरे साथियों के साथ संथाल विद्रोह में शामिल हो गए। सिद्धू कान्हू ने 30 जून 1855 को संथाल परगना के हजारों लोगों के साथ मिलकर एक जनसभा का आयोजन किये थे जिसमें मुख्य रूप से क्रांति के महानायक चानकु महतो भी शामिल थे। इस जनसभा में ब्रिटिशों के खिलाफ विद्रोह की ज्वाला धधक उठीं । कहा जाता है विद्रोह में हजारों आदिवासी मूलवासी मारे गए थे। परंतु नेतृत्वकर्ता चानकु महतो पुलिस के हथियार और पकड़ से बच निकल थे। इसके बाद 1855 के अक्टूबर महीने में सोनार चौक में जनसभा बुलाई गई इसके मुख्यवक्ता चानकु महतो थे। इस कार्यक्रम की सूचना अंग्रेजों के चाटुकार नायब प्रताप नारायण ने उन तक पहुंचाने का काम किया था। इस बार अंग्रेजी सेना बड़ी तैयारी के साथ चानकु महतो को पकड़ने के लिए जनसभा के चारों ओर घेर लिया था जनसभा को संबोधित करते हुए क्रांति के महानायक चानकु महतो ने युद्ध की घोषणा कर दिया । जिसे अंग्रेजों के साथ क्रांतिकारियों का घमासान युद्ध हुआ। इस युद्ध में चानकु महतो घायल हो गए। परंतु साहस और पराक्रम के वीर चानकु महतो को उनके साथियों ने उन्हें ननिहाल बाड़ेडीह गांव में ले गए। जब अंग्रेजों को पता चला कि चानकु महतो अपने मामा घर में इलाजरत है। उन्हें गिरफ्तार कर अंग्रेजी सिपाहियों ने कई दिनों तक क्रूरतापूर्वक यातनाएं दी। उसके बाद 15 मई 1856 को गोड्डा के राज कचहरी स्थित कझिया नदी के किनारे उन्हें फांसी दे दी गई। इनके ऊपर अंग्रेजी सेना इतने अधिक गुस्से में थी कि फांसी देने के पश्चात बाड़ेडीह गांव को पूरी तरह से तहस-नहस कर उजाड़ दिया। इनकी शौर्यगाथा आज भी संथाल परगना के गांव में सुनने को मिलता है। उस दिन को याद करते हुए कई घरों में तो इन दोनों में आज भी एक वक्त का चूल्हा नहीं जलता है।उपस्थित सभी लोगों ने मौके पर निर्णय लिया कि खरसावां और कुचाई प्रखंड एक विशेष स्थान पर वीर शहीद चानकु महतो की मूर्ति स्थापित की जाएगी । इस कार्यक्रम के अवसर पर महेश्वर महतो, बाबलु महतो, विशेश्वर महतो, विनोद महतो, गदाधर महतो, प्रियरंजन महतो एमेन नाग, महावीर महतो, रमेश महतो, कैलाश महतो, संजय महतो, महावीर महतो, लोकनाथ महतो, मंटू महतो, दयाल महतो, मनबोध महतो, मिलन महतो आदि उपस्थित थे ।

संक्षिप्त समाचार

उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रखंड विकास पदाधिकारीयों को उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

उपायुक्त मनीष कुमार व पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने माह अप्रैल 2025 में आवास, मनरेगा एवं 15 वें वित आयोग योजना में उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रखंड विकास पदाधिकारियों को प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित। प्रखंड विकास पदाधिकारी, लिट्टीपाड़ा संजय कुमार को अप्रैल माह 2025 में अबुआ आवास योजना में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

प्रखंड विकास पदाधिकारी, पाकुड़ समीर अल्फ्रेड मुर्मू को अप्रैल माह 2025 में अबुआ आवास योजना में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

प्रखंड विकास पदाधिकारी, महेशपुर सिद्धार्थ शंकर यादव को अप्रैल माह 2025 में मनरेगा एवं 15 वें वित आयोग योजना में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

उपायुक्त मनीष कुमार ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को आगे भी बेहतर प्रदर्शन जारी रखने की बात कहीं।

बीते दिनों अज्ञात वाहन के चपेट में आने से घायल व्यक्ति की इलाज के दौरान हुई मौत

- किया गया मामला दर्ज

हिरणपुर (पाकुड़) हिरणपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत कस्तूरी के समीप बीते तीन मई को शहरपुर निवासी 20 वर्षीय बाबुधन हांसदा हिरणपुर से घर साइकिल से जाने के करम क्रम में अज्ञात वाहन चपेट में आने से पूरी तरह जख्मी हो गया था, जिसे पुलिस के द्वारा उठा के आनन फलन में सदर हॉस्पिटल सोना जोड़ी में भर्ती कराये थे तत्पश्चात उसकी गंभीर चोट को देखते हुए सोना जोड़ी से पश्चिम बंगाल के जंगीपुर रेफर कर दिया गया था जंगीपुर से रेफर करने के बाद परिवार वालों ने उसे घर ला रहे थे, इस दौरान रास्ते में अचानक तबीयत फिर से बिगड़ने के कारण सोनाजोड़ी लाया गया जहां डॉक्टरों ने इलाज के दौरान मृत घोषित कर दिया। इस संबंध में हिरणपुर थाना प्रभारी रंजन कुमार सिंह ने बताया कि अज्ञात बाहन के खिलाफ मामला दर्ज करके जांच शुरू कर दिया गया है।

पाकुड़ में बिजली संकट को लेकर SDPI ने कार्यपालक अभियंता को सौंपा ज्ञापन

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

पाकुड़, सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (SDPI) ने पाकुड़ जिला में, विशेष रूप से पाकुड़ प्रखंड में लगातार हो रही बिजली की अनियमित और लचर आपूर्ति को लेकर आज बिजली विभाग के कार्यपालक अभियंता को एक ज्ञापन सौंपा। यह ज्ञापन जिला अध्यक्ष मोबारक शेख के नेतृत्व में सौंपा गया।

ज्ञापन में यह स्पष्ट किया गया कि बीते कई सप्ताहों से बिना किसी पूर्व सूचना के बिजली कटौती, बार-बार ट्रिपिंग, और वोल्टेज की गंभीर समस्याएं आम नागरिकों के लिए असहनीय बन चुकी हैं। इससे न केवल आम जनजीवन अस्त-व्यस्त है, बल्कि व्यवसाय, स्वास्थ्य सेवाएं और विद्यार्थियों की शिक्षा पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। स्ड्ढक्क् ने मांग की है कि आगामी 5 कार्यदिवसों के भीतर इस समस्या का ठोस समाधान सुनिश्चित किया जाए, अन्यथा पार्टी जनहित में जोरदार आंदोलन, घेराव और विरोध प्रदर्शन करने को बाध्य होगी – जिसकी समस्त जिम्मेदारी बिजली विभाग की होगी।

पार्टी ने यह भी स्पष्ट किया कि वह जनहित से समझौता नहीं करेगी और आवश्यकता पड़ी तो कानूनी मार्ग भी अपनाएगी।

ज्ञापन सौंपने के दौरान झारखण्ड प्रदेश अध्यक्ष सह जिला परिषद सदस्य मोहम्मद हंजेला शेख, कोषाध्यक्ष ओबाईदुर रहमान, जिला उपाध्यक्ष अहेदुल शेख, जिला महासचिव (संगठन) मोजाहेदुल इसलाम, जिला सचिव मानजार शेख, तथा जिला कमेटी सदस्य हबीबुर शेख और हासिबुल शेख भी उपस्थित रहे।

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

पाकुड़- *गुरुवार को उत्पाद विभाग की टीम ने नगर परिषद क्षेत्र स्थित किताझोर मरांगमय बेसरा के घर पर छापेमारी की। छापेमारी के क्रम में 10 लीटर अवैध चुलाई शराब एवं 230 किलो जल मिश्रित जावा महुआ बरामद किया गया। जल मिश्रित जावा महुआ को घटनास्थल पर विनिष्ट किया गया। अभियुक्त के विरुद्ध फरार अभियोग दर्ज किया गया।*

पाकुड़ जिले में 17 आयुष्मान आरोग्य मंदिर को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने हेतु भारत सरकार द्वारा एनक्यूएएस प्रमाणन

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

पाकुड़- राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन कार्यक्रम के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में पाकुड़ जिले में संचालित आयुष्मान आरोग्य मंदिर का राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केंद्र (NHSRC) स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा बेहतर स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने के मापदंड की जांच हेतु कुल 18 स्वास्थ्य केंद्रों का एक्सटर्नल असेसर टीम द्वारा पाकुड़ जिले के सभी प्रखंडों के आयुष्मान आरोग्य मंदिर का भ्रमण करके असेसमेंट किया गया जिसमें अब तक कुल 17 आयुष्मान आरोग्य मंदिर का राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक (NQAS) सर्टिफाइड हुआ हैं जो अमड़ापाड़ा का 03 आयुष्मान आरोग्य मंदिर, पाकुड़िया का 03 आयुष्मान आरोग्य मंदिर, लिट्टीपाड़ा का 04 आयुष्मान आरोग्य मंदिर, हिरणपुर का 03 आयुष्मान आरोग्य मंदिर, पाकुड़ का 03 आयुष्मान आरोग्य मंदिर एवं महेशपुर का 01 आयुष्मान आरोग्य मंदिर, राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक सर्टिफाइड हो चुका है। जिले में अभी और भी आयुष्मान आरोग्य मंदिर का राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक किया जाना हैं जिसकी तैयारी पूरे जोरो पर चल रही हैं।

उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि पाकुड़ जिले में स्वास्थ्य क्षेत्र में यह एक बड़ी उपलब्धि है। यह सफलता जिला स्वास्थ्य विभाग की नियमित निगरानी, स्वास्थ्य कर्मियों की सतत मेहनत व सेवाओं में निरंतर सुधार के प्रयासों का परिणाम है। स्वास्थ्य विभाग आने वाला समय में अन्य आयुष्मान आरोग्य मंदिरों को भी इस प्रमाणन की दिशा में आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि जिले में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं का दायरा और विस्तृत हो सके।

अनुमंडल दंडाधिकारी ने क्षेत्र में 15 जून तक निषेधाज्ञा लागू किया

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

पाकुड़ जिला में आगामी पर्व त्यौहार को मनाए जाने के क्रम में सामाजिक एवं बाहरी तत्वों द्वारा व्यवधान उत्पन्न करने की आशंका है, जिससे विधि व्यवस्था की समस्या भंग होने की प्रबल संभावना हो सकती है।

अनुमंडल दण्डाधिकारी, पाकुड़ साईमन मरांडी ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा-163 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए दिनांक 16.05.2025 से लेकर दिनांक-15.06.2025 तक के लिए पाकुड़ अनुमंडल अंतर्गत सम्पूर्ण क्षेत्र के लिए निम्नांकित निषेधाज्ञा लागू किया।

01. पाँच या पाँच से अधिक की संख्या में व्यक्तियों के साथ किसी भी स्थान विशेष बिना कारण के एकत्रित होना, भ्रमण करना अथवा भीड़ लगाना निषिद्ध है।

02. किसी भी व्यक्ति अथवा व्यक्तियों के द्वारा निषेधज्ञा क्षेत्र अंतर्गत किसी प्रकार का कोई आग्नेयास्त्र, परम्परागत हथियार तथा लाठी, डंडा, भाला, तीर-धनुष, फर्सा इत्यादि में से कोई भी हथियार लेकर चलना, भ्रमण करना, प्रर्दशन करना अथवा उसका व्यवहार किया जाना निषिद्ध है। निषिद्ध क्षेत्र के अंतर्गत किसी भी प्रकार के अस्त्र-शस्त्र के साथ तथा किसी भी प्रकार का कोई जुलूस, प्रचार- प्रसार, रैली, सभा, धरना- प्रर्दशन इत्यादि का आयोजन किया जाना निषिद्ध है।

03. उक्त अवधि के दरम्यान डी0जे0/ लाउडस्पीकर पर प्रतिबंध रहेगा। निषेधज्ञा का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति के विरूद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा-223 के तहत विधि सम्मत् कार्रवाई की जाएगी। यह निषेधज्ञा शादी समारोह / धार्मिक अनुष्ठान / शव यात्रा/ परीक्षा का आयोजन / विधि-व्यवस्था में प्रतिनियुक्त कर्मी / पुलिस कर्मी / पदाधिकारी पर लागू नहीं होगा।

डीडीसी ने जल जीवन मिशन अंतर्गत योजनाओं का किया स्थल निरीक्षण

- पाकुड़िया प्रखंड अंतर्गत जलापूर्ति योजना का किया गया निरीक्षण
- उप विकास आयुक्त के नेतृत्व में गठित छः सदस्यीय टीम के द्वारा किया गया निरीक्षण

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

पाकुड़ उप विकास आयुक्त महेश कुमार संथालिया के द्वारा जल जीवन मिशन अंतर्गत पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल पाकुड़ के द्वारा बन रहे संपूर्ण पाकुड़िया पाईप लाइन जलापूर्ति योजनाओं का स्थल निरीक्षण किया। उन्होंने सर्वप्रथम बासेतकुण्डी पंचायत के धावाडंगाल में बन रहे सम्पूर्ण पाकुड़िया प्रखंड अच्छादित पाइप लाइन ग्रामीण जलापूर्ति योजना के अंतर्गत वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के कलेरी फोकलेटर की जांच की और कार्यपालक अभियंता श्री अनंत प्रसाद सिंह से इसके संबंध में जानकारी ली। कार्यपालक अभियंता द्वारा जानकारी दी गई कि WTP का कार्य 90 प्रतिशत पूर्ण कर ली गई है।

मौके पर परियोजना निदेशक, आईटीडीए श्री अरुण कुमार एक्का , अधीक्षण अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता दुमका, कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता पाकुड़, प्रखंड विकास पदाधिकारी, पाकुड़िया, सहायक अभियंता, कनीय अभियंता, जिला समन्वयक सुमन मिश्रा समेत अन्य उपस्थित थे।

उपायुक्त ने कारा सुरक्षा समिति की बैठक

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में कारा सुरक्षा समिति की बैठक की गई। बैठक के दौरान उपायुक्त ने कारा सुरक्षा, कारा में कैदियों- बंदियों हेतु मूलभूत सुविधाएं, कैदियों- बंदियों के परिजनों से मुलाकाती, स्वास्थ्य सुविधाएं, सीसीटीवी कैमरा सहित अन्य आवश्यक बिंदुओं पर समीक्षा किया। इस दौरान उन्होंने कारा के सुरक्षा सहित भोजन, पानी, शौचालय एवं साफ-सफाई के साथ स्वास्थ्य सुविधाओं के बारे में जानकारी ली एवं निर्देश देते हुए कहा कि कारा में कैदियों - बंदियों को जेल मैनुअल के अनुसार कैदियों- बंदियों को स्वच्छ, ताजा एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन, स्वच्छ पानी एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराएं।

जिलेभर में विधि- व्यवस्था दुरुस्त रखने को लेकर डीसी-एसपी ने जिला के अधिकारियों के साथ बैठक किया

उपायुक्त मनीष कुमार व पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार के संयुक्त अध्यक्षता में जिले की विधि- व्यवस्था से संबंधित बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में उपायुक्त मनीष कुमार व पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार के द्वारा अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी, थाना प्रभारी को निर्देश दिया क्षेत्र अंतर्गत संचालित सभी तरह के अवैध गतिविधियों पर निगरानी जरूर रखें।

राजा कुमार की रिपोर्ट

देवघर। आज दिनांक 15 मई 2025 को NTEP 100 DAYS CAMPAIGN से संबंधित प्रशिक्षण का आयोजन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, जसीडीह के सभागार में किया गया जिसमें जिला से आए हुए श्री संतोष कुमार सिंह, एस टी एल एस एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जसीडीह के श्री हर्षित भदानी, नोडल सी एच ओ, श्री ब्रह्मचारी अजय कुमार, प्रयोगशाला प्राविधिक, श्री प्रेम कुमार, एस टी एस के द्वारा उपस्थित सभी सी एच ओ, सभी ए एन एम, सभी सहिया साथी, एवं सभी बी टी टी को संबंधित प्रशिक्षण दिया गया, ज्ञात हो कि राष्ट्रीय यक्ष्मा कार्यक्रम उन्मूलन की ओर अग्रसर है तथा यह कार्यक्रम की समीक्षा भारत सरकार के द्वारा की जा रही है।

तेज आंधी और बारिश से मौसम ने बदला करवट

- जनजीवन ने लिया राहत की सांस। वहीं कई जगह पेड़ गिरने से यातायात रही बाधित एवं बिजली रही गुम
- जबकि किसानों में खुशी खरीफ फसल के लिए अब करेंगे खेतों की जुताई

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

हिरणपुर (पाकुड़) बृहस्पतिवार को अचानक तेज आंधी के साथ गर्जन के साथ हुई बारिश से अचानक मौसम ने करवट बदली, जिससे उमस भरी गर्मी से त्रस्त जनजीवन को राहत मिली । हालांकि इसके विपरीत बारिश से कारण जगह-जगह पर जल जमाव भी देखने को मिला , जगह-जगह आशिक छती भी आंधी के कारण पहुंचने की खबर है। लेकिन फिलहाल गर्मी से लोगों को राहत भी मिला और मौसम बहुत सुहानी हो गई।

जानकारी के अनुसार तेज आंधी चलने के कारण जगह-जगह पर पेड़ भी गिरा है, जिसमें मुख्य रूप से हाथकाठी के समीप मेन रोड पर महुआ पेड़ का डाली विद्युत तार पर गिरने से आवागवन के अलावे बिजली भी बाधित हो गई , पेट्स सड़क पर गिरने के कारण दोनों तरफ वाहनों की जमावड़ा लगी रही। इसके अलावे वन विभाग कार्यालय के समीप सड़क में पेड़ गिरने से कुछ देर के लिए लोगों को काफी असुविधा झेलनी पड़ी। वहीं इस बारिश से एक और किसान के चेहरे में भी खुशी देखी जा सकती है, क्योंकि इस बारिश की वजह से खेतों में हल जुताई का काम अब शुरू होगा जिससे किसान खरी फसल के लिए खेत को तैयार कर के आने वाले समय में धान के बीच बो पाएंगे।

जैक 09 वी बोर्ड परीक्षा का परिणाम जारी, संताल परगना क्षेत्र में पाकुड़ जिला ने बनाई टॉप में जगह

- उपायुक्त मनीष कुमार के पहल पर प्री-बोर्ड टेस्ट का सरकारी विद्यालयों में हुआ आयोजन,छात्रों की बढ़ी शैक्षणिक दक्षता
- उपायुक्त ने छात्रों, शिक्षकों, जिला शिक्षा पदाधिकारी एवं जिला शिक्षा अधीक्षक, अभिभावकों को दी बधाई, आगे भी इस क्रम को जारी रखते हुए और बेहतर करने की कहीं बात

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

पाकुड़- झारखंड अधिविद्य परिषद (जैक) द्वारा आहूत 09 वी. की परीक्षा का परिणाम बुधवार को जारी कर दिया गया है।

उपायुक्त मनीष कुमार के मार्गदर्शन में जिले के विभिन्न सरकारी विद्यालयों में प्री बोर्ड टेस्ट का आयोजन किया गया था। जिससे विद्यालय में अध्ययनरत बच्चों की शैक्षणिक क्षमता में बढ़ोतरी हुई। इससे जिले के छात्रों ने संताल परगना क्षेत्र में टॉप में अपना स्थान अर्जित किया। पाकुड़ जिला संताल परगना क्षेत्र में 98.75 प्रतिशत अंक लाकर प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

मेनुवल स्कवेंजर अधिनियम 2013 के तहत् जिला स्तरीय सर्वेक्षण समिति एवं जिला निगरानी समिति की बैठक आयोजित

दुमका/
ललित कुमार पाल की रिपोर्ट

उपायुक्त आंजनेयुलु दोड्डे के अध्यक्षता में मेनुवल स्कवेंजर अधिनियम 2013 के तहत् जिला स्तरीय सर्वेक्षण समिति एवं जिला निगरानी समिति की बैठक आहुत की गयी। बैठक में परियोजना निदेशक, आईटीडीए दुमका रवि जैन के द्वारा उपस्थित समिति के सदस्यों के समक्ष उक्त अधिनियम में निहित निदेशों के बारे में जानकारी देते हुए बताया गया कि मेनुवल स्कवेंजर एक अमानवीय प्रथा है, जिसमें सीवर, सेप्टिक टैंक या सूखे शौचालयों से मानव मल को नंगे हाथों या साधारण उपकरणों से साफ करने की प्रक्रिया को प्रतिबंधित किया गया है। बैठक के क्रम में यह भी बताया गया कि दुमका जिलान्तर्गत सभी 10 प्रखण्डों एवं 02 नगर पंचायत का सर्वे प्रतिवेदन प्राप्त किया गया, जिसमें मेनुवल स्कवेंजर मुक्त पाया गया है। उक्त बैठक में जिला कल्याण पदाधिकारी, जिला सांख्यिकी पदाधिकारी, प्रशासक, नगर परिषद, दुमका, प्रशासक, नगर पंचायत बासुकीनाथ एवं अन्य पाँच समिति के सदस्य उपस्थित थे।

दुमका रेलवे स्टेशन में कोयला के भंडारण और परिवहन के कारण होने वाले प्रदूषण के रोकथाम हेतु स्टेशन के गुड्स शेड का उपायुक्त ने जिला स्तरीय टीम के साथ किया निरीक्षण

दुमका। उपायुक्त अंजनेयुलु दोड्डे के नेतृत्व में जिला स्तरीय संयुक्त कमिटी ने दुमका रेलवे स्टेशन में कोयला के भंडारण और परिवहन के कारण होने वाले प्रदूषण के रोकथाम हेतु गुरुवार को स्टेशन के गुड्स शेड का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने कोयला के भंडारण एवं परिवहन से होने वाले प्रदूषण को रोकने हेतु रेलवे को दिये गए निर्देशों के अनुपालन की समीक्षा की। अधिकारियों से बात करते हुए उपायुक्त ने पर्यावरण मंजूरी की शर्तों का अनुपालन तथा प्रतिवादी संख्या 5 द्वारा कोयले के परिवहन के संबंध में भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय और इस न्यायाधिकरण द्वारा दिए गए निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्टोन चिप्स साइडिंग व अन्य जगहों पर लगे वाटर स्प्रिंकलर तथा रास्ते में वाटर टैंकर के माध्यम से लगातार पानी का छिड़काव करने का निर्देश दिया।

मौके पर जिला भू अर्जन पदाधिकारी, जिला खनन पदाधिकारी सहित अन्य वरीय पदाधिकारी, प्रदूषण विभाग के अधिकारी सहित अन्य उपस्थित थे।

भारत की अनमोल धरोहर की नीलामी

>> विचार

> “नीलामी करने वाली कंपनी सोदबीज़ ब्रितानी मूल की बहुराष्ट्रीय कंपनी है जो सांस्कृतिक महत्व की धरोहरों की नीलामी करने के कारण अक्सर विवादों में रहती है। छह साल पहले न्यूज़ीलैंड के माओरी आदिवासियों की काष्ठ कलाकृति की लगभग छह करोड़ रुपये में हुई नीलामी को लेकर विवाद हुआ था और सरकार से कलाकृति वापस लाने की मांगें की गई थीं। भगवान बुद्ध के श्रद्धा रत्नों की नीलामी तो और भी विवादास्पद है। रत्नों की नीलामी विलयम पेपे के परपोते क्रिस पेपे कराना चाहते हैं जो फिल्म निर्माता हैं और हॉलीवुड में काम करते हैं। उनका कहना है कि ये रत्न भगवान बुद्ध की अस्थियों या अवशेषों का हिस्सा नहीं हैं।

शिवकान्त शर्मा

हांगकांग में होने वाली भगवान बुद्ध के अनमोल श्रद्धा रत्नों की नीलामी ने एक बार फिर इस बात पर बहस छेड़ दी है कि क्या विश्व की अनमोल सांस्कृतिक और धार्मिक धरोहर को नीलाम होने देना सही है? गत सप्ताह जिन 371 रत्नों और स्वर्ण एवं रजत पत्रकों की नीलामी होने वाली थी वे आज से लगभग सवा सौ साल पहले 1898 में उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थ नगर ज़िले के पिपरहवा गांव में एक बौद्ध स्तूप की खुदाई में मिले थे। पिपरहवा नेपाल की सीमा पर स्थित है और माना जाता है कि शाक्य गणराज्य की राजधानी कपिलवस्तु यहीं पर थी। खुदाई इस इलाक़े के ब्रितानी ज़मींदार विलियम क्रैक्सटन पेपे ने कराई थी जो पेशे से इंजीनियर थे। खुदाई में 130 फुट व्यास वाले ईंटों से बने स्तूप के भीतर पत्थर का एक संदूक मिला था जिसमें पांच पाषाण कलश थे। इनमें भगवान बुद्ध की अस्थियों और भस्म के साथ 1800 से अधिक मोती, माणिक, पुखराज और नीलम जैसे रत्न और सोने व चांदी के पत्रक रखे थे जिन पर बौद्ध आकृतियां बनी हुई थीं। इनमें से एक कलश पर ब्राह्मी लिपि में प्राचीन पाली में लिखा था कि ‘इस स्मारक स्तूप में भगवान बुद्ध की वे अस्थियां विराजमान हैं जो उनके शाक्यवंशी स्वजनों को मिली थीं। कुशीनगर में भगवान बुद्ध के परिनिर्वाण के बाद उनकी अस्थियां शाक्यवंशियों ने चारों दिशाओं से आए आठ गणराज्यों के प्रतिनिधियों में बांट दी थीं ताकि वे अपने-अपने यहां स्तूप बनाकर उनकी स्थापना कर सकें और अधिक से अधिक लोग उनका दर्शन करने जा सकें। इस प्रकार अस्थियां आठ गणराज्यों के स्तूपों में रखी गई थीं। माना जाता है कि पिपरहवा का स्तूप उन्हीं में से एक है जिसे एक ब्राह्मण ने महात्मा बुद्ध के शाक्यवंशियों के लिए बनवाया था। इसलिए इसे पुरातत्व की सबसे बड़ी खोजों में गिना गया। स्तूपों में बुद्ध की अस्थियों के साथ बहुमूल्य रत्न, सोने और चांदी के पत्रकों और मुद्राओं को रखने की परंपरा भी थी जिसके लिए लोग दिल खोलकर दान देते थे। विलियम पेपे ने अपने रिकॉर्ड में लिखा है कि खोज के पुरातात्विक और धार्मिक महत्व को समझते ही उन्होंने यह

धरोहर ब्रितानी सरकार के हवाले कर दी थी। सरकार ने रत्नों और अस्थियों को अलग करते हुए रत्नों का छठा हिस्सा पेपे को दे दिया। बाकी बचे रत्नों और अस्थियों में से कुछ हिस्सा बौद्ध देश थाइलैंड के राजा चूडालंकरण द्वारा भेजे गए भिक्षुदूत को दिया और बाकी कोलकाता और कोलंबो के संग्रहालयों में भेज दिया था। हांगकांग में जिन रत्नों और सोने-चांदी के पत्रकों की नीलामी की कोशिश हो रही है वे वही हैं जो ब्रितानी सरकार ने विलियम पेपे को दिए थे। नीलामी करने वाली कंपनी सोदबीज़ ब्रितानी मूल की बहुराष्ट्रीय कंपनी है जो सांस्कृतिक महत्व की धरोहरों की नीलामी करने के कारण अक्सर विवादों में रहती है। छह साल पहले न्यूज़ीलैंड के माओरी आदिवासियों की काष्ठ कलाकृति की लगभग छह करोड़ रुपये में हुई नीलामी को लेकर विवाद हुआ था और सरकार से कलाकृति वापस लाने की मांगें की गई थीं। भगवान बुद्ध के श्रद्धा रत्नों की नीलामी तो और भी विवादास्पद है। रत्नों की नीलामी विलयम पेपे के परपोते क्रिस पेपे कराना चाहते हैं जो फिल्म निर्माता हैं और हॉलीवुड में काम करते हैं। उनका कहना है कि ये रत्न भगवान बुद्ध की अस्थियों या अवशेषों का हिस्सा नहीं हैं। इन्हें लोगों ने श्रद्धा स्वरूप अस्थियों के साथ रखा था। इनका कोई धार्मिक या सांस्कृतिक महत्व नहीं है। उन्होंने कई बौद्ध भिक्षुओं, मठों और विद्वानों से पूछने के बाद ही इन्हें नीलाम करने का फैसला किया है ताकि ये किसी ऐसे व्यक्ति या संस्था के पास चले जाएं जो इनकी सही देखभाल और सार्वजनिक प्रदर्शनी कर सके। उनका कहना है कि उनके परदादा को वही रत्न और पत्रक दिए गए थे जो संग्रह में एक से अधिक संख्या में मौजूद थे। इसलिए जिन्हें नीलाम किया जा रहा है उनके जैसे दूसरे रत्न और पत्रक कोलकाता, बैंकाक और कोलंबो के संग्रहालयों में मौजूद हैं। उनका यह भी कहना है कि उन्होंने इन्हें दान करने के लिए कई बौद्ध मठों और बौद्ध देशों के संग्रहालयों से संपर्क किया था पर कहीं से संतोषजनक उत्तर नहीं मिला। लेकिन दुनियाभर के बहुत से बौद्ध मतावलंबी क्रिस पेपे के स्पष्टीकरण से संतुष्ट नहीं हैं। न ही वे नीलामी करने वाली कंपनी सोदबीज़ के इस दावे से संतुष्ट हैं कि उन्होंने इस नीलामी के सारे नैतिक और कानूनी पक्षों को नाप-तोल कर ही नीलामी करने का फ़ैसला किया था। लंदन के प्राच्यविद्या एवं अफ़्रीकी अध्ययन संस्थान (सोआस) में दक्षिण एशियाई कला के विशेषज्ञ प्रो. एशली टॉम्सन और संग्रहपाल कोनान चोंग का कहना है कि बौद्ध धर्मावलंबियों के अनुसार भगवान बुद्ध के अस्थिकलशों में अस्थियों और भस्म के साथ डाले गए श्रद्धा रत्नों को अलग कैसे माना जा सकता है? वे अस्थियों के स्पर्श मात्र से उनका अभिन्न भाग बन चुके हैं। उनका वही महत्व और स्थान होगा जो उनकी अस्थियों का है। ब्रितानी महाबोधि समिति के विद्वान अमल अभयवर्धने का कहना है कि भगवान बुद्ध का उपदेश है कि दूसरों की संपत्ति उनकी अनुमति के बिना नहीं लेनी चाहिए। शाक्यवंशियों को यह धरोहर इसलिए सौंपी गई थी कि वे स्मारक बनाकर उन्हें श्रद्धालुओं के दर्शन और पूजा के लिए सुलभ बना सकें। उन्होंने स्तूप बनाकर वही किया। औपनिवेशिक शासकों का पिपरहवा की खुदाई से मिली शाक्यवंशियों की सांस्कृतिक धरोहर पर मालिकाना हक कैसे हो गया? विवाद से चिंतित होकर भारत सरकार को कानूनी कार्रवाई की धमकी देनी पड़ी है जिसके बाद सोदबीज़ ने नीलामी को स्थगित कर दिया है ताकि सभी पक्षों के बीच बातचीत से कोई समाधान निकाला जा सके। पिपरहवा की खुदाई से मिले रत्न ईसा से कम से कम दो से ढाई सौ साल पुराने होने के कारण भारत से मिली प्राचीनतम सांस्कृतिक धरोहरों में गिने जाते हैं। भगवान बुद्ध के अस्थि कलशों में रखे होने के कारण उनका धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व उन्हें अनमोल बनाता है। बुद्ध, रामायण और गांधी भारत के सबसे बड़े वैचारिक और सांस्कृतिक निर्यात हैं। इनके विश्वव्यापी प्रभाव के सामने तूतनखामून के स्मारक से मिले पुरावशेष, एथेंस के मंदिर से मिली संगमरमर की शिल्पकृतियां और नाइजीरिया के बेनिन शहर से मिली कांस्य प्रतिमाएं कहीं नहीं ठहरतीं जिनके प्रत्यर्पण को लेकर दशकों से विवाद चल रहा है। सोदबीज़ को उम्मीद है कि बुद्ध के श्रद्धा रत्नों की बोली 100 करोड़ रुपये तक जा सकती है। लेकिन भगवान बुद्ध जैसे महापुरुष की अस्थियों से जुड़े रत्नों की नीलामी होना ही नैतिक आधार पर सही नहीं प्रतीत होता। क्या आप इतालवी शहर ट्यूरिन के गिरजे में रखे ईसा के कफ़न की नीलामी की कल्पना कर सकते हैं? ईसा और उनके परिवार से सीधे जुड़े अवशेषों की नीलामी नहीं की जा सकती। इसी तरह अच्छा होता कि यूनेस्को पिपरहवा के स्तूप और उसकी खुदाई से मिली पुरातात्विक सामग्री को विश्व धरोहर घोषित कर देता और इस नीलामी पर रोक लग जाती। या फिर दलाई लामा ही इसे रुकवाने और रत्नों को लौटाकर पिपरहवा में लोगों के दर्शन और पूजन के लिए रखवाने का प्रबंध करते। भारत सरकार ने 2009 में महात्मा गांधी के चश्मे, घड़ी और चप्पलों की नीलामी को रुकवाने की कोशिश की थी। अंत में विजय माल्या ने बोली लगाकर उन्हें भारत लौटाने में मदद की थी। सुना है अब भारत सरकार भगवान बुद्ध की इस अनमोल धरोहर के प्रत्यर्पण का प्रयास कर रही है जो सराहनीय कदम है।

(लेखक लंदन में पत्रकारिता संस्कृतिकर्म व अध्यापन में सक्रिय हैं।)

संपादकीय

महिलाओं की उपस्थिति उत्साहवर्धक नहीं है

सेना में स्त्री-पुरुष समानता सुनिश्चित करने में भारत की प्रगति धीमी रही है। बावजूद इसके, महिलाएं तमाम चुनौतियों को पार करते हुए सेना के तीनों अंगों में अपनी जगह बना रही हैं और धीरे-धीरे अग्रणी भूमिका में भी दिखने लगी हैं। मगर यह संख्या अब भी संतोषजनक नहीं है। पुरुषों के मुकाबले जिस अनुपात में महिलाओं को सेना में अवसर मिलना चाहिए, उस पर प्रायः सवाल उठते रहे हैं। कोई दोराय नहीं कि जब जीवन के हर क्षेत्र में महिलाएं पुरुषों के कंधे से कंधा मिला कर चल रही हैं, तो सैन्य बलों में उनकी प्रतिभागिता पर्याप्त रूप से क्यों नहीं बढ़ाई जानी चाहिए? अभी सेना में महिलाओं की उपस्थिति कोई बहुत उत्साहवर्धक नहीं है। शीर्ष न्यायालय ने उचित ही सवाल किया है कि जब महिलाएं रफाल उड़ा सकती हैं, तो सेना की कानूनी शाखा में उनकी संख्या सीमित क्यों है। वे शीर्ष पदों पर क्यों नहीं नियुक्त हो सकतीं। स्थायी कमीशन के लिए भी सेना में कार्यरत महिलाओं को लंबा संघर्ष करना पड़ा था। अपने अधिकारों के लिए उन्हें कानूनी लड़ाई लड़नी पड़ी थी। तब शीर्ष न्यायालय के एक महत्त्वपूर्ण फैसले के बाद सेना में उच्च पद पर उनके पहुंचने का रास्ता खुला था। स्त्री-पुरुष समानता के सवाल पर अदालतें सरकार को अपनी मानसिकता बदलने की नसीहत देती रही हैं। महिलाओं को स्थायी कमीशन देने का फैसला सुनाते समय भी जब अदालत ने सरकार को टोका था, तो उसका कहना था कि रक्षा बलों में पुरुष अभी महिला अधिकारियों की कमान स्वीकार करने के लिए मानसिक रूप से प्रशिक्षित नहीं हो पाए हैं। मगर अब तो अग्रिम मोर्चे में महिलाएं कई अहम भूमिकाएं निभाने लगी हैं। सीमित संख्या में ही सही, अगर महिलाएं युद्धक विमान उड़ाने के काबिल हो गई हैं, तो क्या पुरुष वर्चस्व की मानसिकता नहीं बदलनी चाहिए। सेना की विभिन्न शाखाओं में महिलाओं की संख्या बढ़ाने के साथ उन्हें युद्ध क्षेत्र में क्यों नहीं तैनात किया जाना चाहिए। आज सेना की सभी चिकित्सा सेवाओं का नेतृत्व महिलाएं ही कर रही हैं। इस पर गंभीरता से विचार होना चाहिए कि बाकी सेवाओं में भी अग्रणी भूमिका से उन्हें क्यों वंचित रखा जाए।

ऑपरेशन सिंदूर : एक पूर्व-सुनिश्चित नाकामी का रोजनामचा

राजेंद्र शर्मा

जैसा कि आसानी से अनुमान लगाया जा सकता था, ऑपरेशन सिंदूर के अचानक पटाक्षेप के बाद, उसे 'कामयाब' साबित करने की विभिन्न स्तरों पर कोशिशें शुरू हो गयी हैं। बेशक, खुद प्रधानमंत्री ही नहीं, उनके बाद दूसरे-तीसरे नंबर के दावेदार राजनीतिक नेताओं ने भी, पहले चरण में चुप रह कर, इसके जबर्दस्त प्रयास में सैन्य प्रतिष्ठान को ही सबसे आगे धकेला है। डीजीएमओ और तीनों सेनाओं के शीर्ष प्रतिनिधियों की एक साझा पत्रकार वार्ता में जहां एक ओर, यह स्थापित करने की कोशिश की जा रही थी कि 10 तारीख की शाम से हुई जंगबंदी, पाकिस्तानी डीजीएमओ की फोन करने की पहल के बाद, दोनों पक्षों में बनी सहमति से हुई थी, न कि अमेरिका की मध्यस्थता से हुई थी। वहीं दूसरी ओर यह दिखाने की भी कोशिश की जा रही थी कि इस तीन दिन की लड़ाई में, पाकिस्तानी आतंकवादी ठिकानों को ही नहीं, पाक सेना को भी बहुत भारी नुकसान उठाना पड़ा है, जबकि भारत को उसकी तुलना में बहुत ही कम नुकसान उठाना पड़ा है। यानी 7 से 10 मई तक का यह ऑपरेशन, भारत की नजर से कामयाब रहा है। इसी के समानांतर, सत्ताधारी संघ-भाजपा के आईटी सेल और उससे निर्देशित ट्रोल सेना ने कम से कम तीन धारणाएं बनाने के लिए अपनी ताकत झोंक दी है। पहली यह कि जो जंगबंदी हुई है, वह वास्तव में जंगबंदी से कमतर कोई चीज है। ऑपरेशन सिंदूर भी खत्म नहीं हुआ है, बल्कि वह तो बराबर जारी है। दूसरे, इस संक्षिप्त कार्रवाई में मोदी सरकार ने बता दिया है कि अब हरेक आतंकवादी कार्रवाई का जवाब इसी तरह पाकिस्तान के अंदर प्रहार से दिया जाएगा। तीसरे, पाकिस्तान को भारत की प्रहार शक्ति का अंदाजा हो गया है और अब वह भारत के खिलाफ कोई शरारत करने से पहले दस बार सोचेगा। आने वाले दिनों में बार-बार दोहराने के जरिए, 'जीत' के इन दावों को और कई गुना फुलाने की ही कोशिश नहीं की जा रही हो, तो ही हैरानी की बात होगी। विडंबनापूर्ण तरीके से यहां उनके लिए गोदी मीडिया का वह कुख्यात रूप से अतिरंजित प्रचार भी, किसी न किसी तरह से प्रयोग में आ रहा हो सकता है, जिसकी इस तरह प्रचार उपयोगिता को ही पहचान कर, सत्ताधारी ताकतों ने आधिकारिक स्तर पर उनके ऊल-जुलूल दावों से दूरी बनाने के बावजूद, उन्हें रोकना तो दूर, टोकने तक की कोई जरूरत नहीं समझी थी। दूसरी ओर, लड़ाई के संदर्भ में फेक न्यूज और भारत-विरोधी खबरों पर अंकुश लगाने के नाम पर, मोदी सरकार के प्रति आलोचनात्मक रुख रखने वाले कई यूट्यूब चैनलों सहित सोशल मीडिया प्लेटफार्म, एक्स पर एक साथ पूरे आठ हजार खातों को रोकने के लिए, जबर्दस्त सरकारी प्रहार किया गया था। इसी सिलसिले में लोकप्रिय डिजिटल समाचार प्लेटफार्म, द वायर तक पर सरकार की गाज गिरी थी। ऐसी ही गाज़ चर्चित पत्रकार, पुण्यप्रसून वाजपेयी के यूट्यूब चैनल पर भी गिरी थी। बहरहाल, ये सारी प्रचार कोशिशें अपनी जगह, सत्ताधारियों के लिए अपनी समर्थक कतारों से भी इस अचानक खत्म हुई लड़ाई को अपनी और सबसे बढ़कर नरेंद्र मोदी की जीत मनवाना, आसान नहीं हो रहा है। इसके सबूत के तौर पर हम, 10 तारीख की शाम संवाददाता सम्मेलन में युद्ध विराम की घोषणा करने मात्र के लिए, विदेश सचिव मिस्री को ही नहीं, उनके पूरे परिवार को ही, जिस तरह की भीषण ट्रोलिंग का सामना करना पड़ रहा है, उसे रखना चाहते हैं। कहने की जरूरत जरूरत नहीं है कि इस संक्षिप्त लड़ाई के दौरान खासतौर पर देश का चेहरा बने रहे विदेश सचिव के परिवार की इस तरह की भीषण ट्रोलिंग शर्मनाक है। लेकिन, सिर्फ उक्त निर्णय की घोषणा करने के लिए मिस्री की इस तरह की ट्रोलिंग से साफ हो जाता है कि 'जीत' का नैरेटिव, खुद सत्ताधारी संघ-भाजपा की कतारों के गले से नीचे नहीं उतर रहा है और वे अपना फ्रस्टेशन निकालने के लिए किसी अपेक्षाकृत कमजोर शिकार की तलाश में हैं। कमजोर शिकार की तलाश में इसलिए कि वास्तव में जंगबंदी का फैसला लेने वालों, नंबर वन, नंबर टू आदि के निर्णय पर सीधे सवाल उठाने की, उनमें हिम्मत नहीं है। इस संघी ट्रोल सेना के मिस्री पर इस तरह झपट पड़ने के खिलाफ सत्तापक्ष से इन पंक्तियों के लिखे जाने तक किसी ने चूं तक नहीं की थी। इसकी वजह समझना मुश्किल भी नहीं है। इस तरह की सेना को, शिकारी कुत्तों की तरह लहकाया तो जा सकता है, लेकिन अंकुश में नहीं रखा जा सकता। यही इस परिघटना का चरित्र है। इस सिलसिले में आईएएस एसोसिएशन के अलावा शासन की ओर से किसी के हस्तक्षेप न करने से बरबस, कई साल पहले की घटना याद आ जाती है। तब नरेंद्र मोदी सरकार के पहले कार्यकाल के दौरान, तब तक भाजपा के शीर्ष नेताओं में मानी जाने वाली, तत्कालीन विदेश मंत्री सुषमा स्वराज को, उनके मंत्रालय से जुड़े किसी छोटे से काम के लिए, जो इस ट्रोल पलटन को नागवार गुजरा था, भीषण तरीके से ट्रोल किया गया था। बुजुर्ग नेता के पति तक को इसमें नहीं बक्शा गया था। इसके बावजूद, उस समय भी संघ-भाजपा का कोई नेता, सुषमा स्वराज की हिमायत में सामने नहीं आया था। बहरहाल, इतने पीछे क्यों जाएं। मिस्री से चंद रोज पहले ही, पहलगाम में ही आतंकवादियों के हाथों मारे गए नौसेना अधिकारी की विधवा, हिमांशी नरवाल को इसी संघी ट्रोल सेना ने सिर्फ इतना कहने के लिए बुरी तरह से ट्रोल किया था कि हमें न्याय चाहिए, लेकिन हम नहीं चाहते हैं कि कश्मीरियों के, मुसलमानों के पीछे पड़ जाया जाए। और यह भी संयोग ही नहीं है कि हिमांशी नरवाल और मिस्री की पुत्री, दोनों को ही उनके जेएनयू कनेक्शन के हवाले से इस ट्रोलिंग का निशाना बनाया गया है। बेशक, जिस तरह से यह युद्धविराम हुआ है, इस संघी ट्रोल सेना में ही नहीं, आम लोगों में भी उस पर काफी असंतोष है। इस असंतोष की एक वजह तो यह युद्ध विराम, अमेरिका के हस्तक्षेप से होना ही है। सभी जानते हैं कि शिमला समझौते के बाद से भारत इस रुख पर दृढ़ रहा है कि भारत-पाकिस्तान के बीच जो भी विवाद हैं, जिसमें कश्मीर विवाद भी शामिल है, द्विपक्षीय मामला ही हैं और इसमें किसी तीसरे पक्ष का दखल मंजूर नहीं है। इसने, कश्मीर के मुद्दे का अंतर्राष्ट्रीयकरण करने की पाकिस्तान की कोशिशों से भारत को निजात दिलायी है। लेकिन, अमरीकी राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति तथा विदेश सचिव के सार्वजनिक बयानों के बाद, इसमें किसी संदेह की गुंजाइश नहीं रह गयी है कि अमेरिका की मध्यस्थता में ही यह युद्ध विराम हुआ है और यह भारत के बहु-प्रचारित रुख के लिए एक बड़ा धक्का है। लेकिन, आम नाराजगी सिर्फ अमेरिका के दखल के लिए गुंजाइश बनाए जाने पर ही नहीं है। नाराजगी खुद इस युद्ध विराम को लेकर भी है। सैन्य मामलों के विशेषज्ञों से लेकर, आम लोग यह समझ पाने में असमर्थ हैं कि आखिरकार, इस ऑपरेशन सिंदूर का हासिल क्या है? सैन्य मामलों के जानकार, जीत और कामयाबी के दावों को ज्यादा महत्व देने के लिए तैयार नहीं हैं। और इनमें जंगबंदी पर भावनात्मक प्रतिक्रिया करने वालों और अनाप-शनाप मांगें करने वालों से अलग, ऐसे वस्तुगत नजरिया अपनाने वाले भी शामिल हैं, जो यह जानते भी हैं और मानते भी हैं कि ऐसी लड़ाइयों का अंत, युद्ध विराम में ही होता है और युद्ध जितना कम चले और युद्धविराम जितना जल्दी हो, सभी के लिए उतना ही बेहतर होता है। इस जंगबंदी से उठने वाला असली मुद्दा यह है कि अगर इस तरह के परिणामों पर ही जंगबंदी होनी थी, तो क्या जंग शुरू किए जाने की रणनीति ही गलत नहीं थी? बेशक, पहलगाम की नृशंसता को बिना दंड के नहीं छोड़ा जा सकता था। लेकिन, इसके लिए जो रणनीति आपरेशन सिंदूर के नाम से मोदी सरकार ने अपनायी, वह इकलौती रणनीति तो नहीं थी। इससे भिन्न, क्या 26/11 के बाद भारत द्वारा अपनायी गयी रणनीति ही कहीं बेहतर नहीं थी, जिसमें मुंबई पर हमला करने वाले सभी आतंकवादियों को न सिर्फ मार गिराया गया था और जिंदा पकड़े गए इकलौते आतंकवादी अजमल कसाब को बाकायदा कानूनी प्रक्रिया का पालन कर फांसी दी गयी थी, आतंकवादियों के पाकिस्तान में बैठे हेंडलरों तथा कुल मिलाकर पाकिस्तान की संलिप्तता को भी, व्यापक रूप से बेनकाब करना संभव हुआ था। इसके मुकाबले, मोदी सरकार ने सैन्य ऑपरेशन का जो नाटकीय तरीका अपनाया, उसका हासिल कहीं कम है और कीमत कहीं ज्यादा है। इसके बावजूद, मोदी सरकार ने वही रास्ता अपनाया, जबकि उन्हें बखूबी पता था कि इसका परिणाम ऐसे शस्त्र विराम में होना है। मोदी सरकार ने आपरेशन सिंदूर का ही रास्ता क्यों अपनाया, इसका कारण समझना कोई बहुत मुश्किल भी नहीं है। इन कारणों की शुरूआत, पहलगाम की घटना के लिए जिम्मेदार, भारी सुरक्षा चूक पर पर्दा डालने की जरूरत से होती है। इस सुरक्षा चूक को यह सच और भी खटकने वाला बना देता है कि पिछले छः साल से ज्यादा से जम्मू-कश्मीर में वास्तविक सत्ता केंद्र सरकार के हाथों में है और इसके लिए वहां तमाम जनतांत्रिक प्रक्रियाओं की इस सरकार ने बाकायदा हत्या की है। इस पर्दापोशी के लिए ही ऑपरेशन सिंदूर का ईवेंट आयोजित किया जाता है, जैसी कि नरेंद्र मोदी की जानी-पहचानी शैली है। और युद्ध के इस ईवेंट का आयोजन यह जानते हुए भी किया जाता है कि भारत और पाकिस्तान के बीच ताकत का असंतुलन ऐसा नहीं है, जहां भारत निर्णायक सैन्य जीत हासिल कर सकता हो। उल्टे दोनों देशों के पास नाभिकीय हथियारों की मौजूदगी ने तो, परंपरागत बलों की ताकत के इस असंतुलन को बहुत हद तक पाट ही दिया है। ऐसे में 'ऑपरेशन सिंदूर' का वही हश्र होना था, जो कि हुआ है। अपने लक्ष्यों को हासिल करने के लिहाज से उसकी नाकामी पूर्व-निश्चित थी। यह दूसरी बात है कि अमेरिका की मध्यस्थता में हुए युद्धविराम के बाद, अब भारत और पाकिस्तान, दोनों ही अपनी 'जीत' के दावे करते रह सकते हैं।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

वूमन इंपावरमेंट : जिम्मेदारियों का बोझ

विजय गर्ग

औरतों के रोजमर्रा के जीवन पर आधारित फिल्म 'मिसेज' इन दिनों काफी चर्चा में है। इस फिल्म एक ऐसी महिला की कहानी को दिखाया गया जिस की चाहत और सपने सिलबट्टे पर चटनी की तरह पिस कर रह गए। इस फिल्म में यह दिखाने की कोशिश की गई है कि कैसे शादी के बाद एक महिला का जीवन घर की चारदीवारी में घुट कर रह जाता है। कैसे एक महिला का सारा जीवन घरपरिवार की देखभाल और किचन में ही बीत जाता है। घरेलू कामों का नाता लड़कियों के जीवन से जुड़ा हुआ है। भले ही कोई लड़की किसी समाज, परिवार में पैदा हुई हो, उसे बचपन से ही घर के कामों की शिक्षा दी जाती है यह कह कर कि उसे दूसरे घर जाना है। बुजुर्गों का कहना है कि चाहे लड़कियां कितनी ही पढ़ लिख जाएं पर अपनी ससुराल जा कर उन्हें बनानी तो रोटियां हीं हैं। सदियों से एक प्रथा चली आ रही है कि चाहे जो भी हो, घर के कामों की जिम्मेदारी तो महिलाओं की ही बनती है। उन्हें यह एहसास दिलाया जाता है कि खाना पकाना, कपड़े धोना, बरतन मांजना और घर के सभी सदस्यों का खयाल रखना महिला की ही जिम्मेदारी है। एक ही परिवार में लड़कों को पूरी आजादी दे दी जाती है और लड़कियों को रीतिरिवाजों और संस्कारों की बेड़ियों में बांध दिया जाता है। घर की जिम्मेदारियों के साथ उन्हें धार्मिक कर्मकांडों का भी हिस्सा बनना पड़ता है। आए दिन व्रतउपवास भी करने पड़ते हैं, चाहे उन की मरजी हो या न हो या चाहे वे शारीरिक रूप से कमजोर ही क्यों न हों, उन्हें अपने बेटे, पति की लंबी आयु और अच्छे स्वास्थ्य के लिए यह सब करना ही पड़ता है। लेकिन समाज ने पुरुषों के लिए ऐसा कोई नियम नहीं बनाया है। कोई क्यों नहीं समझता शालिनी वर्किंग वूमन है। रोज सुबह 4 बजे उठ जाती है। घर का सारा काम करती है, नाश्ता बना कर, बच्चों को उठा कर उन्हें तैयार कर स्कूल भेजती है। फिर पति और सास के लिए लंच तैयार कर 9 बजे तक अपने औफिस के लिए निकल जाती है। रोज उसे औफिस जानेआने में करीब 3 घंटे लग जाते हैं। शाम को थक कर जब घर पहुंचती है तो कोई उसे एक गिलास पानी के लिए भी नहीं पूछता, उलटे वही सब के लिए चाय बनाती है और फिर रात के खाने की तैयारी में लग जाती है। उसे बिस्तर पर जातेजाते रात के 11 बज जाते हैं। यही रोज का नियम है। संडे को शालिनी घर के पैंडिंग काम निबटाती है। लेकिन घर के किसी सदस्य से उसे कोई मदद नहीं मिलती है। सब को यही लगता है कि शालिनी के 10 हाथ हैं और वह सबकुछ चुटकियों में कर लेगी। मगर वह भी एक इंसान है, वह 'थकती है, उस के भी शरीर में दर्द होता है, उसे भी आराम की जरूरत है, यह कोई नहीं समझता। शालिनी के पति का अपना बिजनैस है। उन की हार्डवेयर का दुकान है। वे 11 बजे आराम से अपनी दुकान पर जाते हैं। लेकिन शालिनी के साथ ऐसा नहीं है, उसे तो रोज टाइम से औफिस जाना होता है। वह कहती है कि मन करता है नौकरी छोड़ दूं। लेकिन बढ़ती महंगाई और फिर बच्चों की महंगी शिक्षा को देखते हुए नौकरी भी नहीं छोड़ सकती है। यह कहानी केवल शालिनी की नहीं है बल्कि दुनिया की लगभग सभी औरतों की है। खुद के लिए समय नहीं माधुरी टीचर है और पति, आलोक भी इसी फील्ड में हैं। दोनों एक ही समय स्कूल के लिए निकलते हैं और घर भी सेम टाइम पहुंचते हैं। लेकिन घर आ कर जहां आलोक टीवी खोल कर बैठ जाते हैं, फोन पर दोस्तों से हाहा, हीही करते हैं, रील्स देखते हैं, वहीं माधुरी किचन में खाना पकाने घुस जाती है, बच्चों का होमवर्क कराती है और फिर बिखरे हुए घर को व्यवस्थित करती है क्योंकि सुबह उस के पास इतना टाइम नहीं होता कि यह सब कर सके।

(विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्रिंसिपल मलोट पंजाब)

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक व संपादक **सरोज चौधरी** द्वारा ई-37, अशोक विहार रांची से प्रकाशित तथा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस लालगुटवा रांची से मुद्रित, **संस्थापक संपादक : स्व. राधाकृष्ण चौधरी, प्रबंध संपादक अरूण कुमार चौधरी * फोन :** 9471170557/08084674042, **ई-मेल :** aadivashiexpress@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

कीर्तन की प्रस्तुती करण से माहौल भक्ति में हो गया

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। बोरियो प्रखंड के मोतीपहाड़ी स्कूल टोला में आयोजित हरिनाम 24 प्रहर संकीर्तन आज गुरुवार को भी दूसरे दिन भी जारी रहा। 108 हरिनाम 24 प्रहर संकीर्तन समझ में सरिता देवी (पिपरा गोड्डा), महंत खगेश चौधरी मनिहारी (कटिहार, बिहार), विनोद यादव (गोड्डा), बंगला में भारतीय हांसदा एवं सुधा रानी बहरमपुर (बंगाल) के द्वारा कीर्तन की प्रस्तुती करण से माहौल भक्ति में हो गया है। बिनोद यादव ने कहा कि कलयुग में भगवान राम का नाम ही नैया पर लगा सकता है। कीर्तन के दौरान बंगाल में भारतीय हांसदा ने कृष्ण-सुदामा चरित्र, निमाय संयासी, गोरांगो आदि का कथा प्रस्तुत कर उपस्थित जनों को मंत्र मुग्ध कर दिया। इस मौके पर कीर्तन समिति के सरजू प्रसाद साह, अध्यक्ष अरविंद पंडित, सचिव राजेंद्र साह, कोषाध्यक्ष सरयू प्रसाद साह, चंदन साह, दिनेश साह, दिनेश पंडित, सुदर्शन पंडित, कैलाश साह, शंभू पंडित, अन्य लोग उपस्थित थे।

बड़ा पचगढ़ स्थित खेत से गुरुवार को एक व्यक्ति का शव बरामद हुआ

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत बड़ा पचगढ़ स्थित खेत से गुरुवार को एक व्यक्ति का शव बरामद हुआ है। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। मृतक का पहचान बड़ा पचगढ़ के मुकेश राय 35 वर्ष के रूप में हुआ है। मृतक की पत्नी बुधनी देवी ने बताया कि बुधवार की रात खाना खाकर खेत में टहलने के लिए निकला था। लेकिन सुबह खेत में मृत पाया गया। मृतक अपने पीछे दो पुत्र सागर कुमार 12 वर्षीय व 10 वर्षीय शिवम कुमार व पत्नी बुधनी देवी को छोड़ गया है। वहीं मृतक घर में कमाने वाला एक मात्र सदस्य था। वे मजदूरी कर अपने परिवार का भरण पोषण करता था। इधर पत्नी रो रो कर कह रही है कि अब बच्चों का भरण पोषण कैसे होगा। इधर पुलिस मामले में गहराई से जांच पड़ताल कर रही है।

रेलवे स्टेशन परिसर से जीआरपी रेल पुलिस में वृद्ध व्यक्ति का शव किया बरामद

- पोस्टमार्टम के लिए लाया अस्पताल रेल पुलिस जांच में जुटी

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। मालदा रेल मंडल अंतर्गत साहिबगंज रेलवे स्टेशन परिसर के प्लेटफार्म नंबर एक पर रेल जीआरपी पुलिस में एक वृद्ध व्यक्ति का शव बरामद किया रेल पुलिस ने सबको कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया. मेरी जानकारी के अनुसार मृतक जिरवाबाडी थाना क्षेत्र अंतर्गत केलाबाडी पोखरिया निवासी विजय पासवान रिक्शा चालक था. अपने भरण पोषण के लिए कभी रिक्शा चलाता था तो कभी नाश्ता दुकान में काम करके अपना पेट चलता था. मृतक विजय पासवान अपने पीछे एक पुत्र को भी छोड़ गए इधर रेल पुलिस ने शव कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल लाया पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है.

प्रखंड विकास पदाधिकारी ने बीचपुरा पंचायत में योजनाओं की जांच की, लाभुकों को दिए आवश्यक निर्देश

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। बोरियो प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी नागेश्वर साव ने पंचायत बीचपुरा का दौरा कर विभिन्न सरकारी योजनाओं की जमीनी हकीकत का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मनरेगा और प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत चल रहे कार्यों की गहन जांच की। उन्होंने लाभुकों से मुलाकात कर आवास कार्य में हो रही प्रगति की जानकारी ली तथा उन्हें जल्द से जल्द निर्माण कार्य पूरा करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के क्रम में बीडीओ ने स्थानीय विद्यालय का भी जायजा लिया, जहाँ उन्होंने शिक्षकों को विद्यालय परिसर की साफ-सफाई बनाए रखने तथा पठन-पाठन व्यवस्था को सुदृढ़ करने का निर्देश दिया। उन्होंने छात्रों की उपस्थिति पर भी विशेष ध्यान देने की बात कही। मौके पर पंचायत के मुखिया, रोजगार सेवक, पंचायत सेवक एवं कनीय अभियंता सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। बीडीओ ने सभी कर्मियों को समय पर योजनाओं के क्रियान्वयन और लाभुकों को समय पर लाभ पहुंचाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान ग्रामीणों ने भी कुछ समस्याएं रखीं, जिस पर बीडीओ ने शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया।

समाहरणालय में उपायुक्त की अध्यक्षता में राजस्व व आपदा प्रबंधन की समीक्षा बैठक आयोजित

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। समाहरणालय सभागार में उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में राजस्व संग्रहण, राजस्व विभाग और आपदा प्रबंधन के तहत संचालित योजनाओं की समीक्षा के साथ-साथ ग्रीष्म ऋतु व लू से बचाव हेतु पूर्व तैयारियों पर भी चर्चा की गई। बैठक की शुरुआत में वाणिज्य कर विभाग द्वारा वार्षिक लक्ष्य के विरुद्ध प्राप्त राजस्व की जानकारी दी गई, जिसमें बताया गया कि विभाग ने लक्ष्य की पूर्ति की है। वहीं उत्पाद विभाग ने 505.11 लाख रुपये की वसूली कर 7.43त्न लक्ष्य प्राप्त किया। परिवहन विभाग ने 185.07 लाख रुपये के लक्ष्य का 7.14% राजस्व वसूली कर बेहतर प्रदर्शन किया। मोटर यान निरीक्षक विभाग ने 8.59 लाख की वसूली कर 3.71% लक्ष्य प्राप्त किया। नगर निकायों की बात करें तो साहिबगंज नगर परिषद मे और राजमहल नगर पंचायत ने 108.85% राजस्व वसूली की है। मापतौल विभाग ने 70.32%, मत्स्य विभाग ने 1.24% और विद्युत बोर्ड ने 860.90 लाख रुपये की वसूली कर 7.97 लक्ष्य को पार कर लिया है, जो सराहनीय रहा। बैठक के दौरान मार्च माह में भू-शेष, भू-लगान, दाखिल खारिज, परिशोधन, जीएम लैंड सम्मरू और भूमि अधियाचना से संबंधित मामलों की भी गहन समीक्षा की गई। उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राजस्व संग्रहण से जुड़ी सभी प्रक्रियाओं में पारदर्शिता और गति लाई जाए, ताकि सरकार की योजनाओं का लाभ समय पर जनता तक पहुंच सके। इसके अलावा उपायुक्त ने आपदा प्रबंधन से संबंधित तैयारियों पर भी विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में लू से बचाव के लिए अस्पतालों, विद्यालयों और सामुदायिक भवनों में आवश्यक इंतजाम सुनिश्चित किए जाएं। पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था, छायादार स्थान और प्राथमिक चिकित्सा की उपलब्धता हर क्षेत्र में होनी चाहिए। बैठक में अपर समाहर्ता गौतम भगत, अनुमंडल पदाधिकारी, राजमहल सदानंद महतो, सदर अनुमंडल पदाधिकारी अमर जॉन आईन्द, कार्यपालक दंडाधिकारी प्रमोद आनंद, परिवहन पदाधिकारी मिथलेश कुमार चौधरी, जिला कृषि पदाधिकारी प्रमोद एक्का, भू अर्जन पदाधिकारी छुटेश्वर दास, प्रखंड विकास पदाधिकारी समेत सभी अंचलाधिकारी उपस्थित रहे।

भीषण गर्मी में राहत पहुंचाने की पहल साहेबगंज डालसा द्वारा जल व ओआरएस का वितरण

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। जिले में पड़ रही भीषण गर्मी से आमजन को राहत प्रदान करने हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा), साहेबगंज द्वारा सराहनीय पहल की गई है। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज अखिल कुमार के निर्देशानुसार डालसा की टीम ने साहेबगंज रेलवे स्टेशन परिसर में रिक्शा चालक, मजदुर, वेंडरों एवं निःशक्तों के बीच मिनरल वाटर की बोतलें एवं ओआरएस घोल का वितरण किया। इस संबंध में प्राधिकार के सचिव विश्वनाथ भगत ने बताया कि व्यवहार न्यायालय परिसर के मुख्य द्वार पर प्रतिदिन प्याऊ के माध्यम से ग्लूकोज मिश्रित शीतल पेयजल की व्यवस्था की गई है। साथ ही जिले के विभिन्न पंचायतों में पारा लीगल वोलेंटियर (न्याय मित्र) द्वारा भी आम नागरिकों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने हेतु प्याऊ की व्यवस्था की गई है।प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अखिल कुमार ने प्राधिकार के सचिव को निर्देशित किया है कि गर्मी के इस मौसम में जनहित को प्राथमिकता देते हुए प्रमुख स्थलों पर पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि आम नागरिकों को राहत मिल सके।

मोटरसाइकिल में साड़ी फस जाने के कारण अनियंत्रित होकर बीच सड़क पर गिर गई

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। राजमहल प्रखंड क्षेत्र के मंगलहाट गांव में बुधवार को देर रात्रि एक 70 वर्षीय वृद्ध महिला मोटरसाइकिल से गिरकर बुरी तरह घायल हो गई।मिली जानकारी के अनुसार वृद्ध महिला आलो बेवा अपने परिजन के मोटरसाइकिल में पीछे बैठकर घर से कहीं जा रही थी। इसी दौरान मंगलहाट साहिबगंज मुख्य पथ पर मोटरसाइकिल में साड़ी फस जाने के कारण अनियंत्रित होकर बीच सड़क पर गिर गई। जिससे गंभीर रूप से वह घायल हो गई। जिसे परिजनों की मदद से इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल राजमहल लाया गया। जांच डॉक्टर के द्वारा प्राथमिकी इलाज के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।

टोटो के ब्रेक फेल होने से टोटो घर में घुसा, एक घायल

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत करमटोला बसबिटा रोड के समीप टोटो के ब्रेक फेल होने से टोटो चालक और नियंत्रित होकर घर में घुसा इसमें एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया घायल व्यक्ति को परिजनों ने इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया बताया जा रहा है कि मुफस्सिल थाना क्षेत्र निवासी मोहम्मद नियाज अहमद अपने घर के दरवाजे में बैठा हुआ था. इसी बीच एक ई रिक्शा तेज रफ्तार में आकर घर में घुस गया और टक्कर मार कर घायल कर दिया इस घटना में मोहम्मद नियाज अहमद के दाहिने कंधे पर चोट, पीठ सीने में गंभीर चोट लगी है. बरहाल घायल का इलाज सदर अस्पताल में चिकित्सक मुकेश कुमार के देखरेख में किया गया.

9 वर्षीय मासूम की पत्थर से कूचकर हत्या पुलिस ने आरोपी को दबोच, भेजा जेल

अजय कुमार कुशवाहा/ आदिवासी एक्सप्रेस

साहिबगंज जिला अंतर्गत रांगा थाना क्षेत्र के अर्जुनपुर गांव में दिल दहला देने वाली एक हत्या की घटना ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दिया। रविवार 11 मई की शाम करीब 5ः30 बजे अर्जुनपुर के ग्रामीणों से सूचना मिली कि गांव के ही एक 9 वर्षीय मासूम रसका सोरेन की पत्थर से कूचकर हत्या कर दी गई है और शव को पुल के नीचे छिपा दिया गया है। घटना की गंभीरता को देखते हुए बरहरवा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी नितिन खंडेलवाल ने रांगा थाना प्रभारी अखिलेश कुमार यादव के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया, जिसने त्वरित कार्रवाई करते हुए एफआईआर दर्ज़ होने के कुछ ही घंटों में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

घटना की पुष्टि करते हुए बरहरवा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी नितिन खंडेलवाल ने अपने कार्यालय में प्रेसवार्ता कर बताया कि,

पुलिस द्वारा शव गांव के ही एक सुनसान स्थान से बरामद किया गया। मृतक की पहचान रसका सोरेन (साकिन- अर्जुनपुर, खोखरो टोला, थाना- रांगा, जिला- साहिबगंज) के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए राजमहल भेज दिया। जिसके बाद मृतक के मां के लिखित शिकायत पर बुधवार को रांगा थाना कांड संख्या 55/2025 दर्ज कर मामले में त्वरित जांच करते हुए पुलिस ने हत्या के आरोपी अर्जुनपुर, खोखरो टोला निवासी लिलह सोरेन (उम्र 28 वर्ष) को गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है और बताया कि उसने आपसी जमीन विवाद में मासूम की हत्या कर दी। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी ने बरहरवा नितिन खंडेलवाल ने बताया की हत्या के मुख्य वजह जमीन का था जो की मृतक का खुद का ही चाचा था

घटनास्थल से पुलिस ने बतौर साक्ष्य खून लगा बड़ा पत्थर, मृतक का खून लगा चप्पल, मृतक का गमछा एवं खून लगे छोटे-छोटे पत्थर के टुकड़े बरामद किया है। आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस का कहना है कि इस घटना के पीछे और भी कोई साजिश है या नहीं, इसकी जांच जारी है।

बरहरवा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी ने कहा कि,

अपराधियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

छापामारी दल में बरहरवा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी नितिन खंडेलवाल, बरहरवा इंस्पेक्टर सुधीर कुमार पोद्दार, रांगा थाना प्रभारी अखिलेश कुमार यादव, एसआई गौरव भगत, एएसआई कामेश्वर मरांडी, एएसआई अरविंद सोरेन एवं रांगा थाना के सशस्त्र बल शामिल रहे।

कोटालपोखर में पेयजल संकट पर विधायक प्रतिनिधि का निरीक्षण

- जल्द से जल्द मरम्मत के निर्देश

आदिवासी एक्सप्रेस मोहित मंसूरी

बरहरवा। कोटालपोखर पंचायत के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में व्याप्त पेयजल संकट को गंभीरता से लेते हुए स्थानीय विधायक श्रीमती निसात आलम के निर्देश पर कांग्रेस जिला अध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि बरकत खान ने गुरुवार को क्षेत्र का निरीक्षण किया। उनके साथ पीएचईडी विभाग के जूनियर इंजीनियर उमेश मंडल भी मौजूद रहे।निरीक्षण के दौरान बरकत खान ने खराब पड़े चापाकलों और जलमीनारों की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने जूनियर इंजीनियर को सख्त निर्देश दिए कि सभी खराब चापाकलों की मरम्मती शीघ्र की जाए, ताकि आमजन को पेयजल आपूर्ति में राहत मिल सके। उन्होंने बताया कि पूर्व में पंचायत के मुखिया द्वारा निर्मित जलमीनारों की स्थिति भी दयनीय है, जिसकी मरम्मती हेतु स्थानीय मुखिया सेरोफिना मुर्मू को निर्देशित किया गया है। साथ ही यह भी जानकारी दी गई कि जलापूर्ति योजना के तहत टंकी से होने वाली सप्लाई ऑपरेटरों की लापरवाही के कारण बंद है। सभी ऑपरेटरों को दो दिनों के भीतर कार्य पर लौटने व जल आपूर्ति बहाल करने का निर्देश दिया गया है।विधायक प्रतिनिधि ने ग्रामीणों की शिकायत पर बड़ा सोनाकर पंचायत के निमजोल और सीउली डांगा गांव का भी दौरा किया, जहां चापाकल और जलमीनारें खराब स्थिति में हैं। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि मरम्मती कार्य शीघ्र पूरा किया जाए।

समीक्षात्मक बैठक में कृषि योजनाओं की प्रगति की समीक्षा, विशेष अभियान चलाने का निर्देश

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। जिला कृषि पदाधिकारी-सह-परियोजना निदेशक, आत्मा, साहेबगंज प्रमोद एक्का की अध्यक्षता में एक समीक्षात्मक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिले के विभिन्न प्रखंडों में कार्यरत प्रखंड कृषि पदाधिकारी, प्रखंड तकनीकी प्रबंधक (बीटीएम) एवं सहायक तकनीकी प्रबंधक (एटीएम) ने भाग लिया। बैठक में जिला कृषि पदाधिकारी द्वारा कृषि से संबंधित विभिन्न योजनाओं जैसे बीज विनिमय एवं वितरण योजना, बिरसा फसल विस्तार योजना, झारखण्ड राज्य मिलेट मिशन योजना, किसानों का ब्लॉकचेन में निबंधन, केसीसी, मिट्टी नमूना संग्रह, आरकेवीवाई-पीडीएमसी योजना, झारखण्ड कृषि ऋण माफी योजना आदि की प्रगति की समीक्षा की गई। उन्होंने निर्देश दिया कि दिनांक 19 मई 2025 से 30 मई 2025 तक विशेष अभियान चलाकर सभी प्रखंडों में लक्ष्य अनुरूप मिट्टी नमूना संग्रह का कार्य सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, ब्लॉकचेन में छूटे हुए किसानों के निबंधन का कार्य प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण किया जाए, जिसमें विशेष रूप से पीवीटीजी समुदाय को आच्छादित करने का निर्देश दिया गया। बीज वितरण हेतु आवश्यक तैयारी पूर्ण करने का भी निर्देश दिया गया। बिरसा फसल विस्तार योजना अंतर्गत संकुल चयन में एसटी/पीवीटीजी समुदाय को प्रमुखता देने का निर्देश दिया गया। आत्मा योजना के तहत राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन, किसान समृद्धि योजना आदि की विस्तृत जानकारी दी गई तथा लाभुकों के चयन की प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। सेम योजना के अंतर्गत ब्लॉक एक्शन प्लान बनाने की विस्तृत जानकारी दी गई तथा सभी प्रखंडों को निर्देश दिया गया कि 02 दिनों के भीतर एक्शन प्लान बनाकर समर्पित करें। जिला कृषि पदाधिकारी ने निर्देश दिया कि सभी तकनीकी कर्मी यह सुनिश्चित करें कि उनके क्षेत्र के किसानों को कृषि विभाग एवं आत्मा द्वारा संचालित सभी योजनाओं का लाभ समयबद्ध रूप से प्राप्त हो, जिससे वे कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों से जुड़कर समृद्ध बन सकें। इस अवसर पर किसान समृद्धि योजना के तहत साहेबगंज प्रखंड के 10 कृषकों एवं मंडरो प्रखंड के 2 कृषकों सहित कुल 12 कृषकों के बीच सोलर पम्प सेट का वितरण जिला कृषि पदाधिकारी की उपस्थिति में किया गया। इस योजना के अंतर्गत कृषकों को 90त्न अनुदान पर 2 एचपी चलंत सोलर पम्प सेट उपलब्ध कराया गया। कृषक अंशदान के रूप में एसी पम्प सेट हेतु 18075 रुपए एवं डीसी पम्प सेट हेतु 18175 रुपए निर्धारित है। बैठक में मुख्य रूप से जिला कृषि अभियंता राम प्रकाश कुमार, जिला योजना एवं मूल्यांकन पदाधिकारी अरुण कुमार भोगता, उप परियोजना निदेशक आत्मा मंटू कुमार एवं संबंधित प्रखंडों के प्रखंड कृषि पदाधिकारी, बीटीएम एवं एटीएम उपस्थित थे।

गुरुवार की सुबह गांधी चौक से भव्य तिरंगा यात्रा भाजपा नगर अध्यक्ष संजय पटेल के नेतृत्व में निकाला गया

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले के बाद भारत सरकार की ओर से चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को लेकर जिला भाजपा कमिटी की ओर से गुरुवार की सुबह गांधी चौक से भव्य तिरंगा यात्रा भाजपा नगर अध्यक्ष संजय पटेल के नेतृत्व में निकाला गया। जहां इस तिरंगा यात्रा में पूर्व भाजपा विधायक अनंत ओझा शामिल रहे। उधर इस तिरंगा यात्रा में भाजपा कार्यकर्ताओं, एनसीसी कैडेट्स, भूतपूर्व सैनिक संघ समेत अन्य संगठनों से जुड़े हुए लोगों ने 100 मीटर तिरंगा लेकर भारत माता की जय, वंदे मातरम सहित भारतीय जवानों का जयकारा लगाया गया। जहां यह तिरंगा यात्रा मुख्य मार्गो का भ्रमण करते हुए शहीद भगत सिंह चौक पूर्वी फाटक के समीप जाकर समाप्त हुआ। वही इसको लेकर पूर्व भाजपा विधायक अनंत कुमार ओझा ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय सेना के जवानों ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत हिंदुस्तानी सेना ने पाकिस्तान में घुसकर पाकिस्तानी आतंकवादियों के अड्डे को जमीदोज कर दिया। वही पाकिस्तानी आतंकी का साथ देने वाले को भी भारतीय सेना ने मुंह तोड़ जवाब दिया है जिसमें हजारों ड्रोन, दर्जनों लड़ाकू विमान, मिसाइल, हवाई रक्षा प्रणाली सहित अन्य जमीदोज किया है। वहीं भारतीय सेना के तीनों जल सेना, थल सेना व वायु सेना के जवानों ने जिस प्रकार से ऑपरेशन सिंदूर के तहत शौर्य और पराक्रम का परिचय देते हुए इस मिशन को सफलतापूर्वक संपन्न किया है यह पूरे भारतीयों के लिए गर्व की बात है।

संक्षिप्त समाचार

सीबीएससी दसवीं बोर्ड की परीक्षा में डिस्कवरी पब्लिक स्कूल मिर्जागंज के छात्रों का बेहतर प्रदर्शन

जमुआ, प्रतिनिधि। मिर्जागंज में सीबीएससी दसवीं बोर्ड की परीक्षा में डिस्कवरी पब्लिक स्कूल मिर्जागंज के छात्रों का बेहतर प्रदर्शन किया। लगातार आठ वर्षों से डिस्कवरी पब्लिक स्कूल मिर्जागंज में शत प्रतिशत परिणाम रहा है। जिसमें सुजल गुप्ता 94 प्रतिशत, मुस्कान कुमारी 93 प्रतिशत, प्रियांशु कुमार 88.8 प्रतिशत, सक्षम कुमार 85 प्रतिशत, ऊर्जा कुमारी 84 प्रतिशत, कावेरी कुमारी 84 प्रतिशत, हर्ष कुमार 82 प्रतिशत, सचिन राम 80
प्रतिशत रहा। वही छात्र-छात्रों की सफलता पर विद्यालय के चेयरमेन नवीन प्रसाद साव, प्राचार्य देवाशीष कर, निदेशक राकेश कुमार साव ने बच्चों की उज्जवल भविष्य की कामना की हैं।

कॉरपोरेट गुलामी के खिलाफ मज़दूरों का हुंकार! गिरिडीह में राष्ट्रव्यापी हड़ताल को लेकर मजदूरों का ऐलान

गिरिडीह, प्रतिनिधि। गिरिडीह में 20 मई को देशव्यापी हड़ताल का असर साफ दिखेगा, जहां मज़दूरों ने मोदी सरकार की मज़दूर विरोधी नीतियों के खिलाफ चक्का जाम और मशाल जुलूस का ऐलान किया है। भाकपा माले और असंगठित मज़दूर मोर्चा की अगुवाई में मुफ्फसिल क्षेत्र सहित जिले के सभी प्रखंडों में विरोध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मजदूर नेता राजेश सिन्हा और कन्हाई पांडेय ने कहा कि सार्वजनिक संपत्तियों का अडाणीकरण, लेबर कोड के नाम पर गुलामी थोपी जा रही है, जिससे छंटनी, ठेका मजदूरी और बेरोज़गारी चरम पर है। किसानों की जमीन छीनने की साजिश और शिक्षा के निजीकरण के खिलाफ भी ये आंदोलन एकजुट है। महुआ टॉड में हुई बैठक में दर्जनों ग्रामीण मजदूरों ने भाग लिया और आंदोलन को सफल बनाने का संकल्प लिया।

गिरिडीह में जिला स्तरीय कैरम प्रतियोगिताः मुख्यमंत्री बालिका उत्कृष्ट विद्यालय की निशा और आनंदित ने मारी बाज़ी

गिरिडीह, प्रतिनिधि। झारखंड शिक्षा परियोजना के अंतर्गत समग्र शिक्षा अभियान गिरिडीह द्वारा सर जेसी बोस मुख्यमंत्री बालिका उत्कृष्ट विद्यालय परिसर में आयोजित जिला स्तरीय कैरम बोर्ड प्रतियोगिता में ज़बरदस्त उत्साह देखने को मिला। सभी प्रखंडों से चयनित खेल शिक्षकों की देखरेख में प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसमें अंडर-19 वर्ग की युगल स्पर्धा में विद्यालय की ही छात्राएं- कक्षा 12वीं की निशा कुमारी और आनंदित आर्य-ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जिला स्तर का खिताब अपने नाम किया। इनकी जीत ने विद्यालय का गौरव बढ़ाया। कार्यक्रम के अंत में जिला शिक्षा अधीक्षक ने विजेता जोड़ी को मोमेंटो और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। यह आयोजन न सिर्फ खेल प्रतिभाओं को निखारने का माध्यम बना, बल्कि छात्राओं की मेहनत और आत्मविश्वास की भी मिसाल पेश की।

भारतीय जनता पार्टी का शिष्टमंडल पपरवाटांड़ स्थित डीसी ऑफिस पहुंचा और उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक से मुलाकात किया

गिरिडीह,प्रतिनिधि। गिरिडीह जिले में भारतीय जनता पार्टी का शिष्टमंडल गुरुवार को दोपहर पपरवाटांड़ स्थित डीसी ऑफिस पहुंचा और उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर पिछले वर्ष पार्टी कार्यकर्ताओं पर दर्ज बिना साक्ष्य के मुकदमों को रद्द करने की मांग की। जिला अध्यक्ष महादेव दुबे की अगुवाई में पहुंचे प्रतिनिधिमंडल ने ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि 21 दिसंबर 2024 को बनियाडीह चिलगा गांव में दामोदर यादव की चाकूबाजी में मौत के बाद जन आक्रोश के दौरान भाजपा और विहिप के कई नेताओं को झूठे आरोपों में माहौल बिगाड़ने के तहत आरोपी बना दिया गया। महादेव दुबे ने इसे तुष्टीकरण की राजनीति का नतीजा बताया और स्पष्ट कहा कि यदि निर्दोषों पर दर्ज मुकदमे वापस नहीं लिए गए तो पार्टी संवैधानिक तरीके से चरणबद्ध आंदोलन शुरू करेगी। इस मौके पर दिनेश यादव, कामेश्वर पासवान, विनय सिंह, चुन्नूकांत, नवीन सिन्हा और महिला जिला अध्यक्ष उषा देवी समेत कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जमुआः मदनूटांड़ में ग्राम देवी प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान के लिए निकली कलश यात्रा

351 कन्याओं और महिलाओं ने उठाए कलश, निकली झांकी, लगे जयकारे

गिरिडीह, प्रतिनिधि। जिले के जमुआ प्रखंड के मदनूटांड़ (दुम्मा) में आयोजित आठ दिवसीय श्रीश्री 108 ग्राम देवी प्राण प्रतिष्ठा सह श्रीमद्धदेवी भागवत नवाह महायज्ञ को लेकर बुधवार को भव्य कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा में 351 कन्याओं और महिलाएं शामिल हुई। इस दौरान झांकी भी निकाली ती गई। यज्ञाचार्य मदन मोहन पांडेय द्वारा पूजा के बाद बतौर मुख्य अतिथि निप अध्यक्ष मुनिया देवी ने कलश यात्रियों को रवाना किया। कलश यात्रा यज्ञ स्थल से पूरे गांव के भ्रमण के बाद पतैया नदी पहुंची। यहां पर वैदिक मंत्रोच्चारण के बाद कलश में जल भरा गया। इसके पश्चात कलश यात्रा माथे पर कलश लेकर यज्ञ स्थल पहुंचे और कलश स्थापित किया। इस दौरान श्रद्धालु धर्म की जय हो, अधर्म का नाश हो, प्राणियों में सद्धावना जगे, विश्व का कल्याण हो, जय श्री राम, जय माता दी, जय गणेश सहित कई जयकारे लगा रहे थे। यज्ञ समिति के अध्यक्ष राम कृष्ण मुरारी ने बताया कि यक्ष को लेकर 14-20 मई तक संध्या को संगीतमय प्रवचन कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। वहीं 14-21मई तक पूजन कार्यक्रम होगा जबकि 18 मई को संध्या भगवती का निमंत्रण होगा। 14 मई को भगवती की प्राण प्रतिष्ठा तथा शोभायात्रा निकाली जाएगी। 21 मई को पूजन हवन के साथ यज्ञ की पूर्णाहुति की जाएगी। उन्होंने बताया कि यज्ञ के दौरान संध्या आठ बजे से प्रतिदिन आचार्य मदन मोहन पांडेय तथा महिला कथावचिका चांदनी कुमारी द्वारा संगीतमयी कथा प्रवचन का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर समाजसेवी डॉ अनिल कुमार, डॉ नेमचंदू महतो, सीताराम वर्मा राजू रविदास, राजू वर्मा, कन्हैया लाल, दुलारचंद, जितेंदर, सुनील कुमार, कोलेश्वर, अरुण, रंजीत, बासुदेव, नागेश्वर सहित काफी संख्या में श्रद्धालु शामिल थे। यज्ञ को सफल बनाने में यज्ञ समिति के अध्यक्ष रामकृष्ण मुरारी, सचिव प्रभात प्रभाकर कोषाध्यक्ष जयनारायण महतो, उप कोषाध्यक्ष प्रकाश प्रसाद वर्मा, मुख्य यजमान ठाकुर महतो और उसकी पत्नी गायत्री देवी सहित सभी ग्रामीण जुटे हुए हैं।

गुनियाथर पुलिस ने ट्रैक्टर चालक को बेरहमी से पीटा, रांची रेफर

- गुनियाथर ओपी प्रभारी के खिलाफ ग्रामीणों का प्रदर्शन
- एसडीपीओ जांच के लिए पहुंचे गुनियाथर

गिरिडीह, प्रतिनिधि। गिरिडीह जिला अंतर्गत देवरी प्रखण्ड के भेलवाघाटी थाना के गुनियाथर पंचायत के ग्राम धरपहरी निवासी कलीम अंसारी (22 वर्ष) को गुनियाथर ओपी प्रभारी श्रीकान्त कुमार शाह ने कलीम अंसारी को सोमवार को काफी मारपीट किया जो गंभीर रूप से घायल हो गया। अभी वो रांची में एडमिट है। वो ट्रैक्टर से गिट्टी लेकर जा रहा था। कलीम गरीब परिवार से है उसका मां बाप भी नहीं है। वह ट्रैक्टर चला कर अपने बाल बच्चा का भरण पोषण करता है। पुलिस के इस कार्रवाई से देवरी क्षेत्र के ग्रामीणों में काफी गुस्सा है। मंगलवार को पुलिस के खिलाफ लोगों ने सडक पर उतरकर गुनियाथर प्रभारी को बर्खास्त करने की मांग किया। मौके पर एसडीपीओ खोरीमहुआ राजेंद्र प्रसाद ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि दोषी पुलिस पदाधिकारी पर तीन दिनों के अंदर उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी। और कलीम अंसारी के इलाज में जो खर्च होगा उसका वहन अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी द्वारा किया जाएगा। वहीं जमुआ विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक और झामुमो नेता केदार हाजरा ने कहा कि घायल कलीम अंसारी का फिलहाल इलाज चल रहा है। मौके पर गुनियाथार पंचायत के मुखिया सेबुना खातुन, पूर्व मुखिया योगेश्वर यादव, जेएमएम के प्रखंड अध्यक्ष मुजाहिद अंसारी, राजद नेता जाकिर अंसारी, माले के प्रखंड सचिव मुस्तकीम अंसारी, झामुमो के युवा नेता कासिम अंसारी, नवल राय, सुनील मुर्मू, अजय चौधरी, इस्माइल अहमद, निजाम अंसारी, रामकिशन हजरा, जिला परिषद सदस्य विमल सिंह, जमुआ के प्रखंड सचिव रोजन अंसारी, जेएमएम के प्रखंड सचिव रघु मरांडी, इंडिया गठबंधन के तमाम नेता कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इफको द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र गिरिडीह में एक दिवसीय बिक्री केंद्र प्रभारी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

गिरिडीह, प्रतिनिधि। विश्व की सबसे बड़ी सहकारी संस्था, इफको द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र, गिरिडीह में एक दिवसीय बिक्री केंद्र प्रभारी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में इफको के क्षेत्र अधिकारी, राज्य विपणन प्रबंधक, क्षेत्र सहायक, जिला कृषि पदाधिकारी, जिला कृषि अभियंत्रण पदाधिकारी सहित करीब 50 उर्वरक विक्रेताओं ने भाग लियाद्य कार्यक्रम में उर्वरक विक्रेताओं को मुख्यतः खरीफ के फसलों में पोषक तत्त्वों के प्रबंधन के बारे में प्रशिक्षण दिया गया। क्षेत्र अधिकारी, देव कुमार ने फसलों में द्वितीयक एवं सूक्ष्म पोषक तत्त्वों के महत्व पर चर्चा की। धान में लगने वाले खैरा बिमारी पर विशेष जोर देते हुए उन्होंने धान में जिंक उर्वरक का विशेष रूप से प्रयोग करवाने की बात कहीद्य राज्य विपणन प्रबंधक डॉ समदर्शि ने विस्तार से नैनो उर्वरकों के उपयोग विधि को समझाते हुए उससे मिलने वाले फायदों के बारे में चर्चा की। उन्होने बताया कि किस तरह नैनो उर्वरक के प्रयोग से किसान अपने लागत को कम करते हुए फसलों के उपज एवं गुणवत्ता में वृद्धि कर सकते हैं। नैनो उर्वरक के प्रयोग से उर्वरक में लग रहे भारत सरकार के अनुदान के बोझ को भी कम किया जा सकता है साथ ही साथ विदेशों पर उर्वरक के निर्भरता को भी कम किया जा सकता है। जिला कृषि पदाधिकारी ने उर्वरक विक्रेताओं को मिट्टी जाँच हेतु किसानों को प्रोत्साहित करने की बात कही एवं जैविक खादों के फायदों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में उर्वरक विक्रेताओं को खास सलाह दिया गया कि इस खरीफ के फसलों में नैनो डीएपी से बीज़ शोधन का एक मुहिम चलायें और किसानों को इसके फायदों के बारे में जागरुक करें। कार्यक्रम को सफल बनाने में संजय सिन्हा, नीतेश कुमार एवं इफको के क्षेत्र सहायक नवीन कुमार की अहम भूमिका रही।

केंद्रीय पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन तथा विदेश राज्य मंत्री भारत सरकार कीर्ति वर्धन सिंह पहुंचे मां भद्रकाली के दरबार

आदिवासी एक्सप्रेस / संतोष कुमार दास

इटखोरी (चतरा)। गुरुवार को केंद्रीय पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन तथा विदेश राज्य मंत्री भारत सरकार इटखोरी अवस्थित ऐतिहासिक मां भद्रकाली मंदिर पहुंचे। मंदिर पहुंचने पर मंदिर प्रबंधन समिति एवं भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं के द्वारा कीर्तिवर्धन सिंह का भव्य स्वागत किया गया। मंदिर पहुंचकर केंद्रीय पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन तथा विदेश राज्य मंत्री भारत सरकार ने मां भद्रकाली की पूजा अर्चना कर देशवासियों के सुख समृद्धि की कामना की। मां भद्रकाली की पूजा अर्चना के उपरांत मंदिर परिसर अवस्थित समस्त देवालयों का दर्शन किया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री को मंदिर प्रबंधन समिति के द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। मौके पर चतरा सांसद काली चरण सिंह, चतरा विधायक जनार्दन पासवान, सिमरिया विधायक उज्जवल कुमार दास, बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी, उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिंहा, अपर सम्हर्ता अरविंद कुमार, जिला परिषद उपाध्यक्ष ब्रजकिशोर तिवारी, डॉ. मृत्युंजय सिंह समेत कई अधिकारी और गणमान्य उपस्थित थे।

श्री मति अनारकली +2उच्च विद्यालय के प्रबंधन अध्यक्ष बनें सैफुल्ला अंसारी उपाध्यक्ष बनीं निशा झा

- 15 विद्यालयों का विद्यालय प्रबंधन समिति का हुआ चयन, शिक्षा प्रसार पदाधिकारी रहें मौजूद

पालोजोरी- गुरुवार को पालोजोरी प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत 15 विद्यालयों के प्रबंधन समिति का हुआ पुनर्गठन। बताया जाता है कि विगत पिछले पुनर्गठन के ही कार्यकाल को लेकर विद्यालय प्रबंधन समिति की छोटी बड़ी कार्यों को लेकर काफ़ी समस्या देखने को मिल रही थी। पुर्नगठन को लेकर प्रखंड शिक्षा समिति पालोजोरी की ओर से पर्यवेक्षक का प्रतिनियुक्ति की गई। वहीं एमएस आदर्श विद्यालय पालोजोरी में विद्यालय प्रबंधन समिति पुर्नगठन में अध्यक्ष के लिये बीरू कापरी का चयन सर्वसम्मति से किया गया। जबकि श्रीमती अनारकली हाई स्कूल पालोजोरी में विद्यालय प्रबंधन समिति का चुनाव हुआ, जिसमें सैफुल्लाह अंसारी को अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के पद पर निशा झा को सर्व समिति से चुना गया। वहीं। अजनारी, कडरासाल, चलबली, फारासिमाल, पालोजोरी, दसियोडीह, टोरोजोरिया,बैठीडंगाल सहित अन्य गांवों के स्कूलों में विद्यालय प्रबंधन समिति का पुर्नगठन किया गया। वहीं इस मौके पर मुबारक अंसारी, विवेक कुमार यादव, अब्दुल रहीम समेत कई लोग उपस्थित रहे।

मोहनपुर के जमुनिया विद्यालय में मध्याह्न भोजन से 20-25 बच्चे बीमार, भाजपा नेताओं ने की सख्त कार्रवाई की मांग

देवघर, मोहनपुर प्रखंड के राजकीयकृत उत्क्रमित उच्च विद्यालय, जमुनिया में मध्याह्न भोजन खाने के बाद 20 से 25 बच्चों की तबीयत खराब होने की घटना ने स्थानीय स्तर पर हड़कंप मचा दिया है। ग्रामीणों से मिली जानकारी के आधार पर भाजपा नेताओं अमन कुमार और शिवम कुमार ने इस मामले को गंभीर बताते हुए तत्काल कार्रवाई की मांग की है। नेताओं ने बताया कि रसोइया की लापरवाही के कारण भोजन की गुणवत्ता प्रभावित हुई, जिससे बच्चों को उल्टी, पेट दर्द और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ा। प्रभावित बच्चों को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।
अमन कुमार और शिवम कुमार ने कहा कि इस घटना में रसोइया के साथ-साथ संबंधित शिक्षकों और विद्यालय अध्यक्ष की निगरानी में हुई चूक की भी जांच होनी चाहिए। उन्होंने मांग की कि दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए ताकि भविष्य में किसी अन्य स्कूल में ऐसी लापरवाही न दोहराई जाए। नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि उचित कार्रवाई नहीं हुई तो उनकी टीम इस मुद्दे पर जोरदार विरोध प्रदर्शन करेगी। जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग से इस मामले की गहन जांच और त्वरित कार्रवाई की अपेक्षा की जा रही है।

गिरिडीह में 26 मई को निकलेगी संविधान बचाओ रैली, कांग्रेस की तैयारियों को मिली गति

गिरिडीह, प्रतिनिधि। गिरिडीह के बक्सीडीह रोड स्थित कांग्रेस कार्यालय में गुरुवार दोपहर जिला कांग्रेस की अहम बैठक हुई, जिसमें संविधान बचाओ रैली को लेकर रणनीति तय की गई। जिला अध्यक्ष धनंजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में सर्वसम्मति से तय किया गया कि रैली अब 26 मई को निकाली जाएगी। प्रदेश प्रभारी के. राजू, अध्यक्ष केशव महतो कमलेश और पार्टी के चारों मंत्री को रैली में शामिल होने का न्योता दिया जाएगा। पूर्व सांसद तिलकधारी सिंह के निधन और भारत-पाक युद्ध के कारण पहले टली यह रैली अब पूरे जोर-शोर से आयोजित होगी। बैठक में जिले भर के कांग्रेस पदाधिकारी, प्रखंड अध्यक्ष और कार्यकर्ता शामिल हुए।

छतरपुर पुलिस ने चलाया जागरूकता अभियान, छात्र-छात्राओं को दी कानून की जानकारी

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता

छतरपुर, पलामू। पलामू एसपी रीष्मा रमेशन के निर्देश पर छतरपुर पुलिस ने गुरुवार दोपहर 12 बजे जागरूकता अभियान चलाया। इसके तहत स्कूली बच्चों को पुलिस व थाने से जुड़ी कई जानकारियां दी गयी। इसके अलावा डायल 112 के बारे में भी विस्तृत रूप से बताया गया। कानून की बारीकियां भी समझाया गया। पुलिस अवर निरीक्षक राहुल कुमार ने कहा कि किसी भी विकट परिस्थिति में 112 पर डायल कर अपनी समस्याओं की जानकारी नजदीकी पुलिस को दें। पुलिस आपको समस्याओं से निजात दिलायेगी। पुलिस आपकी हर संभव मदद करेगी। साथ ही बच्चों को पुलिस के कार्यप्रणाली के संबंध में कई जानकारी देकर उन्हें कानूनी रूप से जागरूक करने का प्रयास किया। उन्होंने बच्चों को प्राथमिकी कैसे करायी जाती है, उनसे कैसा व्यवहार किया जाना चाहिए सहित कई अन्य रोचक जानकारी भी दी। महिला अपराध से बचने के लिए भी उन्होंने कई टिप्स दिया। अंधविश्वास व यातायात से भी जुड़ी जानकारियां को साझा किया। मौके पर छतरपुर पुलिस अवर निरीक्षक सुनील उरांव,ह्वद्व अशोक टोप्पो, सुशील उरांव मुंशी मुकेश कुमार,कवउल बास के प्रधानाध्यापिका मधुबाला,दीपक कुमार सहित कई लोग मौजूद थे।

चंद्रगुप्त कोल परियोजना की अफवाहें बेबुनियाद, अब तक किसी को नहीं मिला मुआवजाः सीसीएल

रांची। हाल ही में कुछ समाचार पत्रों में यह दावा किया गया था कि हजारीबाग जिले के केरेडारी अंचल में स्थित चंद्रगुप्त कोल परियोजना से जुड़ी 417 एकड़ वन भूमि के दस्तावेज़ गायब कर दिए गए हैं और इस मामले में अरबों रुपये का घोटाला हुआ है. साथ ही, यह भी कहा गया कि सीसीएल (सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड) को यह भूमि बिना उचित जांच के आवंटित कर दी गई और इसके बदले 25 लाख रुपये प्रति एकड़ की दर से मुआवजा बांटा गया. इन खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए सीसीएल ने स्पष्ट किया है कि ये सभी आरोप पूरी तरह से निराधार हैं.
सीसीएल द्वारा जारी बयान के अनुसार, केंद्र सरकार के कोयला मंत्रालय ने इस परियोजना के लिए कुल 1495 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहित की है, जिसमें से 699.38 हेक्टेयर वन भूमि है. यह भूमि राज्य सरकार की सिफारिश और केंद्र के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की मंजूरी के बाद ही उपयोग में लाई गई है. जिस 417 एकड़ भूमि का उल्लेख मीडिया रिपोर्ट्स में किया गया है, वह इस स्वीकृत वन भूमि का हिस्सा नहीं है.
सीसीएल ने यह भी स्पष्ट किया कि इस 417 एकड़ भूमि के लिए अब तक किसी भी किसान या राज्य सरकार को कोई मुआवज़ा नहीं दिया गया है, क्योंकि भूमि का सत्यापन कार्य अभी पूर्ण नहीं हुआ है. जब तक जांच और दस्तावेज़ी प्रक्रिया पूरी नहीं हो जाती, तब तक किसी प्रकार का मुआवज़ा या लाभ नहीं दिया जाएगा.
परियोजना में एमडीओ (माइन डेवलपर एंड ऑपरेटर) के रूप में ÷सुशी इंफ्रा एंड माइनिंग लिमिटेड÷ को चयनित किया गया है. सीसीएल ने यह भी स्पष्ट किया कि इस नियुक्ति से पहले पर्यावरण मंजूरी (श्चष्ट) और वन मंजूरी (स्नष्ट) की आवश्यकता नहीं होती.सीसीएल के अनुसार, परियोजना से संबंधित सभी आवश्यक दस्तावेज़ और जानकारी राज्य सरकार के पोर्टल पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है.

संक्षिप्त समाचार

असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य के निर्देश के तहत 15 अगस्त से होंगे 10 नए सह-जिले लागू , सरकार ने जारी की अधिसूचना

पंकज नाथ,
आदिवासी एक्सप्रेस, असम
असम में प्रशासनिक दक्षता और सार्वजनिक सेवा वितरण को बढ़ाने के उद्देश्य से राज्य सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग ने 15 अगस्त, 2025 से 10 नए सह-जिले चालू हो जाने की घोषणा की है। यह घोषणा असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य के के निर्देश के तहत जारी एक सरकारी अधिसूचना (सं. 375037/496) के माध्यम से की गई है। अबतक पूरे राज्य में कार्यरत हो रहे 39 सह-जिलों के अलावा यह 10 नये सह जिले आगामी अगस्त महीने से कार्यरत होंगे। आधिकारिक बयान में कहा गया है, ÷सार्वजनिक सेवा के हित में यह घोषणा की गई है कि असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य के निर्देशानुसार, अधिसूचना संख्या 458512/76, दिनांक 28/9/2024 के माध्यम से पहले से कार्यरत 39 सह-जिलों के अलावा 15 अगस्त से 10 और सह-जिले चालू हो जाएँगे।÷सह-जिलों की प्रणाली पिछले वर्ष एक रणनीतिक प्रशासनिक सुधार के रूप में शुरू की गई थी। असम के विशाल और विविध क्षेत्रों में शासन का विकेंद्रीकरण और विभागों के बीच समन्वय में सुधार करना ही सह-जिला बनाने का सरकार का उद्देश्य था ।

दिल्ली में ऑटोरिक्शा की मनमानी पर राष्ट्र प्रसिद्ध समाज सेवी विजय शंकर चतुर्वेदी ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से की सख्त कार्रवाई की मांग

● **मीटर-मुक्त यात्राः क्या दिल्ली में नियम अब सिर्फ कागज़ों में रह गए हैं?**

नई दिल्ली, (आरएनएस)। राजधानी की सड़कों पर चल रहे ऑटोरिक्शा चालकों द्वारा किराए में मनमानी और मीटर के उपयोग से परहेज़ की समस्या को लेकर समाज सेवी विजय शंकर चतुर्वेदी ने दिल्ली की माननीय मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को पत्र लिखकर कड़ा संज्ञान लेने की अपील की है। पत्र के माध्यम से उन्होंने इस मुद्दे को गंभीर सार्वजनिक असुविधा बताते हुए कहा कि लगभग 90% ऑटोरिक्शा चालक मीटर का प्रयोग नहीं करते, जिससे यात्रियों को न केवल अनावश्यक आर्थिक भार उठाना पड़ता है, बल्कि असहमति जताने पर अक्सर उन्हें दुर्व्यवहार का सामना भी करना पड़ता है। यह स्थिति न केवल राजधानी दिल्ली की छवि को धूमिल करती है, बल्कि यह हमारे परिवहन प्रणाली और कानून के पालन पर भी सवाल उठाती है। यह आम नागरिकों के लिए रोजमर्रा की यातायात व्यवस्था को संकट में डाल रही है। बिना मीटर चल रहे ऑटोरिक्शा के खिलाफ सघन निरीक्षण अभियान चलाया जाए।
दोषी चालकों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। दिल्ली परिवहन विभाग द्वारा मीटर प्रणाली की प्रभावी निगरानी और शिकायत निवारण तंत्र को सशक्त बनाया जाए। यात्रियों को डिजिटल रसीद, ऐप-बेस्ड शिकायत विकल्प, और हेल्पलाइन सेवा उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने मुख्यमंत्री से अपील की है कि वह परिवहन विभाग को निर्देशित करें कि वह बिना मीटर के ऑटोरिक्शा चलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें, दंडात्मक उपाय अपनाएं और मीटर के अनुसार तय किराए की व्यवस्था को प्रभावी रूप से लागू करें। इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए विजय शंकर चतुर्वेदी ने कहा कि यदि प्रशासन द्वारा शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई, तो यह विषय नागरिक आंदोलनों और जनहित याचिकाओं का रूप ले सकता है। संपादक विजय शंकर चतुर्वेदी ने दिल्ली सरकार से उम्मीद जताई कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता इस शिकायत को गम्भीरता से लेंगी और आम जनता को राहत दिलाने हेतु तत्काल प्रभावी कदम उठाएंगी।

झारखंड एकेडमिक काउंसिल में तीन नए सदस्यों की नियुक्ति

संवाददाता द्वारा
रांची। झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) में तीन नए सदस्यों को नामित किया गया है. जैक ने इससे संबंधित अधिसूचना जारी कर दी है. अधिसूचना के अनुसार, विधायक मथुरा महतो, विधायक नागेंद्र महतो और आलोक सोरेन को जैक के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है. तीन नए सदस्यों की नियुक्ति से झारखंड एकेडमिक काउंसिल को नई दिशा और गति मिलने की उम्मीद है.

आतंकियों ने धर्म पूछ मारा, हमने कर्म देखकर किया उनका सफाया ..., राजनाथ सिंह का पाकिस्तान पर निशाना

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को कहा कि निर्दोष लोगों को मारना आतंकवादियों का कर्म है, जबकि उनका सफाया करना भारत का भारतीय धर्म है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सशस्त्र बलों ने आतंकवादियों को उनके कर्म को देखकर मारा, क्योंकि उन्होंने निर्दोष लोगों को उनके धर्म को देखकर मारा और यही पाकिस्तान का कर्म था। श्रीनगर के बादामी बाग कैंट में सभा को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि आतंकवादियों ने पहलगाम में निर्दोष लोगों को उनका 'धर्म' पूछकर मारा। उसके बाद आपने जो जवाब दिया, उसे पूरी दुनिया ने देखा। हमने आतंकवादियों को उनके 'कर्म' देखकर मारा। उन्होंने निर्दोष लोगों को उनके 'धर्म' को देखकर मारा, यह पाकिस्तान का 'कर्म' था। हमने उनके 'कर्म' को देखकर उनका सफाया किया, यह हमारा 'भारतीय धर्म' है।
रक्षा मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि वह एक डाकिया हैं जो पूरी दुनिया का संदेश जम्मू-कश्मीर के लोगों तक लेकर आए हैं। राजनाथ सिंह ने कहा कि वह एक संदेशवाहक हैं और वह पूरे देश की शुभकामनाओं, प्रार्थनाओं और आभार के साथ आए हैं। रक्षा मंत्री पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार जम्मू-कश्मीर आए हैं। उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए कहा, ÷रक्षा मंत्री होने के अलावा, मैं एक संदेशवाहक के रूप में भी यहां आया हूं। मैं पूरे देश की शुभकामनाओं, प्रार्थनाओं और आभार के साथ यहां आया हूं। एक तरह से, मैं आपके पास एक डाकिया के रूप में आया हूं और आपके लिए पूरी दुनिया का संदेश लेकर आया हूं - कि हमें अपने सशस्त्र बलों पर गर्व है।
रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत के बारे में पूरी दुनिया यह बात जानती है, कि हमने हमेशा शांति को प्राथमिकता दी है। हम आमतौर पर युद्ध के समर्थक कभी नहीं रहे। लेकिन स्थितियाँ जब इतनी विकट हो जाएँ, जब देश की संप्रभुता पर आक्रमण हो, तो जवाब देना आवश्यक हो जाता है। उन्होंने कहा कि पूरे देश में हमारी सेनाओं को, और हमारे सैनिकों को, एक सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है। एक सशक्त राष्ट्र वही होता है, जो अपनी सेनाओं को सम्मान के साथ-साथ आधुनिक हथियार और साजो-सामान भी दे, जिसकी उसे ज़रूरत है। मुझे गर्व है कि आज सरकार, हमारी सेनाओं के लिए यह सब कर रही है। इसके अलावा सीमावर्ती इलाकों में, हमने जो काम किया है, वो आप सब देख रहे होंगे। आज सृष्ट और LoC पर जो connectivity है, वैसी पहले कभी नहीं थी।

महाप्रबंधक द्वारा रेलवे सुरक्षा बल को बोलेरो , कैमरा एवं माबाईल फोन किया गया वितरित

संवाददाता द्वारा
हाजीपुर- महाप्रबंधक श्री छत्रसाल सिंह द्वारा रेलवे सुरक्षा बल के Anti Human Trafficking Unit को बेहतर प्रदर्शन हेतु 08 बोलेरो गाड़ी, 22 कैमरा एवं 44 मोबाईल फ़ोन प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त श्री अमरेश कुमार तथा मुख्य सुरक्षा आयुक्त के उपस्थिति में मंडलो को वितरित किया गया ।
विदित हो कि मानव तस्करी के विरुद्ध किये गए कार्यो को देखते हुए गृह मंत्रालय द्वारा रेलवे सुरक्षा बल की गठित मानव तस्करी के विरुद्ध इकाई (Anti Human Trafficking Unit-AHTU) के बेहतर प्रदर्शन के लिए फंड प्रदान किया गया था । इस फंड का उपयोग करते हुए 08 बोलेरो गाड़ी, 22 कैमरा एवं 44 मोबाईल फ़ोन का क्रय किया गया था ।
इन 08 बोलेरो में से दानापुर, धनबाद, सोनपुर तथा डीडीयू को 01-01 तथा समस्तीपुर एवं मुख्यालय को 02-02 गाड़ी तथा 22 कैमरों में से दानापुर को 02, धनबाद को 06, सोनपुर को 04, डीडीयू को 04 एवं समस्तीपुर को 06 कैमरों का वितरण किया गया । इसी प्रकार 44 मोबाईल फ़ोन में से दानापुर को 04, धनबाद को 11, सोनपुर को 08, डीडीयू को 08, समस्तीपुर को 11 तथा मुख्यालय को 02 मोबाईल फोन का वितरण किया गया।

के.ए. पॉल ने तुर्की दौरे के दौरान वैश्विक हथियार व्यापार और युद्ध प्रयासों को समाप्त करने की अपील की

नई दिल्ली, (आरएनएस)।
वैश्विक शांति के पैरोकार डॉ. के.ए. पॉल ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की है कि वे तत्काल प्रभाव से सैन्य उपकरणों की बिक्री और उनसे जुड़े युद्ध प्रयासों पर रोक लगाएं। इस्तांबुल में प्रमुख नेताओं से मुलाकात के बाद उन्होंने कहा कि संघर्ष, गरीबी और सैन्यीकरण से जूझ रही दुनिया को अब जिम्मेदार नेतृत्व की सख्त जरूरत है। डॉ. पॉल का यह दौरा ऐसे समय पर हुआ है जब दक्षिण एशिया और मध्य पूर्व समेत कई क्षेत्रों में तनाव की स्थिति बनी हुई है। उन्होंने इस बात पर गहरी चिंता जताई कि विश्व की बड़ी शक्तियां एक ही संघर्ष के दोनों पक्षों को हथियार उपलब्ध करा रही हैं, जबकि सार्वजनिक मंचों पर शांति की बातें करती हैं। उन्होंने विशेष रूप से सऊदी अरब, पाकिस्तान और भारत जैसे देशों को बड़े पैमाने पर हथियार बेचने पर भी सवाल उठाया है। डॉ. पॉल ने बताया कि उन्होंने हाल के सप्ताहों में अमेरिका और तुर्की सहित कई शीर्ष नेताओं से मुलाकात की है, लेकिन इन बैठकों से जुड़ी तस्वीरें और विवरण तभी साझा किए जाएंगे जब समय उचित होगा, क्योंकि वर्तमान में उनका ध्यान परदे के पीछे कूटनीतिक प्रयासों पर केंद्रित है ताकि हालात और न बिगड़ें। उन्होंने यह भी कहा कि युद्धों पर खर्च हो रहे खरबों डॉलर अगर भूख, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में लगाए जाएं तो दुनिया की दिशा ही बदल सकती है। उनके अनुसार युद्ध न केवल जानें ले रहे हैं, बल्कि पूरी पीढ़ियों का भविष्य भी तबाह कर रहे हैं। डॉ. पॉल का शांति अभियान आगे भी जारी रहेगा, जिसमें वे अन्य संघर्षग्रस्त क्षेत्रों के नेताओं से संवाद करेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ हिमंत बिस्वा सरमा ने असम केबिनेट की खबर पेश करने के लिए किया एआई एंकर अंकिता को लॉन्च

पंकज नाथ
आदिवासी एक्सप्रेस, असम
असम के मुख्यमंत्री डॉ हिमंत बिस्वा सरमा ने हाल ही में कैबिनेट बैठक की खबर फैलाने के लिए एआई द्वारा संचालित वर्चुअल न्यूज एंकर अंकिता को पेश किया। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा द्वारा अपने एक्स हैंडल पर जारी एक वीडियो में, एआई अंकिता को एंकर के रूप में असमिया भाषा में भूपेन हजारिका के नाम पर डिब्रूगढ़ हवाई अड्डे का नाम बदलने और चाय बागान श्रमिकों को एकमुश्त अनुदान देने जैसे महत्वपूर्ण फैसलों के बारे में बताते हुए देखा गया है। जनसंपर्क के क्षेत्र में एआई का उपयोग करने के असम सरकार के पहले प्रयास के रूप में, मुख्यमंत्री ने इस अभिनव पहल के लिए उत्साह व्यक्त किया और इसे प्रौद्योगिकी के माध्यम से लोगों से जुड़ने का एक नया तरीका करार दिया। जीवंत लुक और स्पष्ट आवाज से सजी, अंकिता ने अपनी पेशेवर प्रस्तुति से कई लोगों को प्रभावित किया है। असमिया में समाचारों की प्रस्तुति ने स्थानीय लोगों के लिए कैबिनेट अपडेट सुलभ बना दिए हैं। सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट होने के बाद इस पर मिलीजुली प्रतिक्रियाएं सामने आईं। जहां लोगों के एक वर्ग ने एआई के कौशल और आधुनिक तरीकों की सराहना की, वहीं दूसरों को डर है कि इससे समाचार एंकरों और पत्रकारों की नौकरियां चली जाएंगी। एआई अंकिता का लॉन्च यद्यपि असम सरकार द्वारा एक साहसिक कदम है, इसने नवाचार और नौकरी के अवसरों को संतुलित करने में बहुत विवाद पैदा किया है।

चाईबासा में नक्सल अभियान के दौरान वज्रपात , सीआरपीएफ अधिकारी समेत चार घायल

क्राइम संवाददाता द्वारा
रांचीः चाईबासा में नक्सलियों के खिलाफ अभियान में निकले सुरक्षाबलों पर आसमानी बिजली गिरी है. आसमानी बिजली गिरने की वजह से सीआरपीएफ के असिटेंट कमांडेंट समेत चार जवान घायल हो गए हैं. सभी घायलों को जंगल से रेस्क्यू कर लिया गया और उन्हें अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है. झारखंड चैप्टर के आईजी सीआरपीएफ साकेत कुमार सिंह ने बताया कि सभी घायलों को जंगल से रेस्क्यू कर बाहर निकाल लिया गया है. आसमानी बिजली गिरने की घटना चाईबासा के बालिवा की है.

दोनों देशों के लिए व्यापारिक समझौता लाभदायक होना जरूरी है, अमेरिका को लेकर जयशंकर का बयान

नई दिल्ली। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को कहा कि पाकिस्तान की ओर से युद्धविराम की बात करने से पहले, भारत ने यह स्पष्ट किया था कि वह केवल आतंकवादी संरचनाओं को नष्ट कर रहा है, न कि पाकिस्तान की सेना को निशाना बना रहा है।
विदेश मंत्री ने कहा कि 7 मई को पाकिस्तान को चेतावनी दी गई थी कि वे अपनी सेना को इस कार्रवाई से अलग रखें, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। 10 मई को भारतीय कार्रवाई से पाकिस्तान को भारी नुकसान हुआ, जिसके बाद उसने युद्धविराम की बात की, जिससे यह स्पष्ट होता है कि पाकिस्तान ही युद्धविराम चाहता था।
एस जयशंकर ने यह भी स्पष्ट किया कि भारत-पाकिस्तान के बीच संबंध केवल द्विपक्षीय होंगे। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान से केवल आतंकवाद पर ही वार्ता की जाएगी और पाकिस्तान को अपनी आतंकवादी संरचनाओं को समाप्त करना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि जम्मू और कश्मीर मुद्दे पर केवल पीओके की वापसी पर चर्चा की जाएगी, न कि किसी और विषय पर बात होगी।
एस जयशंकर ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता जारी है और यह एक जटिल प्रक्रिया है। उन्होंने कहा कि कोई भी व्यापारिक समझौता तब तक नहीं हो सकता, जब तक वह दोनों देशों के लिए लाभकारी न हो।

लोकमाता अहिल्याबाई होलकर के जीवन और विरासत का उत्सव

नई दिल्ली। नई दिल्ली स्थित साहित्य अकादमी में एक गरिमामय और विचारोत्तेजक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें द लोकमाताः लाइफ एंड लेगेसी ऑफ अहिल्या बाई होलकर नामक महत्वपूर्ण पुस्तक का विमोचन किया गया। यह पुस्तक डॉ. प्रितीश और प्रो. बंदना झा के संपादन में प्रकाशित हुई है तथा इसमें सात विद्वानों के शोध आधारित लेख संकलित हैं। पुस्तक लोकमाता अहिल्याबाई के जीवन, शासन और सांस्कृतिक योगदान को गहराई से समझने का प्रयास करती है। लोकमाता अहिल्याबाई होलकर, भारत के इतिहास में एक ऐसी शासिका के रूप में जानी जाती हैं जिन्होंने शासन को धर्म, नीति और लोककल्याण से जोड़ा। उन्होंने कर व्यवस्था में सुधार किया, मंदिरों का निर्माण करवाया, शिक्षा को बढ़ावा दिया और सामाजिक न्याय की नींव रखी।
कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री सुनील आंबेकर, अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीमती आशा लाखड़ा, सदस्य, राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग (NCST) उपस्थित रहीं।
कार्यक्रम का संचालन पुस्तक डॉ अपर्णा द्वारा किया है। कार्यक्रम की शुरुआत प्रो. बंदना झा के विद्वतापूर्ण और प्रेरणादायक स्वागत भाषण से हुई, जिसमें उन्होंने पुस्तक की रचना-प्रक्रिया, संरचना और उद्देश्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक केवल ऐतिहासिक तथ्यों का संग्रह नहीं, बल्कि लोकमाता की बहुआयामी छवि को समग्र रूप में प्रस्तुत करने का एक प्रयास है।
प्रो. झा ने पुस्तक के सभी सात लेखकों–डॉ. अपर्णा, सुकृत बनर्जी, संदीप, डॉ. प्रितीश, चिराग, शुभम शेखर और स्वयं प्रो. बंदना झा–के कार्यों को विस्तार से रेखांकित करते हुए बताया कि किस तरह हर अध्याय लोकमाता के जीवन के एक विशेष पक्ष को सामने लाता है।
उन्होंने अपने भाषण में यह भी बताया कि कैसे अहिल्याबाई के शासन की मूल आत्मा न्यायप्रियता, समावेशिता और सांस्कृतिक पुनरुत्थान में निहित थी। उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि आज के भारत में जब नीति और नेतृत्व पर प्रश्नचिह्न खड़े हो रहे हैं, तब अहिल्याबाई जैसे आदर्श शासकों का स्मरण और अध्ययन अत्यंत आवश्यक है।
प्रो. झा ने लेखकों की युवा पीढ़ी से अपेक्षा जताई कि वे केवल ऐतिहासिक जानकारी तक सीमित न रहें, बल्कि इन उदाहरणों से प्रेरणा लेकर भारत की सांस्कृतिक विरासत को पुनर्स्थापित करने में भागीदार बनें। उन्होंने इस पुस्तक को 'लोकनीति और सांस्कृतिक चेतना' का दस्तावेज बताया।
राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग (NCST) की सदस्य श्रीमती आशा लाखड़ा ने अपने संबोधन में लोकमाता अहिल्याबाई होलकर को 'आदर्श जननायिका' के रूप में चित्रित किया। उन्होंने कहा कि अहिल्याबाई का शासन केवल प्रशासनिक दक्षता का उदाहरण नहीं था, बल्कि वह एक समावेशी और संवेदनशील समाज निर्माण की दिशा में ठोस प्रयास था।
लाखड़ा जी ने विशेष रूप से अहिल्याबाई की कर-नीति और चुंगी व्यवस्था (toll system) की सराहना की, जिसमें गरीब और वंचित तबकों पर कर का भार नहीं डाला गया। उन्होंने कहा कि यह नीति विशेष रूप से PVTGs (Particularly Vulnerable Tribal Groups) जैसे समुदायों के लिए आज भी मार्गदर्शक हो सकती है, जिनके अधिकार और हित अक्सर आधुनिक योजनाओं में उपेक्षित रह जाते हैं।
उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि यदि आज भी शासन व्यवस्थाएं अहिल्याबाई की जनकल्याण आधारित दृष्टि को अपनाएं, तो देश के दूरस्थ और वंचित समुदायों की सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक स्थिति में बड़ा सुधार आ सकता है।
लाखड़ा जी ने इस बात पर जोर दिया कि अनुसूचित जनजातियों के उत्थान के लिए जरूरी है कि हम नीतिगत स्तर पर ऐतिहासिक उदाहरणों से सीख लें और उनकी प्रासंगिकता को आधुनिक संदर्भों में समझें। उन्होंने यह भी कहा कि इस पुस्तक के माध्यम से आज की युवा पीढ़ी को एक सशक्त, सक्षम और संवेदनशील महिला नेतृत्व की प्रेरणा मिलेगी।
राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख श्री सुनील आंबेकर ने लोकमाता अहिल्याबाई होलकर की प्रशंसा करते हुए उन्हें भारतीय संस्कृति की जीवंत मूर्ति बताया। उन्होंने कहा कि देवी अहिल्याबाई के शासनकाल को केवल ऐतिहासिक दृष्टि से नहीं, बल्कि समकालीन भारत की नैतिक और सांस्कृतिक चुनौतियों के समाधान के रूप में देखे जाने की आवश्यकता है।
आंबेकर जी ने अपने वक्तव्य में तीन मुख्य बिंदुओं पर ज़ोर दियाः
1. संस्कृति आधारित नेतृत्व - उन्होंने कहा कि अहिल्याबाई का शासन केवल राजनैतिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक पुनर्जागरण का प्रतीक था। उन्होंने भारत भर में मंदिरों का पुनर्निर्माण करवाया, धर्मनिष्ठ आचरण को प्रोत्साहित किया और लोक-परंपराओं का संरक्षण किया।
2. मूल्यों पर आधारित राजनीति - उन्होंने कहा कि आज की राजनीति में जहां अवसरवादिता और तात्कालिक लाभ को प्राथमिकता दी जा रही है, वहां अहिल्याबाई जैसी मूल्य-आधारित राजनीति की आवश्यकता है–जहां नीति, निष्ठा और नैतिकता के संतुलन से समाज का विकास हो।
3. धर्मनिष्ठ कूटनीति और लोकसेवा - आंबेकर जी ने उल्लेख किया कि अहिल्याबाई की नीतियाँ आक्रामक नहीं थीं, बल्कि समन्वयकारी और रचनात्मक थीं। उन्होंने अपनी सत्ता का प्रयोग धर्म के उत्थान और लोकसेवा के लिए किया–यह आधुनिक प्रशासनिक दृष्टिकोण में भी अनुकरणीय है।
अपने वक्तव्य के अंत में उन्होंने यह कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई का जीवन इस बात का साक्षी है कि जब नेतृत्व चरित्र से जुड़ता है, तब शासन सेवा बन जाता है और राजनीति तपस्या।
कार्यक्रम के अंत में पुस्तक के संपादक डॉ. प्रीतीश ने अत्यंत संवेदनशील और भावभीने शब्दों में धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक केवल ऐतिहासिक तथ्यों का संकलन नहीं है, बल्कि यह एक साधना है–उस महान नारी के व्यक्तित्व और कर्तृत्व को समझने और सहेजने की, जिन्होंने शासन को सेवा का माध्यम बनाया।
उन्होंने सबसे पहले साहित्य अकादमी का आभार व्यक्त किया, जिन्होंने इस ऐतिहासिक विमोचन कार्यक्रम की मेज़बानी की और उसे गरिमा प्रदान की। इसके बाद उन्होंने मुख्य अतिथि श्री सुनील आंबेकर और विशिष्ट अतिथि श्रीमती आशा लाखड़ा के वक्तव्यों की सराहना करते हुए कहा कि उनके विचारों ने कार्यक्रम को एक वैचारिक ऊंचाई प्रदान की और लोकमाता अहिल्याबाई की प्रासंगिकता को और अधिक स्पष्ट किया।
डॉ. प्रीतीश ने प्रो. बंदना झा को 'इस परियोजना की सूत्रधार' बताते हुए उनके सतत मार्गदर्शन, विद्वता और संगठनात्मक सहयोग के लिए विशेष धन्यवाद दिया। उन्होंने यह स्वीकार किया कि पुस्तक के सम्पादन, लेखन और विमोचन की प्रक्रिया में प्रो. झा की भूमिका एक मार्गदर्शक दीपस्तंभ की रही, जिन्होंने विषय-वस्तु की गंभीरता और भाषा की गरिमा दोनों बनाए रखीं।
इसके बाद उन्होंने पुस्तक के सभी सह-लेखकों–डॉ. अपर्णा, सुकृत बनर्जी, संदीप, चिराग, शुभम शेखर और प्रो. बंदना झा–का नाम लेकर उनके द्वारा किए गए अध्यायों के शोध, विश्लेषण और दृष्टिकोण की मुक्त कंठ से सराहना की। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक सात दृष्टिकोणों का एक समवेत स्वर है, जिसमें हर लेखक ने अहिल्याबाई के जीवन के किसी न किसी पक्ष को उजागर किया है–चाहे वह मंदिर निर्माण हो, सामाजिक नीति, धार्मिक समावेशिता या प्रशासनिक कौशल।
डॉ. प्रीतीश ने यह भी कहा कि इस पुस्तक के पीछे वर्षों का शोध, सैकड़ों पन्नों के संदर्भ, और एक साझा सांस्कृतिक प्रतिबद्धता का भाव निहित है। उन्होंने कहा, ÷हम सबने मिलकर जो लिखा, वह सिर्फ इतिहास नहीं–बल्कि एक दर्पण है, जिसमें भारत का उज्ज्वल, नैतिक और सांस्कृतिक चेहरा प्रतिबिंबित होता है। अपने वक्तव्य के अंत में उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे केवल पश्चिमी सोच को ही अपना आदर्श न बनाएं, बल्कि भारतीय परंपरा की महान विभूतियों से भी प्रेरणा लें, और राष्ट्रनिर्माण में अपनी भूमिका को पहचानें।
डॉ. प्रीतीश ने अंततः सभी सहभागियों, श्रोताओं, आयोजकों, और मीडिया प्रतिनिधियों का धन्यवाद करते हुए कार्यक्रम के समापन की घोषणा की।

स्पोर्ट्सस्किल ने लॉन्च किया 'चैंपियंस क्लब एलीट पास', उभरते एथलीटों को मिलेगा राष्ट्रीय मंच

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के होनहार युवा खिलाड़ियों को निखारने और उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के उद्देश्य से स्पोर्ट्स टेक प्लेटफॉर्म स्पोर्ट्सस्किल ने 'चैंपियंस क्लब एलीट पास' की शुरुआत की है। यह पास सिर्फ एक विशेषाधिकार नहीं, बल्कि एक ऐसा मंच है जो टॉप रैंक वाले खिलाड़ियों को देश के सर्वश्रेष्ठ संसाधनों, विशेषज्ञों और अवसरों से जोड़ता है भारत के सबसे प्रतिष्ठित खेल संस्थानों में से एक क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया (सीसीआई) ने इस एलीट पास को समर्थन देकर इस पहल को ऐतिहासिक बना दिया है। यह पहला अवसर है जब देश का कोई शीर्ष क्लब इस प्रकार के खेल विकास मिशन से जुड़ा है। सीसीआई का समर्थन सिर्फ प्रतीकात्मक नहीं बल्कि यह एक शक्तिशाली संदेश है कि भारत के शीर्ष क्लब अब अगली पीढ़ी के चैंपियनों को सशक्त बनाने के लिए आगे आ रहे हैं। भारत के महान रैकेट स्पोर्ट्स खिलाड़ी और यू.एस. स्क्वैश हॉल ऑफ फेम में शामिल अनिल नायर ने इस पहल की प्रशंसा की है। 28 बार के नेशनल चैंपियन और हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के पूर्व छात्र अनिल नायर ने कहा, ÷चैंपियंस क्लब एलीट पास विजेता खिलाड़ियों, क्लब सदस्यों और जूनियर्स – तीनों के लिए फायदे का सौदा है। इस तरह के सोशल इंटरैक्शन से खेल का प्रचार और क्लब की ब्रांडिंग दोनों में मदद मिलती है। यह शानदार विचार है।

वाराणसी के शेख जिशान ने खेलो इंडिया नेशनल यूथ गेम्स 2025 में ट्रिपल जंप में बनाया नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड

पटना/वाराणसी। बिहार की राजधानी पटना में आयोजित हो रहे खेलो इंडिया नेशनल यूथ गेम्स 2025 में वाराणसी के विकास इंटर कॉलेज के छात्र व उभरते हुए एथलीट शेख जिशान ने ट्रिपल जंप में शानदार प्रदर्शन करते हुए नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड स्थापित किया है। शेख जिशान ने 15.66 मीटर की शानदार छलांग लगाकर न केवल स्वर्ण पदक अपने नाम किया, बल्कि इस प्रतियोगिता में इतिहास भी रच दिया सातवें खेलो इंडिया नेशनल यूथ गेम्स 2025 का आयोजन पटना में 04 मई से शुरू हुआ है और यह 15 मई तक चलेगा। इस आयोजन में देशभर से हजारों युवा एथलीट विभिन्न खेलों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। बिहार सरकार और खेल मंत्रालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता का उद्देश्य युवा प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना और खेलों में भारत का नाम रोशन करना है। शेख जिशान ने ट्रिपल जंप के फाइनल में 15.66 मीटर की छलांग लगाकर सभी को आश्चर्यचकित कर दिया। उन्होंने कहा कि %यह मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा है। मैंने इसके लिए दिन-रात मेहनत की थी, और मेरे कोच और परिवार का समर्थन मेरे लिए बहुत मायने रखता है।% विशेषज्ञों का मानना है कि अगर जिशान इसी तरह मेहनत करते रहे, तो वह जल्द ही अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं जैसे एशियाई खेलों और विश्व चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं।

पंजाब एफसी ने जमशेदपुर एफसी को हराकर जीता एआईएफएफ अंडर-17 एलीट यूथ लीग का खिताब

गुवाहाटी। पहले हाफ में किए गए चार गोलों की बदौलत पंजाब एफसी ने जमशेदपुर एफसी को 4-1 से हराकर इंदिरा गांधी एथलेटिक स्टेडियम में खेले गए एआईएफएफ अंडर-17 एलीट यूथ लीग 2024-25 के फाइनल का अपने नाम किया। करिश सोराम, आशीष लोहार, विकास किस्कु और उशाम थौंगाम्बा सिंह ने 11 मिनट के अंतराल में चार गोल दागकर टीम की जीत सुनिश्चित की। पंजाब एफसी ने फाइनल राउंड प्लेऑफ के तीन मुकाबलों में से दो जीतकर नॉकआउट चरण में जगह बनाई थी। उन्होंने सुदेवा दिल्ली और एफसी गोवा के खिलाफ क्रमशः 5-0 और 6-0 से शानदार जीत दर्ज करते हुए क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया था। इस दौर में उनकी एकमात्र हार एआईएफएफ फीफा टैलेंट अकादमी के खिलाफ 4-5 के नौ गोलों वाले रोमांचक मुकाबले में हुई। क्वार्टरफाइनल में पंजाब एफसी ने बंगाल फुटबॉल अकादमी को 6-2 से हराया, जबकि सेमीफाइनल में एफसी मद्रास के खिलाफ कड़े मुकाबले में 3-2 से जीत दर्ज कर फाइनल में जगह बनाई। कोच रमेश गंगाराम बिस्टा के नेतृत्व में टीम ने ज़ोनल राउंड क्वालिफायर में शीर्ष स्थान हासिल कर टूर्नामेंट के फाइनल राउंड के लिए क्वॉलीफाई किया था।

भारत ने सैफ अंडर-19 चैंपियनशिप में नेपाल को 4-0 से हराया

यूपिया। भारतीय फुटबॉल टीम नेपाल पर 4-0 से बड़ी जीत दर्ज कर सैफ अंडर-19 चैंपियनशिप के ग्रुप बी में शीर्ष स्थान पर रही। गोल्डन जुबली स्टेडियम में रात खेले गये मुकाबले में मेजबान भारतीय टीम टीम ने प्रत्येक हाफ में दो गोल किए। भारत के लिए रोहेन सिंह चपहामायुम ने (28वें, 76वें) मिनट में गोल किए, जबकि स्थानीय खिलाड़ी ओमंग डोडम ने (29वें) और डैनी मेइतेई ने (84वें)मिनट में एक-एक गोल किया। इस जीत के साथ भारतीय टीम ग्रुप बी में दो मैचों में छह अंक लेकर शीर्ष पर है। वहीं नेपाल दो मैचों में तीन अंक लेकर दूसरे स्थान पर रहा। भारतीय टीम ग्रुप ए के उपविजेता मालदीव से भिड़ेगी।

आईपीएल 2025: अब टीमें विदेशी खिलाड़ियों की जगह ले सकेंगी नए खिलाड़ी, लेकिन नहीं कर सकेंगी रिटेन

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2025) के अंतिम चरण से पहले बड़ा बदलाव किया गया है। बीसीसीआई ने घोषणा की है कि टीमें अब विदेशी खिलाड़ियों की अनुपलब्धता की स्थिति में अस्थायी स्थानापन्न खिलाड़ी को शामिल कर सकती हैं। यह निर्णय उन खिलाड़ियों की अनुपस्थिति को देखते हुए लिया गया है जो या तो राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं, निजी कारणों या स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारण टूर्नामेंट में भाग नहीं ले पा रहे हैं।आईपीएल फ्रेंचाइजियों को भेजे गए आधिकारिक नोट में कहा गया है,जो खिलाड़ी इस समय से लिए जा रहे हैं, वे अगले वर्ष रिटेन नहीं किए जा सकेंगे। उन्हें आईपीएल 2026 की नीलामी के लिए फिर से पंजीकरण कराना होगा।

12वें मैच के बाद अस्थायी खिलाड़ी नहीं जोड़ने का नियम हुआ खत्म

सीजन की शुरुआत में जारी नियम पुस्तिका के अनुसार, कोई भी टीम अपने 12वें लीग मैच के बाद अस्थायी खिलाड़ी नहीं जोड़ सकती थी। लेकिन भारत-पाकिस्तान तनाव के चलते टूर्नामेंट को 8 मई से निलंबित करना पड़ा, जिससे यह अपवाद स्थिति बन गई। इस अभूतपूर्व स्थिति को देखते हुए, आईपीएल अधिकारियों ने नियमों में संशोधन कर दिया है।

कई विदेशी खिलाड़ी लौटे, कुछ नहीं होंगे वापस

धर्मशाला में पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मुकाबले के अगले दिन जब सुरक्षा कारणों से स्टेडियम खाली कराया गया और टूर्नामेंट को रोका गया, तब से अधिकांश विदेशी खिलाड़ी अपने देशों को लौट चुके थे।

हालांकि, आईपीएल के दोबारा शुरू होने पर अधिकांश विदेशी खिलाड़ी वापसी करेंगे, लेकिन जो खिलाड़ी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल का हिस्सा हैं या जिनके परिवार उन्हें भारत लौटने की अनुमति नहीं दे रहे, वे वापस नहीं आएंगे। इससे किसी भी टीम को नुकसान न हो, इसीलिए यह अस्थायी विकल्प का रास्ता खुला गया है।

दिल्ली कैपिटल्स का उदाहरण: इस नए नियम का पहला उदाहरण दिल्ली कैपिटल्स की टीम में देखने को मिला है, जहां मुस्ताफिजुर रहमान को जेक फ्रेजर-मैकगर्क के स्थान पर टीम में शामिल किया गया है। इसका मतलब यह है कि रहमान को अगली सीजन के लिए रिटेन नहीं किया जा सकेगा, लेकिन मैकगर्क को टीम में बनाए रखा जा सकता है। आईपीएल 2025 में नियमों में किया गया यह बदलाव संकट की स्थिति में लीग की लचीलापन और निष्पक्षता बनाए रखने का एक प्रयास है, जिससे हर टीम को बराबरी का मौका मिल सके।

श्नाइडर को हराकर जैस्मीन पाओलिनी इटैलियन ओपन के सेमीफाइनल में

एजेंसी

रोम। इटली की टेनिस खिलाड़ी जैस्मीन पाओलिनी ने रूस की डायना श्नाइडर को हराकर इटैलियन ओपन के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। छठी वरीयता प्राप्त पाओलिनी ने मंगलवार को खेले गये वर्षा बाधित मुकाबले में रूस की श्नाइडर पर 6-7 (1-7) 6-4 6-2 से जीत दर्ज की। इस जीत के साथ वह 2014 के बाद अंतिम चार में पहुंचने वाली पहली इटली की महिला टेनिस खिलाड़ी बन गई। सेमीफाइनल में पहुंचने के बाद पाओलिनी ने कहा, 'यह वास्तव में कठिन मैच था। मैं बहुत खुश हूं कि मैंने मुकाबला जीता, लेकिन यह एक रोलर कोस्टर था। हर कदम पर मैंने एक नई तरकीब खोजी। मैंने अंत तक संघर्ष किया। निश्चित रूप से दर्शकों ने मेरी मदद की। इसलिए मैं जीत से वास्तव में बहुत खुश हूं।'

दक्षिण कोरिया के स्टार फुटबॉलर सोन ह्युंग-मिन के खिलाफ ब्लैकमेलिंग की कोशिश, शिकायत दर्ज

एजेंसी

सियोल। टोटेनहम हॉटस्पर के कप्तान और दक्षिण कोरियाई फुटबॉल स्टार सोन ह्युंग-मिन ने एक महिला द्वारा झूठे गर्भावस्था के दावे को लेकर ब्लैकमेल किए जाने की शिकायत पुलिस में दर्ज कराई है। यह जानकारी गुरुवार को उनकी एजेंसी 'सोन एंड फुटबॉल लिमिटेड' ने दी।

सोन ह्युंग-मिन इस मामले में पूरी तरह पीड़ित हैं

सोन की एजेंसी ने बयान जारी करते हुए कहा, फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। जैसे ही परिणाम सामने आएंगे, हम जानकारी साझा करेंगे। हम यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि सोन ह्युंग-मिन इस मामले में पूरी तरह से पीड़ित हैं।

महिला और उसके सहयोगी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पुलिस ने 20 के दशक की एक महिला और 40 के दशक के एक पुरुष को गिरफ्तार किया है। दोनों पर आरोप है कि उन्होंने झूठे गर्भावस्था दावे के जरिए सोन से पैसे ऐंठने की कोशिश की। मामले की जांच सियोल के गंगनम पुलिस स्टेशन द्वारा की जा रही है। हालांकि

पुलिस की ओर से इस पर कोई आधिकारिक टिप्पणी अभी नहीं की गई है।

कोरिया में बेहद लोकप्रिय हैं सोन ह्युंग-मिन

32 वर्षीय सोन ह्युंग-मिन न केवल इंग्लैंड के प्रीमियर लीग में अपने शानदार प्रदर्शन के लिए जाने जाते हैं, बल्कि कोरिया की राष्ट्रीय टीम के कप्तान के तौर पर भी वे देश में बेहद सम्मानित और लोकप्रिय चेहरा हैं। उनके खिलाफ इस प्रकार का मामला सामने आना उनके फैंस के लिए चौंकाने वाला है।

रियल मैड्रिड की आखिरी पलों में जीत, बार्सिलोना की जश्न की उम्मीदों को झटका

एजेंसी

मैड्रिड। सैंटियागो बर्नाबेउ स्टेडियम में बुधवार देर रात खेले गए मुकाबले में रियल मैड्रिड ने अंतिम समय में गोल दागकर आरसीडी मल्लोर्का को 2-1 से हराया और बार्सिलोना की ला लीगा खिताब जीतने की उम्मीदों को फिलहाल के लिए टाल दिया।

बार्सिलोना की खिताबी उम्मीदों को लगा विराम

इस जीत के साथ ही मैड्रिड ने अंक तालिका में बार्सिलोना से फासला घटाकर 4 कर दिया है। अब यदि गुरुवार को बार्सिलोना अपने पड़ोसी क्लब एस्पानयोल को हरा देता है, तो वह खिताब अपने नाम कर सकता है। इससे पहले, रविवार को 'एल क्लासिको' में बार्सिलोना के हाथों हार झेलने के बाद रियल मैड्रिड के पास यह मुकाबला जीतने के अलावा कोई विकल्प नहीं था।

वैलजेंट के शुरुआती गोल से पिछड़ा मैड्रिड

मैच की शुरुआत में मल्लोर्का ने आक्रामक अंदाज़ दिखाया और 11वें मिनट में मार्टिन वैलजेंट ने गोल दागकर अपनी टीम को बढ़त दिला दी। मैड्रिड की ओर से कई प्रयास हुए, लेकिन मल्लोर्का के गोलकीपर लियो रोमन ने शानदार बचाव करते हुए पहले हाफ में जूड

बेलिंघम, किलियन एम्बाप्पे और फेडे वाल्वर्डे को गोल करने से रोके रखा।

एम्बाप्पे और जैकोबो ने पलट दिया मैच

दूसरे हाफ में आखिरकार 68वें मिनट में किलियन एम्बाप्पे ने बेहतरीन फुटवर्क दिखाते हुए तीन डिफेंडरों को छकाया और गेंद को नेट में डालकर स्कोर 1-1 कर दिया। यह इस सीजन में एम्बाप्पे का 40वां गोल था। जब मैच ड्रॉ की ओर बढ़ रहा था, तभी इंजरी टाइम के 95वें मिनट में 20 वर्षीय डिफेंडर जैकोबो रामोन ने गिरती हुई गेंद को गोलकीपर के ऊपर से नेट में डालकर मैड्रिड को जीत दिला दी।

अनचेलोटी की विदाई से पहले जज्बा दिखा रही है टीम

मैड्रिड के कोच कार्लो अनचेलोटी सीज़न के बाद ब्राज़ील की राष्ट्रीय टीम की कमान संभालने जा रहे हैं। चोटिल खिलाड़ियों के चलते मैड्रिड की टीम इस मैच में विनीसियस जूनियर और रोड्रिगो जैसे खिलाड़ियों के बिना उतरी, लेकिन युवा खिलाड़ियों ने बेहतरीन जज्बा दिखाया। वहीं मल्लोर्का की टीम यूरोपीय टूर्नामेंट में क्वालिफाई करने की दौड़ में बनी हुई है और इस मैच में उसने भी दमदार खेल दिखाया। अब निगाहें गुरुवार को होने वाले बार्सिलोना बनाम एस्पानयोल मुकाबले पर होंगी, जहां जीत के साथ ही बार्सिलोना अपना 28वां ला लीगा खिताब हासिल कर सकता है।

शेफर्ड और लिविंगस्टोन की आरसीबी में वापसी, प्लेऑफ से पहले टीम को मिला बूस्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2025) के रिवाइज्ड शेड्यूल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को बड़ा फायदा मिला है। वेस्टइंडीज ऑलराउंडर रोमारियो शेफर्ड और इंग्लैंड के लियम लिविंगस्टोन टीम में दोबारा शामिल हो गए हैं। शेफर्ड के साथ कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाड़ी आंद्रे रसेल, सुनील नरेन और मेंटर ड्वेन ब्रावो भी भारत लौटे हैं। शेफर्ड वेस्टइंडीज की उस वनडे टीम का हिस्सा हैं जो 29 मई से इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज खेलेगी। संयोग से यही तारीख आईपीएल 2025 के प्लेऑफ की भी है। अब तक क्रिकेट वेस्टइंडीज ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि इंग्लैंड दौरे पर जाने वाले खिलाड़ी आईपीएल के बचे हुए

मुकाबले खेल पाएंगे या नहीं।

लिविंगस्टोन की वापसी, बेटेल दो मैचों के लिए उपलब्ध

लियम लिविंगस्टोन अब आरसीबी से जुड़ चुके हैं। उन्हें इंग्लैंड की वनडे और टी20 टीम से ड्रॉप कर दिया गया है, जिससे वे आईपीएल के अंत तक उपलब्ध रहेंगे। वहीं जैकब बेटेल पहले ही टीम से दोबारा जुड़ चुके हैं और केकेआर तथा सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ अगले दो मैचों में खेलेंगे। इसके बाद वे इंग्लैंड लौट जाएंगे। उन्हें इंग्लैंड की जिम्बाब्वे के खिलाफ 29 मई से शुरू होने वाली टेस्ट सीरीज में नहीं चुना गया है।

फिल सॉल्ट पूरे सीजन के लिए उपलब्ध

फिल सॉल्ट, जिनकी बीमारी के चलते बेटेल को डेब्यू का मौका मिला, अब पूरी तरह फिट हैं और आईपीएल के बाकी बचे मैचों में उपलब्ध रहेंगे। वे इंग्लैंड की केवल टी20 टीम में शामिल हैं और वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज 6 जून से शुरू होनी है, जो आईपीएल फाइनल के तीन दिन बाद है।

आरसीबी प्लेऑफ के करीब

आरसीबी 11 मैचों में 16 अंकों के साथ टॉप-4 की रेस में मजबूत स्थिति में है। टीम को प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई करने के लिए अब केवल कुछ और पॉइंट्स की जरूरत है। हालांकि, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ियों की उपलब्धता पर अंतिम फैसला आने वाले दिनों में होगा, जो टीम की रणनीति को प्रभावित कर सकता है।

बरौनी की फुटबॉल क्रांति : दिल की चोट बनी जीत की विरासत

एजेंसी

बेगूसराय/पटना। बिहार के बेगूसराय की फिजाओं में फुटबॉल का रंग घुला है और यह सिर्फ फ्लाईओवर के खंभों पर लिखा एक नारा नहीं है, यह एक खामोश क्रांति की दास्तान है, जो बिहार के एक गुमनाम कोने में टूटी हड्डियों और आहत स्वाभिमान के साथ शुरू हुई थी। राजधानी पटना की भागदौड़ से दूर बरौनी के एक शांत मुहल्ले में फुटबॉल यूं ही नहीं आ गई। इसे अपनी पहचान बनाने के लिए संघर्ष करना पड़ा। स्वतंत्रता सेनानी यमुना भगत की विरासत के रूप में पहचाना जाने वाला यह मैदान लगभग 80 साल पहले फुटबॉल का अप्रत्याशित घर बन गया था। वहीं, इस कहानी का असली मोड़ वर्ष 1990 में आया, जब स्थानीय लड़कियों की एक अनुभवहीन और आत्मविश्वास से रहित टीम एक प्रदर्शनी मैच में मुजफ्फरपुर की धुरंधर टीम के सामने बुरी तरह हार गई। यह हार मैदान की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित मैच में सिर्फ शारीरिक चोटें नहीं दे गई बल्कि हर खिलाड़ी के आत्मसम्मान को भी गहरा आघात पहुंचा गई। कुछ लड़कियां लंगड़ाती हुई लौटीं, कुछ को स्ट्रेचर पर ले जाना पड़ा और सबके जख्म जिस्मानी दर्द से कहीं ज्यादा गहरे थे। उस अपमानजनक हार ने शर्मिंदगी नहीं बल्कि एक दृढ़ संकल्प को जन्म दिया। पूर्व फुटबॉलर और स्थानीय शिक्षक चंद्रशेखर, जिनकी बातों में पीढ़ियों का अनुभव झलकता है, उस दिन को याद करते हुए कहते हैं, हमें अपमानित किया गया था लेकिन हमने उस दर्द को एक मकसद में बदल दिया।

आईसीसी महिला वनडे रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया का दबदबा कायम, भारत ने इंग्लैंड से घटाया फासला

एजेंसी

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा महिला वनडे टीम रैंकिंग में सालाना अपडेट जारी कर दिया गया है, जिसमें ऑस्ट्रेलिया ने एक बार फिर अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा है। हालांकि इंग्लैंड के मुकाबले उनकी बढ़त में चार अंकों की कमी आई है, लेकिन टीम अब भी बाकी देशों से काफी आगे बनी हुई है। यह अपडेट मई 2022 से अप्रैल 2024 के बीच खेले गए मैचों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, जबकि अक्टूबर 2021 से अप्रैल 2022 तक खेले गए मैचों को हटाया गया है। इनमें 2022 महिला विश्व कप जैसे महत्वपूर्ण टूर्नामेंट भी शामिल हैं, जिनके नतीजे अब रैंकिंग में नहीं गिने जाएंगे।

ऑस्ट्रेलिया का अपराजेय प्रदर्शन: ऑस्ट्रेलिया की टीम ने इस

अवधि में शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने भारत के खिलाफ दो बार 3-0 से जीत, बांग्लादेश और इंग्लैंड को भी 3-0 से हराया। इसके अलावा वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड के खिलाफ 2-0 और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 2-1 से सीरीज अपने नाम की। इसी के चलते उनकी रेटिंग 167 अंकों पर बनी हुई है।

भारत ने घटाया इंग्लैंड से फासला

इंग्लैंड इस सूची में दूसरे स्थान पर है और उसके 127 अंक हैं। भारत तीसरे पायदान पर बना हुआ है, लेकिन अब उसने इंग्लैंड से फासला 11 अंकों से घटाकर 6 अंक कर लिया है। भारत ने हाल ही में श्रीलंका में एक त्रिकोणीय सीरीज़ जीती और आयरलैंड, वेस्टइंडीज, दक्षिण अफ्रीका को 3-0 तथा न्यूजीलैंड को 2-1 से हराया।

अन्य टीमों की स्थिति

दक्षिण अफ्रीका के रेटिंग में 9 अंकों की गिरावट आई है, लेकिन वह पांचवें स्थान पर बना हुआ है। वेस्टइंडीज की टीम 10 अंकों की गिरावट के साथ नौवें स्थान पर पहुंच गई है और बांग्लादेश व पाकिस्तान ने उन्हें पीछे छोड़ दिया है। वहीं, अमेरिका (यूएसए) को एकदिनी दर्जा गंवाने के कारण सूची से बाहर कर दिया गया है, और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को उनकी जगह दी गई है। हालांकि, यूएई को रैंकिंग में शामिल होने के लिए कम से कम आठ वनडे मैच खेलने होंगे।

नेशनल कैंप में वापसी से उत्साहित सेल्वम कार्ति ने कहा- अब लक्ष्य है टीम में जगह बनाना और गोल करना

नई दिल्ली। एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024-25 के यूरोपीय चरण के लिए भारतीय पुरुष हॉकी टीम तैयारियों में जुटी हुई है, जहां उनका मुकाबला नीदरलैंड्स, अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया और बेल्जियम जैसी दिग्गज टीमों से होगा। इस अहम सीरीज़ से पहले भारतीय कैंप में एक नाम फिर से चर्चा में है, फारवर्ड सेल्वम कार्ति, जिन्होंने करीब 9 महीनों बाद राष्ट्रीय सेटअप में वापसी की है। तमिलनाडु से ताल्लुक रखने वाले 23 वर्षीय कार्ति ने आखिरी बार एशियन चैंपियंस ट्रॉफी चेन्नई 2023 में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। इस बार वह 40 सदस्यीय कोर ग्रुप का हिस्सा हैं। वापसी को लेकर उन्होंने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, मैं नेशनल कैंप में वापस आकर बहुत खुश हूं(

दिल्ली कैपिटल्स में मुस्तफिजुर रहमान की वापसी, जेक फ्रेजर-मैकगर्क की लेंगे जगह

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के शेष मुकाबलों के लिए दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) ने बांग्लादेश के अनुभवी तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को टीम में शामिल किया है। वह ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज जेक फ्रेजर-मैकगर्क की जगह लेंगे, जिन्होंने व्यक्तिगत कारणों से टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया है। दिल्ली कैपिटल्स ने उन्हें 6 करोड़ रुपये की कीमत पर अपने स्क्वॉड में शामिल किया है। उनकी गेंदबाजी शैली (बाएं हाथ से मध्यम गति और कटर गेंदों में महारत) उन्हें विशेष बनाती है, जो किसी भी बल्लेबाजी क्रम को परेशान करने में सक्षम है। टीम मैनेजमेंट को उम्मीद है कि मुस्तफिजुर का अनुभव और विविधता टीम को टूर्नामेंट के निर्णायक मुकाबलों में मजबूती प्रदान करेगी। इससे पहले भी वह आईपीएल में मुंबई इंडियंस, सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स जैसी टीमों के लिए खेल चुके हैं। मुस्तफिजुर रहमान

आईपीएल में पहले से ही एक जाना-पहचाना नाम हैं। उन्होंने अब तक 57 आईपीएल मैचों में 61 विकेट झटके हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी वह टी20 प्रारूप में बांग्लादेश के लिए 106 मैचों में 132 विकेट लेकर अपनी उपयोगिता साबित कर चुके हैं। वहीं, जेक फ्रेजर-मैकगर्क ने इस सीजन में दिल्ली कैपिटल्स के लिए कुछ महत्वपूर्ण पारियां खेली थीं और उनकी जगह भरना आसान नहीं होगा। लेकिन मुस्तफिजुर की वापसी से गेंदबाजी विभाग को संतुलन मिलने की उम्मीद है।

आईएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड कप 2025 : गन फॉर ग्लोरी अकादमी के आठ निशानेबाज भारतीय दल का हिस्सा

एजेंसी

पुणे/नई दिल्ली। जर्मनी के सुहल शहर में 19 से 27 मई तक आयोजित होने वाले आईएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड कप 2025 के लिए भारत ने 36 सदस्यीय निशानेबाजी दल की घोषणा की है। इस दल में गगन नारंग द्वारा स्थापित गन फॉर ग्लोरी अकादमी के आठ प्रतिभाशाली युवा निशानेबाज भी शामिल हैं, जो भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। इन खिलाड़ियों में नरैन प्रणव, मुकेश नेलावली, अनुष्का ठोकर, प्राची गायकवाड़, के. तनिष्क नायडू (आरपीओ), सग्निक बनर्जी (आरपीओ), मेल्विना एंजेलिन जोएल (आरपीओ) और वेदांत वाघमारे (आरपीओ) के नाम प्रमुख हैं। ये सभी खिलाड़ी प्रोजेक्ट लीप के तहत प्रशिक्षित हुए हैं- यह ओलंपिक गोल्ड क्वेस्ट के सहयोग से चलाया जा रहा एक विशेष कार्यक्रम है, जो शारीरिक, मानसिक और तकनीकी कौशल के समग्र विकास पर केंद्रित है।पूर्व ओलंपिक कांस्य पदक विजेता गगन नारंग ने कहा, हमारे खिलाड़ियों पर गर्व है जो आईएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड कप में देश का प्रतिनिधित्व करेंगे। उनकी मेहनत, समर्पण और प्रतिभा हमारे अकादमी के मूल्यों को दर्शाती

है। मुझे विश्वास है कि ये युवा भारत को गौरवान्वित करेंगे। मेरी शुभकामनाएं उनके साथ हैं।'

प्रतियोगिता में भारतीय प्रतिनिधियों की स्पर्धाएं इस प्रकार होंगी-

नरैन प्रणवः 10 मीटर एयर राइफल जूनियर पुरुष एवं मिश्रित टीम

मुकेश, तनिष्क और सग्निकः 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल जूनियर पुरुष

अनुष्का, प्राची और मेल्विनाः 50 मीटर थ्री-पोजिशन (3क्ष) जूनियर महिला

वेदांत वाघमारेः 50 मीटर थ्री-पोजिशन (3P) जूनियर पुरुष

उत्साहित अनुष्का ठोकर ने कहा, गगन नारंग स्पोर्ट्स प्रमोशन फाउंडेशन का मैं तहेदिल से धन्यवाद करती हूं। उनके मार्गदर्शन और समर्थन के बिना यह सफर संभव नहीं था। अब मेरा लक्ष्य है कि मैं इस मंच पर देश और अपने गुरुओं को गौरवान्वित कर सकूं। उल्लेखनीय है कि प्रोजेक्ट लीप 2017 से अब तक 60 से अधिक उच्च स्तरीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित कर चुका है और इसका उद्देश्य भारत में ओलंपिक स्तर के निशानेबाज़ तैयार करना है।

ब्याज दरें और महंगाई घटने से शहरी परिवारों की वित्तीय स्थिति सुधरी, ग्रामीण धाराणाओं में गिरावट

नई दिल्ली। ब्याज दरें और महंगाई के घटने से शहरी परिवारों की वित्तीय स्थिति में तेजी से सुधार हुआ है।इसका अंदाजा शहरी उपभोक्ता धारणा सूचकांक से लगाया जा सकता है, जो लगातार दूसरे महीने बढ़कर अप्रैल में 108.8 पहुंच गया। यह एक साल में सबसे ज्यादा है। मार्च में यह 107.7 और फरवरी में 104.3 था। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकनॉमी (सीएमआईई) के अनुसार, भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव से आगे धाराणाओं को झटका लग सकता है। सीएमआईई के अनुसार, मार्च-अप्रैल, 2025 में शहरी धाराणाओं में अच्छी वृद्धि हुई है। शहरी परिवार अपनी वर्तमान आर्थिक स्थितियों को लेकर उत्साहित दिखे और भविष्य की संभावनाओं को लेकर भी आशावादी थे। महत्वपूर्ण यह है कि धाराणाओं में उछाल व्यापक आधार पर है। किसी खास व्यवसाय समूह के परिवारों तक सीमित नहीं है। व्यवसाय में लगे शहरी, वेतनभोगी परिवार और छोटे व्यापारियों व दिहाड़ी मजदूरों के परिवारों की भी धाराणाओं में वृद्धि हुई है। वर्तमान आर्थिक स्थितियों को लेकर शहरी सूचकांक (आईसीसी) अप्रैल में 0.8 फीसदी और मार्च में 4.5 फीसदी बढ़ा था। तीन माह में शहरी आईसीसी में एक फीसदी गिरावट आई थी।

वनस्पति तेल का आयात अप्रैल में 32 फीसदी घटा; मैनकाइंड फार्मा को 341.86 करोड़ रुपये का आयकर नोटिस

नई दिल्ली। पाम और रिफाइंड तेल आयात में कमी से वनस्पति तेल का आयात अप्रैल में 32 फीसदी घटकर 8.91 लाख टन रह गया।सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन के मुताबिक, सरसों की पेराई बढ़ने के साथ पाम तेल की मांग में कमी से तीन माह में आयात बहुत कम स्तर पर रहा।एसईए के मुताबिक, नेपाल से रिफाइंड खाद्य तेलों का आयात 60,000 से 70,000 टन मासिक है। इससे भी समग्र आयात और स्टॉक को प्रभावित किया है। अप्रैल में पाम तेल आयात 53 प्रतिशत घटकर 3.21 लाख टन रह गया। कच्चे पाम तेल का आयात 55 प्रतिशत घटकर 2.41 लाख टन रह गया। सूरजमुखी तेल आयात 23.28 प्रतिशत घटकर 1.80 लाख टन रह गया।

मैनकाइंड फार्मा को 341.86 करोड़ रुपये का आयकर नोटिस

नई दिल्ली। दवा कंपनी मैनकाइंड फार्मा लि. को आयकर विभाग से ब्याज सहित 341.86 करोड़ रुपये की अतिरिक्त कर मांग का नोटिस मिला है। कंपनी ने बुधवार को शेयर बाजारों को बताया, उससे आयकर उपायुक्त (सेंट्रल सर्कल 29), नई दिल्ली के कार्यालय से आईटी पोर्टल के जरिये 13 और 14 मई, 2025 को ब्याज सहित 341.86 करोड़ रुपये की अतिरिक्त कर मांग की गई। यह मांग आयकर अधिनियम-1961 की विभिन्न धाराओं के तहत किए गए समायोजन और विभिन्न खर्च की अस्वीकृति के कारण है।

ई-कॉमर्स कंपनियों को पाकिस्तानी झंडे वाले उत्पाद हटाने का आदेश

नई दिल्ली। उपभोक्ता संरक्षण नियामक ने अमेजन इंडिया और वॉलमार्ट के स्वामित्व वाली फ्लिपकार्ट सहित विभिन्न ई-कॉमर्स कंपनियों को नोटिस जारी कर उन्हें अपने मंच से पाकिस्तानी झंडे वाले उत्पाद हटाने का निर्देश दिया है। उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी ने यह जानकारी दी। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने यूबाय इंडिया, एट्सी, द फ्लैग कंपनी व द फ्लैग कॉरपोरेशन को भी भेजे नोटिस में कहा, पाकिस्तानी झंडों और संबंधित सामानों की बिक्री बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जोशी ने कहा, ऐसी असंवेदनशीलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ई-कॉमर्स मंच ऐसी सभी सामग्री तुरंत हटा दें और राष्ट्रीय कानूनों का पालन करें।

शक्ति पंप्स ने 2,516.2 करोड़ का राजस्व अर्जित किया

नई दिल्ली।शक्ति पंप्स (इंडिया) लिमिटेड (एसपीआईएल), इंदौर (मध्य प्रदेश) ने 31 मार्च 2025 को समाप्त तिमाही और वित्त वर्ष के लिए अपने वित्तीय परिणामों की घोषणा की है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 में सर्वाधिक 2,516.2 करोड़ रुपये के राजस्व का आंकड़ा पार किया है। इसमें वर्ष दर वर्ष 83.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। वहीं वित्त वर्ष 2024-25 का शुद्ध लाभ 188.2 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 408.4 करोड़ रहा। इस अवसर पर एसपीआईएल के चेयरमैन दिनेश पाटीदार ने प्रसन्नता जाहिर की और कहा कि कंपनी का प्रदर्शन बहुत ही शानदार रहा है। कंपनी ने सभी प्रमुख मानकों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। यह प्रभावशाली टॉपलाइन ग्रोथ हमारे घरेलू और निर्यात दोनों व्यवसायों में शानदार प्रदर्शन के चलते संभव हुई है।

बरबेरी वैश्विक स्तर पर 1,700 की करेगी छंटनी

नई दिल्ली। ब्रिटिश लग्जरी ब्रांड बरबेरी लागत में कटौती करने और कारोबार को पटरी पर लाने के लिए वैश्विक स्तर पर 1,700 नौकरियों में कटौती करेगी। 2024-25 में कंपनी को 3.45 करोड़ डॉलर का परिचालन लाभ हुआ है। कई देशों में बिक्री 9 फीसदी तक गिर गई है।

ट्रेड यूनियनों की देशव्यापी हड़ताल में शामिल नहीं होगा भारतीय मजदूर संघ

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय ट्रेड यूनियनों ने किसान एवं मजदूरों की न्यूनतम मजदूरी बढ़ाने और महंगाई पर रोक लगाने सहित 17 सूत्री मांगों तथा चार लेबर कोड रद्द करने की मांग को लेकर 20 मई को देशव्यापी हड़ताल का आह्वान किया है, लेकिन इस हड़ताल में भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) शामिल नहीं होगा। भारतीय मजदूर संघ के महामंत्री रविन्द्र हिमते ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि देश के कुछ ट्रेड यूनियन ने 20 मई को किसान एवं मजदूरों की न्यूनतम मजदूरी बढ़ाने, महंगाई पर रोक लगाने सहित 17 सूत्री मांगों तथा चार लेबर कोड रद्द करने की मांग को लेकर देशव्यापी हड़ताल करने का निर्णय लिया है, लेकिन भारतीय मजदूर संघ इस हड़ताल में शामिल नहीं है। हिमते ने कहा कि भारतीय मजदूर संघ ने दो लेबर कोड का समर्थन किया है, जबकि दो लेबर कोड में संसोधन करने की मांग की है। बीएमएस ने जिन दो लेबर कोड ऑन वेजेस 2019

कोड ऑन सोशल सिक्योरिटी 2020 का स्वागत किया है, उनमें कोड ऑन वेजेस 2019 तथा कोड ऑन सोशल सिक्योरिटी 2020 एक ऐतिहासिक कोड है, जिसमें पहली बार केंद्र सरकार के स्तर पर फ्लोर लेवल मिनिमम वेज तय करने तथा राज्य सरकारों को इसके बराबर या इससे अधिक न्यूनतम वेतन राज्यों में तय करने का अधिकार दिया गया है। इस कोड के तहत न्यूनतम वेतन में इजाफा प्रत्येक 5 साल में हो सकेगी। इससे पहले अधिसूचित रोजगार में कार्यरत मजदूर ही केवल न्यूनतम वेतन का हकदार होता था, अब इसमें बदलाव किया गया तथा कोई भी मजदूर जो 8 घंटे कहीं भी कार्य करेगा वह न्यूनतम वेतन पाने का हकदार होगा। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार कोड ऑन सोशल सिक्योरिटी 2020 के तहत गिग एवं प्लेटफार्म कर्मी के लिए पहली बार सोशल सिक्योरिटी का प्रावधान किया गया है। इसके तहत संस्थान के द्वारा किसी कर्मचारी हेतु निर्धारित राशि का कंट्रीब्यूशन ईएसआईसी में जमा नहीं करने के बराबर में ईएसआईसी अस्पताल द्वारा श्रमिक की बीमारी या दुर्घटना की स्थिति में उसका इलाज नहीं किया जाता था। लेकिन इस नए कोड के तहत निर्धारित कंट्रीब्यूशन की राशि यदि संस्थान के द्वारा ईएसआईसी के पास जमा नहीं की जाती है, तो भी श्रमिक की बीमारी या दुर्घटना की स्थिति में उसका संपूर्ण इलाज ईएसआईसी हॉस्पिटल के द्वारा किया जाएगा, जो यह इस कोड की अच्छाई है। हिमते ने कहा कि उपरोक्त कारणों से भारतीय मजदूर संघ ने उपरोक्त दो लेबर कोडों का स्वागत किया है।

मेकमाईट्रिप की मजबूत छलांग: राजस्व 25.6 प्रतिशत बढ़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत की अग्रणी ऑनलाइन यात्रा सेवा प्रदाता कंपनी मेकमाईट्रिप लिमिटेड का 31 मार्च को समाप्त वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में सकल राजस्व इसके पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के 20.29 करोड़ डॉलर के मुकाबले 25.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 24.55 करोड़ डॉलर पर पहुंच गया।कंपनी ने बयान जारी कर बताया कि वित्त वर्ष25 के दौरान कंपनी की सकल बुकिंग में स्थिर मुद्रा के आधार पर 30.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई और यह 2.55 अरब डॉलर तक पहुंच गई, जो पिछले वर्ष की इसी तिमाही में 2.03 अरब डॉलर थी। इसी तरह राजस्व में भी 25.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और यह 24.55 करोड़ डॉलर पर पहुंच गया जबकि वित्त वर्ष 24 में 20.29 करोड़ डॉलर था। कंपनी का समायोजित परिचालन लाभ 37.9 प्रतिशत की तेज बढ़त के साथ 4.47 करोड़ डॉलर हो गया, जो पिछले साल इसी तिमाही में 3.24 करोड़ डॉलर था। चौथी तिमाही का कुल लाभ 2.92 करोड़ डॉलर रहा जबकि वित्त वर्ष24 की चौथी तिमाही में यह 17.19 करोड़ डॉलर था। मेकमाईट्रिप के ग्रुप मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजेश मागो ने कहा, इस वित्तीय वर्ष में हमने रिकॉर्ड बुकिंग और राजस्व अर्जित किया है। यह हमारे ब्रांड की मजबूती, तकनीकी प्लेटफॉर्म की विश्वसनीयता और घरेलू तथा अंतरराष्ट्रीय यात्रा की मांग में निरंतर वृद्धि को दर्शाता है। हम नए ग्राहक खंडों में निवेश कर रहे हैं और व्यक्तिगत अनुभवों के ज़रिए ग्राहकों को बार-बार जोड़ने में सफल हो रहे हैं।

भारत 6जी पेटेंट दाखिल करने वाले शीर्ष-6 देशों में शामिल, 5जी के मुकाबले 100 गुना तेज होगी स्पीड

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत 5जी के बाद अब 6जी तकनीक की दिशा में भी तेज रफ्तार से आगे बढ़ रहा है।खास बात है कि भारत अब 6जी पेटेंट दाखिल करने वाले दुनिया के शीर्ष छह देशों में शामिल हो गया है।? केंद्रीय दूरसंचार राज्यमंत्री चंद्रशेखर पेम्मासानी ने बुधवार को कहा, भारत के पास प्रतिभाओं का विशाल भंडार और पर्याप्त समय है। 6जी में भारत के अग्रणी नहीं बनने का कोई कारण नजर नहीं आता है। भारत 6जी-2025 सम्मेलन में मंत्री ने कहा, 6जी टेराहर्ट्ज आवृत्ति बैंड का उपयोग करेगा, जिससे डाटा हासिल करने की दर एक टेराबिट प्रति सेकंड होगी।?यह रफ्तार 5जी की तुलना में 100 गुना तेज है। उन्होंने कहा, भारत में 111 से अधिक अनुसंधान परियोजनाओं को 300 करोड़ रुपये की मंजूरी राशि के साथ वित्तपोषित किया गया है। मंत्री ने कहा, भारत जैसे-जैसे वैश्विक प्रौद्योगिकी में अग्रणी बनने की दिशा में अपनी यात्रा जारी रखेगा, वैसे-वैसे 6जी प्रौद्योगिकी के साथ इसका आगे का

रास्ता आने वाले दशकों के लिए देश की समृद्धि को परिभाषित करेगा। स्वदेशी 6जी का विकास यह सुनिश्चित करेगा कि हमारा संचार भारत में ही विकसित हो और पूरी तरह सुरक्षित रहे।

एक लाख करोड़ डॉलर बढ़ जाएगी अर्थव्यवस्था

केंद्रीय दूरसंचार राज्यमंत्री ने कहा, 6जी पूरी तरह से नए उद्योगों का निर्माण करेगा और मौजूदा व्यवसायों में क्रांतिकारी बदलाव लाएगा। इस क्रांतिकारी परिवर्तन से 2035 तक देश की अर्थव्यवस्था में संभावित रूप से एक लाख करोड़ डॉलर का इजाफा होगा। उन्होंने आगे कहा, हमें एक ऐसे 6जी तंत्र का निर्माण करना है, जो भारत में बना हो और दुनिया भी इसका इस्तेमाल कर पाए।यह डिजाइन के मोर्चे पर पूरा सुरक्षित हो और प्रभाव में परिवर्तनकारी हो।

मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स 182 अंक उछला

एजेंसी

नई दिल्ली। ।खुदरा और थोक महंगाई में नरमी से हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन उतार-चढ़ाव भरे कारोबार के बावजूद शेयर बाजार मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 182.34 अंक यानी 0.22 फीसदी उछल कर 81,330.56 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 88.55 अंक यानी 0.36 फीसदी बढ़कर 24,666.90 के स्तर पर बंद हुआ। 30 शेयरों पर आधारित सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में टाटा मोटर्स, इटर्नल, टेक महिंद्रा, मारुति, महिंद्रा एंड महिंद्रा, इन्फोसिस, इंडसइंड बैंक, एचसीएल टेक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और भारती एयरटेल लाभ में रहीं। कारोबार के दौरान दूरसंचार कंपनी एयरटेल का शेयर एक फीसदी चढ़ा। दूसरी तरफ नुकसान में रहने वाले शेयरों में एशियन पेंट्स, टाटा मोटर्स, कोटक महिंद्रा बैंक, एनटीपीसी और पावरग्रिड शामिल हैं।

एशिया के अन्य प्रमुख शेयर बाजारों में शामिल दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, चीन का शंघाई कम्पोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंगसेंग लाभ में रहे, जबकि जापान के निक्की में नुकसान रहा। यूरोप के प्रमुख बाजारों में ज्यादातर में दोपहर कारोबार में गिरावट का रुख रहा। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.13 फीसदी की गिरावट के साथ 65.88 डॉलर प्रति बैरल रहा।उल्लेखनीय है कि एक दिन पहले सेंसेक्स 1,281.68 अंक यानी 1.55 फीसदी टूटकर 81,148.22 पर बंद हुआ था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 346.35 अंक यानी 1.39 फीसदी फिसलकर 24,578.35 के स्तर पर बंद हुआ था।

गुरुग्राम के ट्रंप टावर में एक ही दिन में बिके सभी 298 फ्लैट

एजेंसी

गुरुग्राम। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के गुरुग्राम में बनने वाले ट्रंप टावर में 298 फ्लैट लांच होने पर एक ही दिन में बिक गए। गुरुग्राम के सेक्टर-69 में ट्रंप टावर-2 बन रहा है। इस टावर में कुल 298 फ्लैट बनाए जाएंगें। मंगलवार की सुबह इन फ्लैट की ऑनलाइन बिक्री शुरू की गई और शाम होते होते सभी फ्लैट बिक गए। जिस तरह से लोगों ने ट्रंप टावर में फ्लैट खरीदने में दिलचस्पी दिखाई, उससे यह भी पता चला कि लोगों को ट्रंप टावर में प्रॉपर्टी खरीदने के लिए कितनी बेसब्री से इंतजार था। जैसे ही फ्लैट्स की बिक्री शुरू की गई, लोगों ने धड़ाधड़ बुकिंग शुरू कर दी। एक ही दिन में सभी 298 फ्लैट बिक गए। इनकी कीमत 3250 करोड़ बताई जा रही है। ट्रंप टावर अभी निर्माणाधीन है। काम पूरा नहीं हुआ है।वैसे तो गुरुग्राम में 200 करोड़ रुपये प्रति फ्लैट की बिक्री से इतिहास बन चुका है, लेकिन एक ही

दिन में किसी सोसायटी के इतने फ्लैट शायद पहली बार बिके हैं। माना जा रहा है कि लोगों ने इसे स्टेटस सिंबल के तौर पर भी देखा है कि वे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कंपनी में प्रॉपर्टी ले रहे हैं। इसलिए लोगों की यहां फ्लैट खरीदने में इतना ज्यादा रुचि रही। एक ही दिन में इतना फ्लैट बिक जाना बड़ी कीर्तिमान माना जा रहा है। डोनाल्ड ट्रंप की कंपनी के इन लग्जरी फ्लैट्स की कीमत आठ करोड़ से लेकर 15 करोड़ रुपए प्रति फ्लैट तक बताई जा रही है। फ्लैट का क्षेत्रफल 300 से 400 वर्ग गज है। यहां 125 करोड़ रुपये के पेंट हाउस भी बनाए जा रहे हैं। वर्तमान में भारत में ट्रम्प ब्रांड के पांच लग्जरी आवासीय परिसर हैं। ये मुंबई, पुणे, गुरुग्राम में दो और कोलकाता में हैं।

टावर-1 की पजेशन भी इसी महीने मिलने की संभावना

दल्ली-एनसीआर में ट्रंप टावर-1 की अभी तक पजेशन नहीं मिली है। वर्ष 2018 में इस प्रोजेक्ट के निर्माण का काम शुरू हुआ था। उसमें पूरे फ्लैट बिक चुके हैं। इसी महीने से उसमें पजेशन मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। स्मार्ट वर्ल्ड डेवलपर्स के संस्थापक पंकज बंसल ने मीडिया को जानकारी दी कि ट्रंप टावर के फ्लैट्स की इस तरह से बिक्री से यह साफ है कि भारत में वर्ल्ड क्लास रहन-सहन को प्राथमिकता दी जा रही है। लोग बड़े प्रोजेक्ट पर दिल खोलकर खर्च कर रहे हैं।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे।तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर

जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा।वैश्विक स्तर पर साप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 0.14 प्रतिशत गिरकर 63.58 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। इसी तरह लंदन ब्रेंट क्रूड 0.17 प्रतिशत उतरकर 66.52 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

तुर्की और अजरबैजान की यात्राओं से भारतीयों का किनारा, रद्दीकरण में 250 प्रतिशत उछाल

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑनलाइन यात्रा सेवा प्रदाता कंपनी मेकमाईट्रिप ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद उत्पन्न हुए कूटनीतिक तनाव के बीच भारतीय यात्रियों के तुर्की और अजरबैजान की यात्रा से मुंह मोड़ने से इन देशों के लिए बुकिंग में 60 प्रतिशत की गिरावट और रद्दीकरण में 250 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की है। मेकमाईट्रिप के प्रवक्ता ने कहा, 'हम अपने देश के साथ खड़े हैं। अजरबैजान और तुर्की की अनावश्यक यात्राओं से बचने की सलाह दी जाती है।' कंपनी ने इन गंतव्यों के लिए सभी प्रचार और ऑफर भी बंद कर दिए हैं। इस रुख को भारतीय यात्रा उद्योग में व्यापक समर्थन मिल रहा है। यात्रा एजेंसी कॉक्स एंड किंग्स ने दोनों देशों के पैकेज निलंबित कर दिए हैं। वहीं,

ट्रैवल एजेंट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (टीएएआई) ने सामूहिक बहिष्कार का आह्वान करते हुए सभी एजेंसियों को इन देशों के पर्यटन को बढ़ावा न देने की सलाह दी है। उद्योगपति हर्ष गोयनका ने भी इस बहिष्कार का समर्थन करते हुए कहा कि भारतीय पर्यटक हर साल तुर्की और अजरबैजान की अर्थव्यवस्थाओं में 4,000 करोड़ रुपये से अधिक का योगदान करते हैं। उन्होंने कहा कि यह बहिष्कार एक मजबूत आर्थिक संदेश देगा। इस बीच तुर्की के पर्यटन विभाग ने भारतीयों से अपनी यात्रा योजनाएं रद्द न करने की अपील की, लेकिन यह अपील सोशल मीडिया पर 'भारतीय खून के पैसे नहीं देंगे' जैसे नारों के साथ व्यापक आलोचना का शिकार बनी। ध्यान देने वाली बात यह है कि हाल के महीनों में इन दोनों देशों में भारतीय पर्यटकों की संख्या में भारी बढ़ोतरी देखी गई थी। जनवरी से मई 2024 के बीच तुर्की में 34 प्रतिशत और अजरबैजान में 2.7 गुना वृद्धि हुई थी। लेकिन अब, भावनात्मक प्रतिक्रिया और देशभक्ति की भावना के चलते भारतीय यात्रियों ने स्पष्ट रुख अपनाया है, जिससे यात्रा उद्योग में एक बड़ा बदलाव देखा जा रहा है।

खाद्य तेलों में टिकाव; दालें महंगी

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेशी बाजारों के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर उठाव सुस्त रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा जबकि मांग निकालने से दालें महंगी हो गई वहीं अन्य जिंसों के भाव स्थिर रहे।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का मई वायदा 105 रिंगिट उबलकर 3934 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। वहीं, मई का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.29 सेंट गिरकर 51.19 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और

गुड़ के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टीके रहे।

दाल-दलहन : दाल-दलहन के बाजार में तेजी रही। इस दौरान चना 150 रुपये, दाल चना 150 रुपये, मसूर दाल 100 रुपये, मूंग दाल 200 रुपये, उड़द दाल 100 रुपये और अरहर दाल 150 रुपये प्रति क्विंटल चढ़ गई।

अनाज :अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान गेहूं और चावल के दाम पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर पड़े रहे।

कनाडा की सरकार ने मध्यम वर्ग को दी बड़ी राहत, आयकर दर घटाई, जुलाई 2025 से ही मिलेगा फायदा

एजेंसी

नई दिल्ली। कनाडा की सरकार ने नई कैबिनेट के एलान के तुरंत बाद एक बड़ा फैसला किया है। दरअसल कनाडा की सरकार ने मध्यम वर्ग के लिए आयकर में कटौती करने का फैसला किया है। एलान के तहत सरकार ने आयकर की दर को 15 प्रतिशत से घटाकर 14 प्रतिशत कर दिया है और घटी हुई दर एक जुलाई 2025 से लागू हो जाएंगी। कनाडा सरकार के इस कदम से देश के करीब 2.2 करोड़ लोगों को फायदा मिलने की उम्मीद है। सरकार के अनुमान के मुताबिक दो आय वाले घरों को सालाना 840 अमेरिकी डॉलर की बचत हो सकती है। कनाडा के वित्त विभाग ने एक बयान जारी कर बताया कि सरकार के एजेंडे के तहत मध्यम वर्गीय लोगों को आयकर में राहत दी गई है। इस फैसले से कनाडा के मेहनतकश लोगों को फायदा मिलेगा और लोग अपनी जरूरत की चीजों पर ज्यादा खर्च कर सकेंगे। सरकार के फैसले से कनाडा के लोगों की अगले पांच वर्षों में 27 अरब डॉलर की टैक्स बचत हो सकती है।

कतर में मुकेश अंबानी की राष्ट्रपति ट्रंप से मुलाकात; वैश्विक व्यापारिक जगत में इसकी खूब चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। उद्योगपति मुकेश अंबानी ने कतर के दोहा में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और कतर के अमीर से मुलाकात की। ट्रंप के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद मुकेश अंबानी की उनसे यह दूसरी मुलाकात की है। इससे पहले जनवरी में मुकेश अंबानी और उनकी पत्नी नीता अंबानी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए थे। ट्रंप के साथ मुकेश अंबानी की मुलाकात की वैश्विक व्यापारिक जगत में खूब चर्चा है। यह हाई-प्रोफाइल मीटिंग वैश्विक व्यापार और कूटनीति में मुकेश अंबानी के बढ़ते प्रभाव को दिखाती है। गौरतलब है कि बीते कुछ सालों में कतर इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी (QIA) और वहां के सॉवरेन वेल्थ फंड ने रिलायंस वेंचर्स में काफी निवेश किया है। साथ ही मुकेश अंबानी ने गूगल और मेटा जैसी प्रमुख अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनियों के साथ भी मजबूत व्यापारिक संबंध बना रखे हैं। ऐसे में यह बैठक रिलायंस इंडस्ट्रीज के लिए अंतरराष्ट्रीय साझेदारी और निवेश संभावनाओं को और मजबूत करती है।

ट्रंप के टैरिफ लगने के बाद रिलायंस के कारोबार पर पड़ा है असर

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ निर्णय का मुकेश अंबानी के कारोबार पर असर पड़ा है। उनकी कंपनी रिलायंस ने पिछले साल वेनेजुएला से कच्चा तेल आयात फिर से शुरू करने के लिए अमेरिका से छूट हासिल की थी। लेकिन मार्च में ट्रंप द्वारा दक्षिण अमेरिकी देश से तेल खरीदने वाले देशों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने के बाद इसे रोकना पड़ा था।

ट्रंप के शपथ ग्रहण में शामिल हुए थे मुकेश और नीता अंबानी

जनवरी में मुकेश अंबानी और उनकी पत्नी नीता अंबानी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए थे। उन्होंने ट्रंप के साथ कैंडल लाइट डिनर में भी भाग लिया था। रात्रिभोज के दौरान दोनों ने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और उनकी पत्नी उषा से भी मुलाकात की थी। भारतीय उद्योगपति मुकेश अंबानी के परिवार के ट्रंप के परिवार के साथ अच्छे संबंध हैं। 2017 में जब डोनाल्ड ट्रंप की बेटी इवांका ट्रंप ग्लोबल एंटरप्रेन्योरशिप समिट के लिए हैदराबाद आईं तो अंबानी वहां मौजूद थे। फरवरी 2020 में जब ट्रंप अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में भारत आए थे तब भी अंबानी मौजूद थे।

अनंत-राधिका के प्री वेडिंग में भी आई थी इवांका

मार्च 2024 में गुजरात के जामनगर में मुकेश अंबानी के छोटे बेटे अनंत अंबानी और मंगेतर राधिका मर्चेंट के प्री वेडिंग समारोह में भी डोनाल्ड ट्रंप की बेटी इवांका, उनके पति जेरेड कुशनर और उनकी बड़ी बेटी अरेबेला रोज शामिल हुए थे। उन्होंने समारोह में पारंपरिक भारतीय परिधान पहनकर भाग लिया था। वे यहां तीन दिन तक रहे थे।

कहां से आया फलों का राजा आम

आम को इसकी मिठास तथा गुणों के कारण भारत में फलों का राजा कहा जाता है। आपको यह जानकर भी आश्चर्य होगा कि पूरे विश्व में आम भारत से ही गया है। डी कन्डोले के अनुसार भारत में चार हजार वर्षों से भी पहले से इसकी खेती हो रही थी। फाहियान और ह्वेनसांग का भी मत है कि यह फल राजा आम्रधारिका ने गौतम बुद्ध को भेंट किया था।

कहा जाता है कि अपनी विश्वविजय के दौरान सिकंदर को इसका स्वाद इतना भाया कि वह आम की कलमें अपने साथ यूरोप ले गया। मुगल बादशाह बाबर तो आम का इतना दीवाना था कि उसने अपना ताज उतारकर आम के ऊपर रख दिया था, ताकि कोई अन्य इसका स्वाद न ले सके। सांची तथा भरहुत के स्तम्भों और अजन्ता के भित्तिचित्रों में भी आम का चित्रण पाया गया है। अमीर खुसरो ने भी आम को 'फल सम्राट' की उपाधि दी थी।

आपने आम की लंगड़ा, दशहरी, सफेदा आदि किस्मों के बारे में अवश्य सुना होगा। आम की यह किस्में संसारभर में मशहूर हैं। शरबती, कलमी, तोतापरी, नीलम, जाफरानी, चौसा, मल्लिका, केसर, फजली, लड्डू, पसेरा, माल्टा, अलफान्सो आदि आम की कुछ अन्य बेहतरीन किस्में हैं।

आम के इन विभिन्न नामों के पीछे का इतिहास भी कोई कम दिलचस्प नहीं है। लंगड़े आम के बारे में कहा गया है कि यह आम बनारस में विकसित हुआ है। वहां के एक विश्व मंदिर में एक लंगड़े साधु के पास आम के दो छोटे पौधे थे, जिनकी कलमें जंगल से उड़कर उसके पास आ गई थीं। साधु ने इन्हें बो दिया तथा जी-जान से उनकी देखभाल करने लगा।

कुछ वर्षों के पश्चात जब इन वृक्षों पर आम के फल लगे, तब साधु ने इन्हें शिव की मूर्ति पर चढ़ा दिया। कुछ समय के बाद उसने इन वृक्षों का कार्यभार पुजारी को सौंप दिया। पुजारी किसी को इनकी कलम न देता, पर प्रसाद के रूप में आम को भक्तजनों में बांट देता। भक्तजन इन रसीले आमों को खाकर तृप्ति का अनुभव करते।

धीरे-धीरे इन आमों के अनूठे स्वाद की चर्चा काशी नरेश तक पहुंची। काशी नरेश स्वयं मंदिर पधारे। शिव की पूजा करके उन्होंने पुजारी से कलम मांगी। पुजारी ने उन्हें कलम दे दी। जिससे आम के पौधे बने। यह आम फैलता चला गया और लंगड़ा आम कहलाया।

इसी तरह दशहरी आम का नाम लखनऊ के दशहरी गांव पर पड़ा है। मलीहाबादी आम का नामकरण भी मलीहाबाद नगर से हुआ है। दशहरी आम बादशाह कुतुबदीन ऐबक के शासनकाल में विकसित हुआ।

आम की कई किस्में काफी अनोखी हैं। 'शरीफा' आम दूर से सचमुच शरीफा दिखता है। 'अंगूरा' आम पेड़ पर अंगूर के गुच्छे जैसे आकार में लगते हैं। 'करेला' आम का रूप-रंग करेले जैसा होता है। 'चितला' आम छिलके से ही हरा-सफेद नहीं होता। उसे काटने पर भीतरी गूदा भी हरा-सफेद होता है। 'नीमचढ़ा' का स्वाद कुछ-कुछ कड़वा होने के कारण ही इसका यह नाम पड़ा है। 'लैला-मजनू' नामक किस्म की खासियत यह है कि लैला तथा मजनूं नामक आम के दो पेड़ साथ-साथ लगे होने पर ही फल देते हैं, अन्यथा नहीं।

'गुलदाना' खट्टा है तो 'छोटा जहांगीर' वाकई छोटा और बेहद मीठा है। 'ऐग मैंगो' बिल्कुल अंडे जैसा लगता है। 'दानापुरी कक्डन' की खासियत है कि यह अपने वृक्ष पर केवल एक ही पैदा होता है। महाराष्ट्र के 'कोंकण कृषि विद्यापीठ' में भारतीय कृषि अनुसंधान के वैज्ञानिकों ने बिना गुठली का नाम विकसित करने में सफलता प्राप्त की है। इस आम को 'सिन्धु' नाम दिया गया है।

इसके अलावा गोपाल भोग, इब्राहिम, कश्मीर, जुलेखां, हिटलर, जालिम अंडा, कक्कडी, कंचन, अर्जुन, महबूबा, वेलियन, नवाब गुड़, बीरबल, महाराज, बादशाह, चांद बीबी, हिटलर, केडी, हुस्नेआरा, लता, मोहन भोग, कालापानी, कोबरा, जेलर, फजरी जैसे आम अपनी बेमिसाल रूप-रंगत, निराले स्वाद के अलावा अपने नाम से भी लाजवाब कर देते हैं। भारत में आम की लगभग एक हजार किस्में पाई जाती हैं।

कितने सारे टीचर्स!!!

प्रकृति में पेड़-पौधे, सूरज, हवा, हिमकण और सितारे सब शामिल हैं। इनका वजूद हम सबके अस्तित्व के लिए बहुत जरूरी है। इस बात से तो आप भी इत्तेफाक रखते ही होंगे। अब आप सोच रहे होंगे, ये तो हमें मालूम है, तो फिर क्यों बताया जा रहा है। पर दोस्तो, क्या आपने अपने आस-पास मौजूद इन तत्वों से कुछ सीखने की कोशिश की है। क्या?..ये क्या सिखाएंगे!!! ये तो बोलते ही नहीं है। अरे ये बिना बोले ही काफी कुछ कह जाते हैं। बस जरूरत है इनको ध्यान से सुनने की। आइए हम लेकर चलते हैं आपको इन सबसे मिलवाने और इनसे दोस्ती भी करवाने..।

कुछ कहते हैं ये पेड़-पौधे

हमारी धरती को हरी-भरी बनाने के साथ हमें ऑक्सीजन की सौगात देते हैं, जिसे हम प्राणवायु कहते हैं। बस इतना जानते हैं आप। इनके वो गुण भी देखिए, जिनसे अब तक आप अनजान थे।

आत्मनिर्भर- पेड़-पौधे अपने भोजन की स्वयं ही व्यवस्था करते हैं। मिट्टी से पोषक तत्व और पानी को सोखते हैं और फिर सूर्य के प्रकाश से ऊर्जा लेकर, भोजन बनाते हैं। आप इनसे आत्मनिर्भर बनने की सीख ले सकते हैं।

सुरक्षा-सहायता- पेड़ की छांव तेज धूप में आपको शीतलता प्रदान करती है। वहीं इसके फल बहुत मीठे और रसीले होते हैं। पेड़ अपने फल तो आपके और हमारे लिए ही होते हैं।

खुद पर नाज- इनकी सबसे बड़ी खासियत यह होती है कि ये चाहें कैसे भी टेढ़े-मेढ़े हों, दूसरे पेड़ ही तरह नहीं बनने की कोशिश करते। यानी आप जो भी हो जैसे भी हो, वही रहना चाहिए। आत्मविश्वास से भरपूर बने रहना चाहिए। यही तो है आपकी पहचान।

नहीं करते बर्बाद- ये कुछ भी बर्बाद नहीं करते, अपने पोषक तत्वों को धरती से सोख लेते हैं। समय को बिना गंवाए अपने विकास के लिए लगातार लगे रहते हैं।

कैसी थी दुनिया की पहली पेंसिल

क्या आप जानते हैं कि आपकी पढ़ाई की साथी आपकी पेंसिल का सबसे पहला रूप कैसा था? दुनिया की पहली पेंसिल ग्रेफाइट छड़ों का एक गुच्छा मात्र थी जिन्हें एक डोरी से बांधा गया था। इसके बाद किसी ने सोचा कि ग्रेफाइट छड़ को एक लकड़ी की खोखली छड़ के अंदर रखना चाहिए। जोसेफ रिचेंडरफर पहले व्यक्ति थे जिन्होंने पेंसिल के टप पर रबर लगाने के बारे में सोचा। ताकि लिखते वक्त हुई गलतियों को आसानी से ठीक किया जा सके। एक पेंसिल से आप 35 मील लंबी लाइन खींच सकते हैं या अंग्रेजी के 50,000 शब्द लिख सकते हैं।